{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 03 दिसम्बर 2025
मार्गशीर्ष शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 71
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पदमेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	85,138.27
निफ्टी	-	26,032.20
सोना	-	1,29,870
चांदी	-	1,88,000
डॉलर	-	89.93

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

लफ्जों की गवाही

संसद जैसा एक कैंटीन हमारे शहरों में भी खुलवा दो !!

● डॉ विपिन बिहारी शांडिल्य

देश में खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं पर संसद कैंटीन में परोसी जाने वाली कई चीजों के दाम अभी भी ऐसे है कि सड़क किनारे ठेले वाले की रेट लिस्ट में भी कई चीजों के दाम इससे ज्यादा होते होंगे ।

संसद कैंटीन में परोसी जाने वाली चीजों में से कुछ के दाम तवा रोटी 3, तंदूरी रोटी रू.4, नॉन रू.6, लच्छा पराठा रू. 81

माननीयों के लिए कई तरह की चाय-कॉफी का इंतजाम किया गया

है चाय का सबसे कम दाम 25 रूपये है वहीं मसाला चाय, दार्जिलिंग चाय, अर्ल ग्रे चाय, अदरक चाय और कॉफी का दाम रू. 10, नेस्कैफे कॉफी रू.23 है। नौ तरह के सूप हैं सभी का दाम रू. 25 है। दाल, सब्जी, चावल, चपाती और पापड़ वाली मिनी थाली का दाम 250 है।

पनीर, दाल, सब्जी, चावल, चपाती, दही, सलाद, पापड़ और मिष्ठान्न वाली पूरी थाली का दाम रू.100 है।

नॉन वेज थाली का दाम रू. 200 है।

दो तरह की व्यंजन सूची है. एक 20 पन्नों की है इसमें करीब 140 तरह के व्यंजन है और दूसरी सूची 24 पन्नों की इसमें करीब 190 तरह के व्यंजन हैं ।

ऐसे में जब हमारे शहर में खाने पीने की चीजों की महंगाई आसमान पर है जैसे आटा 240-745 किलो, दाल रू.120-165 किलो तक, दूध रू.60-270 लीटर.दही रू.100- ? 120 किलो, पनीर रू.300 किलो, घी रू.700 किलो ऐसे समय में भी दिल्ली में पांच सितारा होटल संचालित करने वाली भारतीय पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) इतने कम दाम में एक से एक तरह के लजीज व्यंजन बिना किसी सब्सिडी (वित्तीय सहारे) के बेच रही है तो इस सरकारी कंपनी से एक गुजारिश हमारी भी है कि इससे एक चौथाई व्यंजन सूची वाला एक कैंटीन हमारे शहरों में भी खुलवा दे इससे महंगाई का दंश तो कुछ कम होगा और हां हमें 140 या 190 व्यंजन सूची वाला कैंटीन नहीं चाहिए हमारे लिए तो 20-25 व्यंजन सूची वाला कैंटीन ही काफी है... यही एक बड़ी कृपा होगी ।

बीते माह यह व्यंजन सूची मुझे भारतीय पर्यटन विकास निगम से आरटीआई में मिली है जब मैंने आईटीडीसी से संसद कैंटीन संचालित करने के लिए लोकसभा सचिवालय और आईटीडीसी के मध्य हुए करार की कॉपी मांगी तो आईटीडीसी ने मुझे यह सामान्य सी जानकारी यह कहते हुए देने से इनकार कर दिया कि यह वाणिज्यिक गोपनीयता /व्यापार रहस्य का मामला है और जब मैंने यह पूछा कि संसद कैंटीन में परोसे जाने वाले व्यंजन की प्रति नग लागत कितनी आती है तो इसे भी वाणिज्यिक गोपनीयता और व्यापार रहस्यों का मामला बताते हुए देने से मना कर दिया.. अरे भई हम यही तो जानना चाह रहे थे कि आप दोनों सरकारी निकायों में कौनसा और कैसा करार हुआ है और जो आप इतने कम दाम में बिना किसी वित्तीय सहारे के इतने तरह के व्यंजन बेच रहे हो उसकी वास्तविक लागत आती क्या है ?

इसमें कौन सी गोपनीयता जैसी बात है मैंने कोई परमाणु रिएक्टर बनाने की तकनीक तो नहीं मांगी है.सिंपल कैंटीन संचालन से जुड़ी जानकारी है। आप इसे क्यों छुपाना चाहते हो बल्कि आपको तो यह जानकारी सार्वजनिक कर देनी चाहिए जिससे जनता भी यह जान और सीख सके कि इतनी महंगाई में भी इतने किफायती दाम में खाना कैसे बनाया और खिलाया जाता है!!

14 लाख की इनामी हार्ड कोर माओवादी जिस पर बीस से ज्यादा हैं ख़तरनाक प्रकरण, जिसने 18 साल बाद हथियार छोड़ा!! यह कहानी है बालाघाट जिले के बिरसा ब्लॉक के एक छोटे से गाँव की माओवादी संगीता रायसिंह पंन्द्रे की !!

संगीता उर्फ़ शैवंती पन्द्रे के गाँव राशिमेटा में!!

माओवाद प्रभावित इस गाँव में अब गहराई तक ख़ामोशी है!!

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़। बालाघाट

यहाँ कोई बात नहीं करना चाह रहा है!! डर भी है अदृश्य सन्नाटा भी है!! यह कहानी है एक गांव की दुखद किस्मत और माओवादी विद्रोह के खिलाफ और भारत के ख़िलाफ लड़खड़ाते संघर्ष के खतरनाक नतीजे अब तक रहे हैं! इस गाँव पर हर वक़्त खतरा मंडराता रहा है. यह गाँव है दक्षिण बैहर का एक गाँव राशिमेटा की. यह दूल्हापुर ग्राम पंचायत का आश्रित गाँव है.बस यही इसकी पहचान भी है. यह माओवादी संगीता और सम्पत का भी गाँव है. यह भी एक मुक़्कमल पहचान है इस गाँव की!!

यही से निकली मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र एमएमसी नक्सली जोन में वांछित माओवादी संगीता ने बीते दिनों गोंदिया में आखिरकार 18 साल बाद हथियार डाल दिए और समाज की मुख्य धारा में लौट गयी । उस दिन महाराष्ट्र के दर्रेकसा में दलम के अपने 11 माओवादी कैडर के साथ उसके आत्मसमर्पण ने न सिर्फ तीन राज्यों की सुरक्षा एजेंसियों को बहुत बड़ी कामयाबी दी, बल्कि बालाघाट क्षेत्र में माओवादी नेटवर्क के कमजोर पड़ने की पुष्टि भी कर दी। वांछित नक्सल महिला संगीता पंन्द्रे के सिर पर 14 लाख रुपये का इनाम था।

बालाघाट में अब कितने माओवादी सक्रिय यह अज्ञात!!

आज 'बालाघाट एक्सप्रेस' इस राशिमेटा गाँव में था. जहां पर केवल ख़ामोशी का आलम दिखा. इसी गाँव की एक लड़की ने 18 साल पहले हर एक गाँव से एक सदस्य की नक्सलियों की मांग के चलते ख़ुद शामिल होना स्वीकार कर लिया था।

तब से लेकर अब तक वह सक्रिय रही थी

जानकारी के मुताबिक प्रदेश में खात्मे की कगार पर माओवाद हब.अब उसके कैडर समर्पण पर मजबूर हो चुके है। बीते 28 नवंबर को महाराष्ट्र के गोंदिया में आत्मसमर्पण करने वाले दर्रेकसा दलम के 11 माओवादियों में ह्यद्र1बालाघाट के क्षेत्र के बिरसा ग्राम राशिमेटा की रहने वाली संगीता भी सम्मिलित रही है।

बालाघाट जिले की मूल निवासी संगीता ने अपने कैडर के साथ मध्यप्रदेश के बालाघाट में हथियार न डालकर महाराष्ट्र को चुना वह राज्य के बारे में उनकी समझ को दर्शाता है.हालांकि एक अरसे से बालाघाट पुलिस के द्वारा संगीता तथा एक अन्य नक्सली सम्पत को भी समाज की मुख्य धारा में लाने के प्रयास किये गए थे किन्तु वह प्रयास परवान नहीं चढ़ पाया था.

संगीता मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांछित थी!!

पुलिस सूत्र बताते हैँ कि बीते 19 नवंबर को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में बोरतालाव के जंगल में जिस माओवादी मुठभेड़ में बालाघाट हाकफोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा शहीद हुए थे, उस मुठभेड़ में संगीता समेत सरेंडर करने वाले सभी 11 माओवादी भी थे। हार्डकोर नक्सली संगीता पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य में कुल 14 लाख रुपए का इनाम घोषित था । पुलिस रिकार्ड के मुताबिक उस पर 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अनंत के एरिया कमेटी में थी संगीता

राशिमेटा की रहने वाली संगीता ने एमएमसी जोन के प्रवक्ता अनंत उर्फ विकास नागपुर के साथ अपने दलम के 10 सहयोगियों के साथ एमएमसी जोन में दर्रेकसा में सक्रिय थी जिसने आत्मसमर्पण किया है।

माओवादियों के इस सामूहिक सरेंडर को सुरक्षाबल और पुलिस के बढ़ते दबाव, एनकाउंटर में मारे जाने का डर और राशन-पानी की किल्लत से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसने माओवादियों को अब हथियार डालने पर विवश कर दिया है।बताते हैँ कि आजकल नक्सलियों के समक्ष खाने पीने की बहुत दिक़्क़त है.

संगीता कम उम्र में बनी थी माओवादी!!

पुलिस सूत्रों तथा अन्य सन्दर्भ की जानकारी के अनुसार, माओवादी संगीता 2007 में माओवादी संगठन में शामिल हुई थी। वह बालाघाट सहित छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के जंगलों में खोखली विचारधारा के साथ घूमती रही। वह बालाघाट में हुई कई माओवादी घटनाओं में भी शामिल रह चुकी है। बालाघाट पुलिस के मुखिया ने संगीता को सही राह पर लाने के कई प्रयास किए थे।

यह भी बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा आईपीएस की पहल पर शुरू किए नवाचार %एकल सुविधा केंद्र% के जरिए शिविर लगाकर संगीता की मां का मोतियाबिंद का आपरेशन कराया था, संगीता के परिजनों से मिलकर उसे सरेंडर करने के लिए प्रेरित भी किया था।किन्तु उस तक सही तरीके से सन्देश नहीं पहुँच सका होगा तभी वह उस वक़्त समर्पण नहीं कर सकी।

इस तरह उस वक़्त की 18 साल की संगीता की 18 साल बाद समाज के बीच आना उनके परिजनों के लिए शुभ समाचार है ।

समर्पण के बाद मिली जानकारी के अनुसार वह अपने नक्सली समूह में घायल नक्सलियों को बेहतर चिकित्सकीय सेवा देने में माहिर थी। इस महत्वपूर्ण समर्पण करने के बाद प्रारंभिक रूप में संगीता को महाराष्ट्र सरकार द्वारा छह लाख रुपये की राशि दी गई है।

बालाघाट में अब मलाजखंड दलम के कितने माओवादी ही बचे?

कभी माओवादियों की शरणस्थली माने जाने वाले बालाघाट में नक्सलियों की बहुत बड़ी तादाद हुआ करती थी. बालाघाट को एक समय नक्सलियों ने रेस्ट जोन बनाकर रखा हुआ था. जब जब बस्तर और महाराष्ट्र में नक्सलियों पर दबाव बनता तो नक्सली बालाघाट आकर आराम करते थे. इस तरह बालाघाट में %नक्सलियों का रेड जोन काफ़ी ख़तरनाक हुआ करता था. बड़ी संख्या में अधिक होने के कारण यहाँ माओवादी हमेशा से सुरक्षाबलों पर हावी रहे, लेकिन मप्र पुलिस की आक्रामक रणनीति निर्णायक साबित हुई।एक बार तो इन माओवादियों ने एक पुलिस अधीक्षक प्रमोद एस फ़लनीकर को उडाने की दुस्साहसी कदम भी उठाया था जबकि बंजारी के पास बैहर रोड में जंगल में एक पुल के नीचे विस्फोटक को उड़ाया था तब बमुश्किल एसपी 10 सेकंड के फासले से बच गए थे।

अब बालाघाट में मलाजखंड टांडा दलम सहित दर्रेकसा दलम के कुछ नक्सलियों के सक्रिय रहने की जानकारी है।

उधर बालाघाट पुलिस के अनुसार, बालाघाट में अब सिर्फ मलाजखंड दलम है, जिसमें सिर्फ 23 माओवादी सक्रिय हैं। पुलिस का मानना है कि मार्च 2026 से पहले सारे माओवादी भी हथियार डालेंगे या सुरक्षाबलों की ठोस कार्रवाई का सामना कर मारे जायेंगे।

इस पर कल बालाघाट के एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा भी है कि -महाराष्ट्र के गोंदिया में आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में बालाघाट की संगीता भी है। बालाघाट में मिशन 2026 के अनुरूप अभियान जारी है। माओवाद अब आखिरी सांसे गिन रहा है। ग्रामीण भी उनकी मदद नहीं करना चाहते। ग्रामीण भी चाहते हैं कि बालाघाट से माओवाद का दंश हमेशा के लिए खत्म हो।

उधर, आज जब राशिमेटा गाँव का जायजा लिया गया तो गाँव में इक्का दुक्का गाँव वाले ही दिखे, जिनमे महिलाएं ज़्यादा थीं. सुनसान और शांत गाँव की गलियां सच बयां कर रहीं थी. कोई प्रत्यक्ष में बात करने को नहीं मिला. अजीब सी खुशफुसाहट माहौल में घुली मिली जो काफ़ी संदिग्ध थी।

कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अगले 72 घंटे कई राज्यों में भारी बारिश और ठंड का असर रहेगा। केरल में अभी भी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले 72 घंटे भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। तमिलनाडु में भी मौसम विभाग ने अगले 72 घंटे के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

कुछ ना कहना

लोकसभा और राज्यसभा में दूसरे दिन भी एसआईआर पर बहस को लेकर हंगामा, सांसद वेल में पहुंचे, वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाए, विपक्ष के आगे झूकी सरकार

9 को लोकसभा में होगी 10 घंटे बहस

नई दिल्ली। संसद में लगातार दूसरे दिन हंगामे के बीच सरकार और विपक्ष में एसआईआर पर चर्चा के लिए सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया कि 9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी 10 घंटे का समय तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है।

संसद सत्र के पहले 2 दिन एसआईआर और वोट चोरी के आरोप पर हंगामा हुआ। विपक्ष मंगलवार को भी एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा और वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दोनों पक्षों को अपने मीटिंग रूम में बुलाया। यहां सहमति बनी कि बुधवार से सदन बिना किसी हंगामे के सुचारू रूप से चलेगा।

दोनों सदनों में जोरदार हंगामा

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष का लगातार दूसरे दिन संसद में प्रदर्शन जारी है। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही सभी विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ सांसद वेल तक पहुंच गए। स्पीकर ने इस दौरान प्रश्नकाल को जारी रखा, लेकिन विपक्ष लगातार 20 मिनट तक वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाता रहा। इसके बाद कार्यवाही पहले 12 बजे फिर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष का प्रदर्शन और नारेबाजी जारी है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए विरोध-प्रदर्शन जरूरी है। इससे पहले विपक्ष ने सुबह 10-30 बजे संसद परिसर में मकर द्वार के सामने लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि सरकार एसआईआर इस पर फौरन चर्चा करे। लगातार हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 3 दिसंबर सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

तिब्बत में फिर आया 3.3 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के बयान में कहा गया है कि मंगलवार को तिब्बत में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 5 किमी की उथली गहराई पर आया, जिससे यह आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील है। इसके पहले सोमवार को, 50 किमी की गहराई पर 3.3 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। बात दें कि उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में ज़्यादा खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों की सतह तक पहुँचने की दूरी कम होती है, जिसके ज़मीन ज़्यादा हिलती है और ज्यादा नुकसान की संभावना होती है। तिब्बती पठार टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव के कारण होने वाली भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। तिब्बत और नेपाल एक प्रमुख भूगर्भीय भ्रंश रेखा पर मौजूद हैं, जहाँ भारतीय टेक्टोनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट से टकराती है, और इसके परिणामस्वरूप भूकंप आना सामान्य घटना है। यह क्षेत्र टेक्टोनिक उत्थान के कारण भूकंपीय रूप से सक्रिय है जो हिमालय की चोटियों की ऊँचाई को बदलने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हो सकता है।

आगामी जनगणना 2027 को दो चरणों में किया जाएगी - सरकार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि आगामी जनगणना 2027 को दो चरणों में किया जाएगी । पहले चरण की जनगणना अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच आयोजित होगी, जबकि दूसरे चरण की गणना फरवरी 2027 में की जाएगी। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास गणना की जाएगी, जिसके बाद दूसरे चरण में आबादी की गणना होगी। एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि इस वर्ष 30 अप्रैल को राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (ष्टष्टक्क) द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार जनगणना 2027 में जातिवार गणना भी की जाएगी। मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसमें मोबाइल ऐप के जरिए डेटा एकत्र किया जाएगा और नागरिकों के लिए स्व-गणना का ऑनलाइन विकल्प उपलब्ध होगा। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि आबादी की गणना फरवरी 2027 में की जाएगी, जिसकी संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि होगी।

एसआईआर पर चर्चा के लिए सरकार-विपक्ष के बीच सहमति

लोकसभा में 9 दिसंबर को बहस; 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा

नई दिल्ली। संसद में लगातार दूसरे दिन हंगामे के बीच सरकार और विपक्ष में एसआईआर पर चर्चा के लिए सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया- 9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी 10 घंटे का समय तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है। संसद सत्र के पहले 2 दिन एसआईआर और वोट चोरी के आरोप पर हंगामा हुआ। विपक्ष मंगलवार को भी एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा और वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दोनों पक्षों को अपने मीटिंग रूम में बुलाया। यहां सहमति बनी कि कल से सदन बिना किसी हंगामे के सुचारू रूप से चलेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया, आरोपी को जमानत के लिए समानता एकमात्र आधार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि समानता एकमात्र आधार नहीं है जिस पर आपराधिक मामले में आरोपी को जमानत दी जा सकती है। जमानत नियम है, जेल अपवाद का सिद्धांत है। अदालतें इस सिद्धांत को मानती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जमानत बिना किसी विचार के दी जाए। जमानत की राहत उस कथित अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बिना नहीं दी जा सकती जिसके लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा हत्या के एक मामले में आरोपी को दी गई जमानत को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने यह जमानत सिर्फ इस आधार पर दी

थी कि सह-आरोपी को भी राहत दी गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट ने त्रुटिपूर्ण तरीके से सिर्फ समानता के आधार पर जमानत दी, जिसे उसने सीधे तौर पर इस्तेमाल का एक तरीका समझ लिया। समानता का मकसद आरोपी की भूमिका पर ध्यान देना होता है, न कि एक ही अपराध का होना ही आरोपियों के बीच एकमात्र समानता थी। समानता एकमात्र आधार नहीं है जिस पर जमानत दी जा सकती है, और कानून में यही सही स्थिति है। यह आदेश उत्तर प्रदेश के एक गांव में हत्या के मामले में दिया गया, जो गांव वालों के बीच कहासुनी के कारण हुई थी। मामले में एक भड़काने वाले आरोपी को जमानत दे दी गई थी और दूसरे सह-आरोपी को बराबरी के आधार पर यह राहत दी गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अनुचित ठहराया। यह फैसला अदालतों के लिए एक महत्वपूर्ण दिशानिर्देश है कि वे जमानत देते समय अपराध की विशिष्ट भूमिका, परिस्थितियों, और अन्य प्रासंगिक बातों पर विचार करें, न कि केवल सह-आरोपी को मिली जमानत के आधार पर ही राहत दे दें।

अवैध रेत घाटो पर ठेकेदारो की गुंडागर्दी से परेशान तीन ग्रामों के ग्रामीण!!

एसडीएम को ज्ञापन सौंप कार्यवाही की मांग की

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। बालाघाट जिले की किरनापुर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोकना ,कड़कना एंव जामडी के ढोरीया परसवाड़ा के सैकड़ो ग्रामीणों ने अवैध रेत घाटो से बदस्तूर हो रहे रेत के उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाए जाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर ,तहसीलदार किरनापुर सहित थाना प्रभारी किरनापुर को ज्ञापन सौंपा है।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि उक्त तीन चार ग्रामो से लगातार रेत ठेकेदारों द्वारा अवैध रूप से रेत का अवैध उत्खनन एंव परिवहन किया जा रहा है जबकि सरकार एंव प्रशासन की सूची में उक्त रेत घाट स्वीकृत ही नही है लेकिन अनेको बार उक्त रेत के अवैध उत्खनन एंव परिवहन को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षण कराया गया और विरोध प्रदर्शन किया गया लेकिन रेत ठेकेदारो के गुर्गों के हौसले इतने बुलन्द है कि वे ग्रामीणों से ही गाली गलौज के साथ मारपीट करने लगते हैं। मंगलवार 02 दिसम्बंर को भी तीन ग्रामो के सरपंचों के साथ ग्रामीणों द्वारा रेत ठेकेदारो द्वारा अवैध रेत घाटो से उत्खनन एंव परिवहन कर रहे ट्रेक्टर क्रमांक MP50ZH0575 एंव MP50ZB8036 सहित एक अन्य वाहन को रोका गया और तुरन्त खनिज विभाग सहित किरनापुर पुलिस को जानकारी दी गई की उक्त अवैध रेत घाटो से रेत का अवैध उत्खनन एंव परिवहन किया जा रहा है। शिकायत पर किरनापुर पुलिस द्वारा अपने दल बल के साथ उक्त घाटो पर

छापामार कार्यवाही की गयी।लेकिन पुलिस के आने के पूर्व रेत ठेकेदारो के गुर्गे जिनमे जुनैद खान निवासी बालाघाट, मुकुल मार्को निवासी बालाघाट एवं राहिल खोब्रागडे निवासी बालाघाट सहित अन्य 15 से अधिक आपराधिक प्रवर्ती के युवको द्वारा सरपंच सहित ग्रामीणजनो से गाली गलौज,जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने का प्रयास किया गया और बदसलूकी करते हुए उक्त रेत से भरे ट्रेक्टरों वाहनों को घाटो से ले जाने में कामयाब हो गए। हालांकि इस दौरान ग्रामीणों ने अवैध रेत घाटो पर उत्खनन एंव परिवहन कर रहे ट्रैक्टरो का वीडियो बना लिया।जिसकी शिकायत 02 दिसम्बंर को ग्राम पंचायतों के सरपंच सहित ग्रामीणों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर, तहसीलदार किरनापुर एंव से की गई है।

आपको बता दे कि रेत उत्खनन हेतु रायल्टी किरनापुर तहसील के स्वीकृत रेत घाट पानगांव की काटी जा रही है और रेत का उत्खनन एंव परिवहन दूसरे अस्वीकृत घाटो से करते हुए मध्यप्रदेश सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है दिलचस्प बात ये है कि वैध घाटो से 25 किलोमीटर के लिए करीब 07 घण्टे की रायल्टी जारी की जाती है इसका मतलब स्पस्ट होता है कि कितने बड़े पैमाने मध्यप्रदेश सरकार को राजस्व चोरी का चूना लगाया जा रहा है।अपनी समस्या के संबंध मे जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से ग्राम कोकना, कड़कना ढोरीया परसवाड़ा के रेत घाट से रेत का उत्खनन एंव परिवहन किया जा रहा है जिससे गर्मी के दिनों में ग्राम के कुंए सुख जाते हैं और ग्रामीण पानी की समस्या से जूझते रहते हैं जिनकी सुध लेने वाला कोई नही होता।

मध्यप्रदेश सरकार के खनिज विभाग के सर्कुलर में स्पष्ट है मध्यप्रदेश सरकार एंव प्रशासन के दिशा निर्देशों पर ही रेत ठेकेदारों द्वारा विधिवत् सीमांकन कर चिन्हित स्थान से ही रेत का उत्खनन एंव परिवहन करेंगे।

लेकिन ठेकेदारो द्वारा वैध रेत घाटो से ना निकालकर दूसरे ग्रामो के रेत घाटो से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते हुए नदी की छाती को लगातार छलनी कर रहे है।और यह सिलसिला अभी भी लगातार जारी है।

आज दिए गए ज्ञापन के दौरान ग्राम पंचायत कोकना सरपंच भोजराज ठाकरे, कड़कना सरपंच सालिकराम ढोहरे एंव जामडी सरपंच गुनीराम बोहरे सहित सैकड़ों ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उच्च श्रेणी शिक्षक श्री गेडाम सेवानिवृत्त

विद्यालय प्रांगण में दी गई भावभीनी विदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकीकृत शासकीय हाईस्कूल सोनगुडडा में पदस्थ उच्च श्रेणी शिक्षक एच एल गेडाम के सेवानिवृत होने पर उन्हें भावभीनी विदाई देकर विदा किया गया। ज्ञात हो कि उच्च श्रेणी शिक्षक श्री गेडाम 30 नवम्बर को सेवानिवृत्त किये गए है। 1 दिसंबर को विद्यालय के समस्त शिक्षक

शिक्षिकाओं तथा संकुल अंतर्गत सभी विद्यालयों के प्रभारी प्रधानपाठक गणों के संयुक्त तत्वावधान में हर्षोल्लास पूर्वक विद्यालय प्रांगण में बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्यातिथि कमल सिंह धुर्वे सरपंच ग्राम पंचायत सोनगुडडा थे। अध्यक्षता एस आर कौशिक जन शिक्षक जनशिक्षा केंद्र सोनगुडडा के द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में चौकी प्रभारी लोकेन्द्रसिंह खंडेल एवं हाकफोर्स प्रभारी बैसाखू लाल उइके पुलिस चौकी सोनगुडडा उपस्थित थे। विशेष आमंत्रित अतिथियों में श्रीमती गीता गेडाम संकुल सोनगुडडा के अंतर्गत समस्त विद्यालयों के प्रभारी प्रधानपाठ जे एल बिसेन दुल्हापुर, रुपेन्द्र चौहान अडोरी, पदम चौहान कलमटोला , विरेन्द्र लिल्हारे राशिमेटा, हरिश्चंद्र तिरपुडे किडंगीटोला, माखनलाल धुर्वे कुंडेकसा, चमनलाल धुर्वे घुमुर, श्रीमती कमला मरकाम कन्या आश्रम अधिक्षिका, परसराम मरकाम बटरंगा, विनोद मेरावी सुन्दरवाही, उपस्थित थे।जिसमें कार्यक्रम का प्रारंभ सर्व प्रथम मां सरस्वती के समक्ष द्विप प्रज्वलित कर छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत पुष्पहारों से विद्यालय परिवार के द्वारा किया गया। अतिथियों सम्मान में स्वागत गीत एवं बिदाई गीत की शानदार प्रस्तुति शिक्षक तेजराम नगपुरे के द्वारा किया गया। तत्पश्चात बिदाई समारोह में शिक्षक एच एल गेडाम की गरीमामयी सेवानिवृति पर अतिथियों के द्वारा सभा को संबोधित किया गया ।जिसमें उनके सुख, शांति, अच्छे स्वास्थ्य और संतुष्टि पूर्ण जीवन हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सफलतम 44 वर्ष इस विभाग में समर्पित किए। शिक्षक श्री गेडाम की प्रथम नियुक्ति दिनांक 26 नवम्बर 1981को सोनगुडडा में हुई थी। उन्होंने दुरस्त आदिवासी वनांचल नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुरे 44 वर्ष तक विद्यालय में सेवायें दी। शिक्षक श्री गेडाम ने भी अपने लंबे सफर के कुछ अनुभव और विचार व्यक्त किए। शिक्षक श्री गेडाम को विद्यालय परिवार एवं संकुल की ओर से स्मृति चिन्ह,शाल और श्रीफल, डायरी पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री गेडाम की ओर से भी विद्यालय को पंखा, सभी छात्र-छात्राओं को पानी की बोतल एवं सभी शिक्षकों को पेन सप्रेम भेंट किया गया। तत्पश्चात सभी को स्वलपहार कराया गया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक एच एल गेडाम को सभी छात्र-छात्राओं तथा शिक्षक शिक्षिकाओं ने बाजे गाजे के साथ उनके निवास स्थान तक पहुंचाया। सभी कार्यक्रम का सफल मंच संचालन शिक्षक तेजराम नगपुरे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक विरेन्द्र टेकाम, मिलिंद डोंगरे, महेन्द्र ठाकरे, अनिल कुमार बाहे, सुरेन्द्र कुमार शरणागत, विनय कटरे, जयेश खरोले, पंकज नागरे, प्रशांत धार्मिक, राकेश मातरे, शिक्षिकाओं में श्रीमती ज्योति शरणागत, श्रीमती भागवंती बाहे श्रीमती दिपीका पेंढारकर, कु वर्षा बोपचे ,नान्हु सिंह पंद्रे, रतनसिंह मेरावी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

शिवा ढाबे के मालिक ने की युवक की जलती लकड़ी से पिटाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम छोटी कुम्हारी में शिवा ढाबा के मलिक ने एक युवक को जल्दी लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी जलती लकड़ी से की गई मारपीट में घायल युवक नितेश

पिता मारुति डहारे 23 वर्ष ग्राम छोटी कुम्हारी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नितेश अपने परिवार के साथ खेती किसानी और मजदूरी करता है। 2 दिसंबर को 11ः00 बजे नितेश अपने गांव के चौक में स्थित शिवा ढाबे में चाय पीने के लिए गया था और वहीं पर बैठ गया जिसके बाद नितेश ने शिवा ढाबा के मालिक सुमित केवट को चाय मांगा तो सुमित केवट ने बोला कि चाय नहीं बनी है और उसने नितेश को ढाबे से चले जाने के लिए बोला। उसके बाद नितेश ने कुछ देर और बैठने के लिए बोला था अभी ढाबे का मालिक सुमित केवट ने नितेश को अश्लील गालियां देने लगा था। नितेश ने उसे गालियां देने से मना किया जिसके बाद सुमित केवट ने नितेश को ढाबे से चले जाने के लिए बोला तभी नितेश ने सुमित केवट से बोला की जमीन आबादी की है। यहां से मुझे भागने वाला कौन होता है। इसी को लेकर के दोनों के बीच विवाद हो गया और सुमित केवट ने आवेश में आकर जलती लकड़ी से नितेश के डर और दोनों हाथ की कलाई में मारपीट कर दिया। लकड़ी का वार सिर में लगने से नितेश का सर फट गया और खून निकलने लगा था ।जिसके बाद नितेश ने फोन करके अपने चचेरे भाई मौसम को घटना के संबंध में बताया। इसके बाद नितेश का चचेरा भाई मौसम डहारेऔर चाचा सरवन डहारे आए और मारपीट में घायल नितेश को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने नितेश का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

मेयर ट्रॉफी वेस्टर्न जोनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में चमका बालाघाट

बॉडी बिल्डिंग में पहली बार जिले को गोल्ड मेडल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मप्र बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग एशोसिएशन के संभागीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश एसोसिएशन के जज सुरेन्द्र जायसवाल (मामा) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जिला बॉडी बिल्डिंग एवं पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन बालाघाट की विगत 25 सालों की मेहनत आज सफलता का आसमान छू रही है। शरीर सौष्ठव (बॉडी बिल्डिंग) के क्षेत्र में बालाघाट के विकास राउत ने महाकाल की नगरी उज्जैन में आयोजित मेयर ट्रॉफी वेस्टर्न जोनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त कर जिले का नाम पूरे मध्यप्रदेश में गौरवान्वित किया है। यह हमारे लिए बहुत ही हर्ष का विषय है कि बॉडी बिल्डिंग में पहली बार जिले को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। बता दे कि 30 नवम्बर को उज्जैन में बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था, जिसमें बालाघाट से विष्णु कावरे 65 किलो ग्राम सीनियर वर्ग एवं शुभम बोपचे 65 किलो ग्राम सीनियर वर्ग एवं विकास राउत 60 किलो ग्राम सीनियर वर्ग ने भाग लिया था। उक्त प्रतियोगिता में विकास राउत ने सफलता हासिल कर गोल्ड मेडल व 7000/- केश प्राईस प्राप्त किया है।

14 दिसम्बर को ग्राम पंचायत टेकाड़ी में आयोजित की जाएगी जिला स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता

जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष उमेश जायसवाल ने बताया कि अब बालाघाट के उर्जावान प्रतिभागी भी महानगरों की तर्ज में अपना नाम रोशन कर जिले को गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रतिभागीयों की इसी

सफलता को निखारने उन्हें हौसला प्रदान करने एसोसिएशन द्वारा समय-समय पर जिले में जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन कर प्रतिभागीयों को आगे ब ?ने के लिए मंच प्रदान किया जाताा है, जिससे उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जा सके, आज इसी का परिणाम है कि जिले को गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ है। पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मधुकर हरपाल ने विकास राउत को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर बताया कि एसोसिएशन जिले के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने हमेशा प्रयासरत रहा है, और आगे भी रहेगा। इसी कड़ी में आगामी 14 दिसम्बर 2025 को ग्राम पंचायत टेकाड़ी (भरवेली) में जिला स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग का आयोजन रखा गया है, जिसमें प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करने प्रमाण-पत्र, मेडल के साथ केश प्राईस भी रखी गई है।एसोसिएशन ने अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में भाग लेने हुए अपील की है। एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने विकास राउत की सफलता के लिए उन्हें बधाई व उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पत्नी से मारपीट कर किया घायल- दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लवेरी में एक महिला को उसके पति ने पत्थर और हाथ मुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। 1 दिसंबर को 12ः00 बजे यह घटना घरेलू विवाद के चलते हुई। मारपीट में घायल महिला नेहा पति उमेश नगपुरे 29 वर्ष का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया वही इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने उसके पति उमेश की नीलकंठ नगपुरे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। आप जानकारी के अनुसार नेहा खेती किसानी का काम करती है। जिसका मायका ग्राम छोटी कुम्हारी बालाघाट का है। 6 अप्रैल 2025 को नेहा की शादी उमेश नगपुरे ग्राम लवेरी निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिसके ससुराल में पति के अलावा सास ससुर जेठानी और उनके बच्चे रहते हैं। बताया गया की 1 दिसंबर को सुबह नेहा का जेठानी योगेश्वरी नगपुरे के साथ घरेलू काम को लेकर वाद विवाद हुआ था। इसके बाद नेहा ग्राम लवेरी में ही रहने वाली अपनी बुआ कमला नगपुरे के घर काम से चली गई थी। 12ः00 बजे करीब नेहा का पति उमेश नगपुरे नेहा की बुआ के घर आया और नेहा को आवाज देकर बाहर बुलाया और बोला कि यहां क्यों आई। इसके बाद नेहा अपने घर आने लगी थी। तभी रास्ते मे नेहा से उसके पति उमेश नगपुरे ने बोला कि मेरे बाप माँ और भाभी को क्या बोली कहकर उसे अश्लील गालियां देने लगा। नेहा ने उसे गाली देने से मना की थी तभी उमेश नगपुरे ने उसे हाथ मुक्के से मारपीट किया और रोड से पत्थर उठाकर मारा, पत्थर नेहा के सिर में लगने से सिर फट गया और खून निकलने लगा । उमेश नगपुरे द्वारा मारपीट करने से नेहा के सिर पेट में छोटे आई। बीच बचाव गांव के लोंगो ने किये । पति उमेश नगपुरे द्वारा की गई मारपीट में नेहा घायल हो चुकी थी। जिसके बाद भी उमेश नगपुरे ने पत्नी नेहा को परिवार वालों को कुछ बोलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी । इस घटना के संबंध में नेहा ने अपने पिता को बताई और रिपोर्ट करने के लिए पुलिस थाना किरनापुर पहुंची। किरनापुर पुलिस ने नेहा नगपुरे 29 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति उमेश पिता नीलकंठ नगपुरे के विरुद्ध मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में धारा 296(b) 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

दिव्यांग को आवास योजना का लाभ नहीं

परिजन परेशान, कलेक्टर से लगाई गुहार, वर्षों से आवेदन के बाद भी दिव्यांग योजना से वंचित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम चंगेरा से एक दिव्यांग युवक अपने परिजनों के साथ पक्के मकान की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। दिव्यांग युवक के परिजनों ने बताया कि युवक पूरी तरह से शारीरिक रूप से अक्षम है और उसके माता-पिता का देहांत पहले ही हो चुका है। पिछले 10 से 12 वर्षों से वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान के लिए संबंधित विभागों में आवेदन कर रहा है, लेकिन अब तक उसे योजना का लाभ नहीं मिल सका है। परिजनों का कहना है कि ग्राम पंचायत में कई ऐसे लोगों को

आवास योजना का लाभ दे दिया गया है जो पात्रता की शर्तों पर पूर्णतः खरे नहीं उतरते, लेकिन इतने वर्षों से पात्र होने के बावजूद दिव्यांग युवक को लाभ से वंचित रखा जा रहा है। इसी समस्या को लेकर दिव्यांग युवक और उसके परिजनों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित ग्राम चंगेरा के दिव्यांग रमन कोहरे को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ न मिल पाने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर रमन के परिजन सुखचंद्र राउत और बहन दिना सहारे मंगलवार को रमन को साथ लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दिया । परिजनों ने बताया कि रमन पूरी तरह से दिव्यांग है और उसके माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका है, ऐसे में रमन की देखभाल और पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी परिजनों पर है। उन्होंने बताया कि रमन के पास जो घर है वह पूरी तरह से जर्जर हो चुका है और कभी भी ढह सकता है, ऐसे में रहने के लिए सुरक्षित जगह की तत्काल आवश्यकता है। परिजनों का आरोप है कि रमन द्वारा ग्राम पंचायत में कई वर्षों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन किया जा रहा है, लेकिन अब तक उसे योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। जबकि गांव में अनेक ऐसे लोगों को आवास योजना का लाभ दे दिया गया है जो पात्रता के दायरे में नहीं आते, लेकिन रमन जैसे जरूरतमंद को बार-बार वंचित रखा गया है। परिजनों ने कलेक्टर से गुहार लगाते हुए कहा कि दिव्यांग रमन को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराया जाए तथा उसकी स्थिति को देखते हुए अन्य शासन की योजनाओं का लाभ भी तत्काल दिया जाए, ताकि उसे आर्थिक सहायता और सुरक्षित आवास मिल सके।

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु युवक-युवती की आवश्यकता है
कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक है, वारासिवनी के आसपास के लोग ही संपर्क करें।
-पता-
श्री फाइनेंस वारासिवनी
9329595770

आवश्यकता है
ऑफिस कार्य हेतु चपरासी युवकी की आवश्यकता है
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाली ही संपर्क करें
वेतन - 12000+
मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल मेन रोड बालाघाट (मप्र)मो. 9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

भमोड़ी गांव में अवैध शराब की बिक्री पर कार्यवाही के आदेश

83 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 02 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 83 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में कटंगी तहसील के ग्राम सीताखोह के मोहित सोनी भारतीय स्टेट बैंक शाखा कटंगी के द्वारा ऋण राशि के भुगतान में टालमटोल किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। मोहित का कहना था कि उसने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत डी.जे. साउण्ड के व्यवसाय के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बालाघाट मे आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसके पश्चात उसे 10 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत कर भारतीय स्टेट बैंक शाखा कटंगी को ऋण वितरण के लिए ऑनलाईन आवेदन भिजवाया जा चुका है। लगभग 03 माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी उसे ऋण प्रदान नही किया गया है। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

बैहर तहसील के ग्राम लूद के सोनू तेकाम शिकायत लेकर आए थे कि उनकी 70 साल से कब्जे की जमीन पर रमेश चौधरी द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। सोनू ने बताया कि उसके खेत के पास खसरा न.23/1 रकबा 5.56 हेक्टेयर जमीन है, जिस पर 70-75 साल से उनका कब्जा है। इस जमीन को रमेश चौधरी द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है तथा अवैध कब्जा करने से मना करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस प्रकरण में बैहर एसडीएम को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

किरनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा के भवानी प्रसाद तिवारी शिकायत लेकर आये थे कि उनकी जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। भवानी प्रसाद का कहना था कि सुमित बाजार के बाजू में स्थित खसरा न. 314/31 पर उसकी आधिकारिक जमीन है, जिस पर दिलीप, सलीम एवं मुशीम खान द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर अतिक्रमण किया जा रहा है। भवानी प्रसाद ने बताया कि इस संबंध में उसने तहसीलदार, पुलिस अधीक्षक तथा थाना कोतवाली में आवेदन प्रस्तुत किया था लेकिन अब तक अतिक्रमण हटाने की कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इस प्रकरण में संबंधित विभाग प्रमुख को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत भमोड़ी के ग्रामीण ग्राम के अंदर शराब बिक्री को बंद करने की मांग लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि उनके गांव में अवैध शराब (कच्ची दारू) बनायी जाती है और गांव में बेची जाती है। इस वजह से गांव का माहौल बिगड़ता जा रहा है। लोग शराब पीकर मोहल्ले प ?ास में गाली गलौच करते है तथा उन्हें ऐसा करने से रोकने पर विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से इस समस्या से निजात पाने की गुहार लगाई है। इस प्रकरण में जिला आबकारी अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

तहसील मुख्यालय लालबर्रा की दीपा बिसेन शिकायत लेकर आई थी कि उसे शासन की किसी भी योजना का लाभ नही मिल पा रहा है। दीपा ने बताया कि वह झुग्गी झोपड़ी में निवास करती है। दीपा के पति राजेन्द्र बिसेन की मृत्यु होने के पश्चात उसके पास आय का कोई साधन नही है। दीपा ने बताया कि अब तक उसका आधार कार्ड भी नही बना है, जिस वजह से उसे शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त नही हो पा रहा है। इस प्रकरण में जिला ई-गवर्नेंस मेनेजर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के ग्राम लिंगमारा के सुमित डहाके रोजगार की मांग लेकर आए थे। सुमित का कहना था कि वह एक पैर से विकलांग शिक्षित बेरोजगार है। सुमित ने बताया कि उसने 10वीं तक पढ़ाई की है, लेकिन एक पैर से विकलांग होने की वजह से उसे कही कोई काम नही मिल पा रहा है। उसने बताया कि वह अपनी योग्यता अनुसार कोई भी कार्य करने को तैयार है। इस प्रकरण में उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत शेरवी के ग्रामीण गांव में सुदूर सड़क निर्माण की मांग लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम पंचायत शेरवी में ग्राम सुरिया से ग्राम शेरवी तक 02 किमी का पहुँच मार्ग अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस मार्ग से छात्र छात्राएं व ग्राम के किसान तथा आमजन को आने जाने में अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम चिखला के बुधराम पिछोडे रहवासी मकान बनाने के लिए आवासीय भूमि उपलब्ध कराने की मांग लेकर आये थे। बुधराम का कहना था कि वह एक गरीब निर्धन आवासहीन व्यक्ति है, जिसके पास मजदूरी के अलावा आय का अन्य कोई साधन नही है। बुधराम ने बताया कि वह स्वयं की भूमि न होने के कारण एक किराए के मकान में अपने परिवार के साथ गुजारा करता है। इस प्रकरण में एसडीएम किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा गया है।

विधवा महिला को भतीजे ने दी जान से मारने की धमकी

पति और बेटे की मौत के बाद महिला को किया जा रहा है परेशान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पौनी निवासी एक महिला को उसके जेठ के बेटे ने अश्लील गालियां देते हुए उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना घरेलू और जमीन जायदाद के विवाद के चलते हुई। बिरसा पुलिस ने श्रीमती तन्नू पति स्वर्गीय गणेश पटले 51 वर्ष वार्ड नंबर 9 ग्राम पोनी मलाजखंड निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके जेठ के बेटे मनोज पटेल पिता सुरेश पटले ग्राम बिठली थाना बिरसा निवासी के विरुद्ध जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पौनी निवासी तन्नू पटले व्यवसायी है तथा खेती किसी का काम भी करती है। जिसके पति गणेश पटले एवं और बेटे शशांक पटले की पूर्व में मृत्यु हो चुकी है। जिसके बाद तनु पटले अकेली रहती है। पति और बेटी की मौत के बाद तन्नू पटले से उसके जेठ का बेटा मनोज पटले रंजिश रखने लगा है और वह तन्नू पटले आये दिन डराते धमकाते रहता है। तन्नू पटले पति और बेटे को मृत्यु के बाद अपनी खेती अधिया में देती है। जिनका खेत ग्राम बिठली में है। तन्नू पटले ने इस वर्ष अपना खेत जमीन शंकर राउत बिठली निवासी को अधिया में दी थी। 29 नवंबर को शंकर राउत ने धान बटवारा करने के लिए तन्नू पटले को खेत बुलाया था। तब तन्नू पटले पवन बर्वे एवं आशीष बिसेन के साथ अपना खेत ग्राम बिठली गई थी और अधियादार से धान बटवारा किये। तन्नू पटले ने ने बंटवारे की धान ग्राम बिठली में ही बेचकर पवन बर्वे और आशीष बिसेन के साथ घर वापस आ गई थी। इसके बाद मनोज पटले ने अंकित बिसेन को फोन कर अश्लील गालियां देते हुए बोला कि तुम लोग तन्नू पटले के गुंडे बनकर खेत में आए थे और उसने अंकित बिसेन को अश्लील गालियां देते हुए दोबारा खेत आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस संबंध में अंकित बिसेन में तन्नू पटले को बताया और तन्नू पटले ने मनोज पटले की पत्नी पूनम पटले को फोन की थी तब मनोज पटले ने अपनी चाची तन्नू पटले को अश्लील गालियां देते हुए दुबारा खेत मे आने पर जान से खत्म कर देने की धमकी दे दी। बताया गया है मनोज पटले तन्नू पटले को व्यवसाय में मदद करने वाले कर्मचारियों को भी काम छोड़कर भाग जाने और जान से मारने की धमकी देते रहता है। 1 दिसंबर को तन्नू पटले ने पवन बर्वे और आशीष बिसेन के साथ रिपोर्ट करने बिरसा पुलिस थाना पहुंची। बिरसा पुलिस ने तन्नू पटले द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके जेठ के लड़के मनोज पटले पिता सुरेश पटले ग्राम बिठली थाना बिरसा निवासी के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर जान से मार डालने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

अपराधों पर अंकुश लगाने नगर पुलिस कर रही पैदल गश्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने एक बार फिर कोतवाली थाना प्रभारी के साथ शहर में पैदल गश्त निकाली। गश्त के दौरान पुलिस टीम विशेष रूप से सरेखा ओवरब्रिज के नीचे स्थित दुकानों पर पहुंची और वहां विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान अनौपचारिक चर्चा में सीएसपी वैशाली सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से सरेखा ओवरब्रिज के नीचे असामाजिक तत्वों द्वारा शराब सेवन और हुड़दंग मचाने की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसी के मद्देनज़र आज पैदल पेट्रोलिंग के दौरान संबंधित दुकानों की जाँच की गई। निरीक्षण के दौरान दुकान संचालकों को कड़े निर्देश एवं समझाइश दी गई कि यदि उनके आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, शराब सेवन या असामाजिक तत्वों की मौजूदगी पाई जाती है तो उसके लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शहर में बढ़ते अपराध व चोरियों पर अंकुश लगाने तथा शहर में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह लगातार पैदल मार्च कर रही हैं। बीते कुछ दिनों से वे रात के समय शहर के सुनसान इलाकों एवं सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण कर रही हैं। हाल ही में भी सी.एस.पी द्वारा पैदल गश्त की गई थी, जिसकी शहरवासियों ने खुलकर सराहना की थी। इसी क्रम में 1 नवंबर की देर रात फिर से नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के साथ पैदल मार्च पर निकलीं। पैदल गश्त के दौरान गोंदिया रोड होते हुए सरेखा रेलवे क्रॉसिंग के ओवरब्रिज के नीचे स्थित क्षेत्र तक पहुचे और वहां की स्थिति का जायजा लिया। वैशाली सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें इस क्षेत्र से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग ओवरब्रिज के नीचे बैठकर शराब का सेवन करते हैं और हुड़दंग मचाते हैं, जिससे आवागमन करने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ओवरब्रिज के नीचे संचालित दुकानों को भी चेक किया गया तथा दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि वे किसी भी व्यक्ति को यहां बैठकर शराब पीने की अनुमति न दें। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थानों और खाली प्लॉटों पर देर रात तक शराब का सेवन करने वाले कई लोग बाद में चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं, इसलिए ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन्हीं घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बीते कुछ दिनों से शहर में लगातार पैदल गश्त की जा रही है और यह आगे भी जारी रहेगी।

गांवों को नशामुक्त बनाने चरेगांव के ग्रामीणों की पहल तेज।।

बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे ग्रामीण, अवैध शराब बिक्री पर रोक और दुकान के स्थान बदलने की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दो अलग-अलग गांवों के ग्रामीण मंगलवार को बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि वे अपने गांव को पूर्ण रूप से नशामुक्त करना चाहते हैं, लेकिन गांव में बिक रही अवैध शराब तथा लाइसेंसधारी दुकान की वजह से युवा व अन्य परिवार प्रभावित हो रहे हैं, जिसके कारण सामाजिक समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में अवैध रूप से शराब बेचे जाने पर तत्काल रोक लगाई जाए और लाइसेंसधारी शराब दुकान का स्थान बदला जाए, ताकि गांव में नशे की प्रवृत्ति पर नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने कहा कि नशे के कारण परिवार टूट रहे हैं, झगड़े-फसाद बढ़ रहे हैं और युवा पीढ़ी गलत राह पर जा रही है। इसी मांग को लेकर लगभग आधा सैकड़ा से अधिक लोग कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की कि उनकी मांग पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए, ताकि गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में बीते दिनों से गांवों को नशामुक्त बनाने की मुहिम तेज होती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि आम जनता के साथ-साथ जिला एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग मिले तो गांवों को पूरी तरह नशामुक्त किया जा सकता है। इसी उद्देश्य को लेकर पिछले कुछ दिनों में लगातार बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंप रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि गांवों में बिक रही कच्ची-पक्की अवैध शराब पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा लाइसेंस धारी शराब दुकानों का स्थान परिवर्तन किया जाए। कई गांवों में ग्रामीणों का कहना है कि आबादी के बीच स्थित दुकानों के चलते माहौल बिगड़ रहा है, विवाद बढ़ रहे हैं और युवा पीढ़ी बड़े स्तर पर नशे की चपेट में आ रही है। इसी कड़ी में 2 दिसंबर को दो गांवों के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

चरेगांव के ग्रामीणों की शिकायत

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम चरेगांव के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण और महिलाएँ कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं। ग्राम के सरपंच प्रतिनिधि स्वप्निल बिसेन ने बताया कि गांव के बीच में लाइसेंसधारी शराब दुकान होने के कारण नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उन्होंने मांग की कि दुकान का स्थान बदला जाए और अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने बताया कि गांव का माहौल खराब होता जा रहा है और युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रही है, जिसके चलते अब ग्रामीण संगठित होकर गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। चरेगांव से पहुंची महिला सुनीता मरकाम ने बताया कि ग्रामीण नशामुक्त अभियान चला रहे हैं, लेकिन कुछ लोग अभियान में बाधा डाल रहे हैं और विरोध करने वालों के मकान को अवैध बताकर तोड़ने की कोशिश भी कर रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर गांव की महिलाएं भी कलेक्टर कार्यालय पहुँचीं।

भोमोड़ी के ग्रामीणों की भी मांग

इसके अलावा ग्राम भोमोड़ी के ग्रामीण और महिलाएँ भी ज्ञापन देने कलेक्टर कार्यालय पहुँचीं। महिला सुनीता और ग्रामीण मनोहर बघेल ने बताया कि उनके गांव में बड़ी मात्रा में अवैध शराब बेची जा रही है, जिससे गांव में गाली-गलौज, विवाद और असुरक्षा की स्थिति बनती जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने गांव में नशा मुक्त समिति का गठन किया है, जो लगातार लोगों को जागरूक कर रही है। उन्होंने बताया कि संबंधित थाना पुलिस उनका सहयोग कर रही है, लेकिन अवैध शराब की पूरी तरह रोकथाम और दुकानों पर नियंत्रण के लिए प्रशासन का सहयोग भी आवश्यक है।

दिव्यांग बच्चों के लिए खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर 02 दिसम्बर को बिरसा विकासखण्ड अंतर्गत अध्ययनरत समस्त दिव्यांग बच्चों का सांस्कृतिक एवं खेलकूद का आयोजन कार्यालय जनपद शिक्षा केन्द्र बिरसा के नजदीक खेल मैदान में किया गया। कार्यक्रम में जनपद शिक्षा केन्द्र बिरसा के बी.ए.सी. सुरेन्द्र सिंह धुर्वे, योगेश कुमार ताम्रकार, एम आई एस समन्वयक शिवेन्द्र कुमार तिवारी व अन्य गणमान्य शामिल रहे।

भारत भ्रमण पर निकली स्वदेशी संकल्प रथ यात्रा का बालाघाट आगमन आज

स्वदेशी को बढ़ावा देने दुकानदार स्वदेशी उत्पाद का अलग से लगाएंगे स्टाल,केट निभाएगा भूमिका, केट की नई कार्यकारिणी की हुई घोषणा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर स्वदेशी बनाओं,स्वदेशी अपनाओं की आदत लोग अपनाएं इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। इसके लिए स्वदेशी जागरण मंच व कान्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स के संयुक्त तत्वावधान में दो स्वदेशी संकल्प रथ यात्रा भी निकाली गई है, जो पूरे भारत का भ्रमण कर रही है। जिसमें से एक रथ यात्रा जो कि महाराष्ट्र आमला से निकली है,जो छिंदवाड़ा, सिवनी होते हुए बालाघाट पहुंचेंगी। वहीं अब स्वदेशी को बढ़ावा और उसकी जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए दुकानदार भी अपनी-अपनी दुकानों में स्वदेशी सामग्री का अलग से स्टाल लगाएंगे जिसमें अहम भूमिका व्यापारी संगठन केट की होगी।जिसके लिए केट की जिला कार्यकारणी का विस्तार भी किया गया है। इस बात की जानकारी मंगलवार को स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित वार्ता के दौरान स्वदेशी जागरण मंच व केट के पदाधिकारियों ने दी हैं।

भवानी शंकर टेकड़ीवाल बनाए गए केट के जिलाध्यक्ष

पदाधिकारियों ने बताया कि व्यापारी संघों और भारत लघु उद्योग क्षेत्र की संस्था केट की जिला कार्यकारणी का विस्तार किया गया है। जिसके चलते भवानी शंकर टेकड़ीवाल को बालाघाट जिले का अध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही किरण भाई त्रवेदी को संरक्षक, जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मानक बर्वे,सचिन अग्रवाल,गौरव जैन को सौंपी गई है। साथ ही सचिव गणेण अग्रवाल,संगठन मंत्री दिलीप कारडा,कोषाध्यक्ष सुभाष छाबड़ा, प्रचार सचिव सुनील कोरे,अनिल बघेल,मनोज क्षीरसगार, सहसचिव कपिल जैन,दीपक कुमार गुप्ता,दीपक जैन को बनाया गया है। यहां बताया गया कि आगामी समय में तहसील स्तर पर भी संगठन का विस्तार किया जाएगा।

कटंगी से होते हुए बालाघाट पहुंचेंगा रथ, होगा भव्य स्वागत

वार्ता के दौरान प्रदेश संगठन मंत्री व बालाघाट प्रभारी सत्यनारायण अग्रवाल, स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक ललित एड़े ने बताया कि स्वदेशी संकल्प यात्रा रथ आज तीन दिसंबर को कटंगी के रास्ते बालाघाट जिले में पहुंचेंगा। यहां पर रथ का स्वागत व स्वदेशी के प्रति लोगों को जागरुक करने सभा के बाद रथ वारासिवनी पहुंचेंगा। यहां पर विभिन्न कार्यक्रमों के बाद रथ बालाघाट जिला मुख्यालय पहुंचेंगा। चार दिसंबर को स्कूल व कालेज में कार्यक्रम के बाद रथ नगर भ्रमण के लिए निकलेगा, यहां रथ का चौक-चौराहों पर स्वागत किया जाएगा और सभा भी आयोजित की जाएगी।जिसके बाद रथ लामता, चांगोटोला होते हुए नैनपुर की ओर प्रस्थान करेगा।

77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को नही मिल रहा पानी, ग्रामीणजन परेशान

इंटेक वेलकम पंप हाउस का ट्रांसफार्मर हुआ खराब, नल-जल योजना ठप्प, चार दिनों से सूने पड़े नल

खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाकर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आने वाली 77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना के तहत छिंदलई वैनगंगा नदी का पानी जाम में बने जल शोधन संयंत्र केन्द्र में शुध्द होकर पाइपलाईन के माध्यम से उपलब्ध होता है। लेकिन छिंदलई वैनगंगा नदी स्थित इंटेक वेलकम पंप हाउस स्थित 33 केव्ही का ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से नल-जल योजना पिछले चार दिनों से पूरी तरह से ठप्प पड़ी हुई है। जिससे 77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। इस तरह से बीते चार दिनों से नलों में पानी की एक बूंद तक नहीं आ रही। जलापूर्ति रूक जाने के कारण कई गांवों में टंकी व लाइनें भी सूख चुकी हैं, जिससे पीने सहित उपयोग योग्य पानी की गंभीर समस्या उत्पन हो चुकी है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन दुर स्थित हेंडपंप व कुएं से पानी लाने मजबूर है। वहीं हेंडपंप में अधिक दबाव होने के कारण हेंडपंप से दूषित पानी निकल रहा है जिसे पीने ग्रामीणजन मजबूर है और दूषित पानी पीने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। वहीं ग्रामीणजनों ने कहना है कि चार दिनों से नल-जल योजना का पानी नही मिल रहा है, लेकिन विभागीय अधिकारी इस गंभीर समस्या के प्रति पुरी तरह लापरवाह बने हुए है जो गलत है। प्रशासन से मांग है कि अगर ट्रांसफार्मर में खराबी आई है तो उसे तत्काल सुधारे या फिर वैकल्कि व्यवस्था कर नल-जल योजना का पानी सुचारू रूप से प्रदाय करे नही तो क्षेत्रीयजन कठोर कदम उठाने बाध्य होगें।

करोड़ों रूपयों की योजना, प्रशासन की उदासीनता के चलते हो रही विफल

आपकों बता दे कि शासन के द्वारा लालबर्रा विकासखण्ड के 77 ग्राम पंचायत के ग्रामीणों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने के लिए करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत लालबर्रा जनपद पंचायत की 77 ग्राम पंचायत के 104 गांव के ग्रामीणजनों को छिंदलई वैनगंगा नदी का शुध्द पानी पहुंचाने के लिए छिंदलई वैनगंगा में बना इंटेक वेलकम पंप हाउस के माध्यम से जाम में बनाये गये जल शोधन संयंत्र केन्द्र में पानी पहुंचता है। जहां पानी फिल्टर होने के बाद पाईपलाईन के माध्यम से ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है परन्तु गत 4 दिन पूर्व छिंदलई वैनगंगा नदी में बने इंटेक वेलकम पंप हाउस स्थित 33 केव्ही का ट्रांसफार्मर खराब हो चुका है। जिसके कारण नल-जल योजना क्षेत्र में ठप्प हो चुकी है और पानी नही मिलने के कारण ग्रामीणजनों को ठंड के दिनों में पानी के लिए खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पीएचई एवं विद्युत विभाग के द्वारा अब तक खराब हुए ट्रांसफार्मर को नही सुधारा गया है। जिसके कारण क्षेत्र में नल-जल योजना पूरी तरह से प्रभावित हो चुकी है। जबकि यह क्षेत्र की सबसे बड़ी नल-जल योजना है, इस योजना के माध्यम से लालबर्रा विकासखण्ड के 104 गांव के ग्रामीणजनों को पानी प्रदाय किया जाता है जो प्रशासन की उदासीनता के चलते चार दिनों से प्रभावित है और कब तक यह समस्या दुर होगी यह भी कुछ नही कहा जा सकता है। जबकि यह करोड़ों रूपयों की योजना है और नल-जल योजना भी एक अति आवश्यक सेवा है इसलिए पीएचई विभाग को बिजली बंद रहने पर पानी प्रदाय करने के लिए जनरेटर व अन्य वैकल्पिक व्यवस्था रखनी चाहिए बिजली बंद होने के बाद भी क्षेत्रीयजनों को नल-जल योजना का पानी प्रदाय कर सके परन्तु पीएचई विभाग के द्वारा ऐसी कोई व्यवस्था नही की गई है जिससे क्षेत्रीयजनों पर शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रीयजनों ने छिंदलई वैनगंगा नदी के इंटेक वेलकम पंप हाउस में लगा ट्रांसफार्मर जो खराब हुआ है उसे बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाकर नियमित रूप से नल-जल योजना का पानी प्रदाय करने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

नियमित रूप से दिया जाये पानी - प्रमिला

श्रीमती प्रमिला गारोड़ी ने बताया कि नल जल योजना का पानी 4 दिनों से नही मिल रहा है, ऐसी स्थिति में हमें मजबूरी में कुएं का पानी लाकर उपयोग करना पड़ रहा है, जो पीने योग्य नही है। साथ ही यह भी बताया कि अगर नल-जल योजना में खराबी आई तो उसे जल्द सुधारा जाना चाहिए ताकि नियमित रूप से पानी मिल सके।

पानी की बनी हुई है किल्लत - सरिता

पंच श्रीमती सरिता नागेश्वर ने बताया कि नल-जल योजना पिछले चार दिनों से ठप्प पड़ी हुई है और पानी नही मिलने कारण लोगों को दैनिक और पीने के पानी के लिए मजबूरन दूर स्थित हेंडपंप व कुएं से लाना पड़ रहा है। लेकिन सुबह से हेंडपंप में पानी भरने वालों की भीड़ लग जाने और दबाव अधिक होने से दूषित पानी निकलता है। जिसे पीने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। श्रीमती नागेश्वर ने बताया कि नल-जल योजना के कर्मचारी से बात किये तो उन्होने बताया कि छिंदलई से लाईन बंद है और पानी नही मिलने के कारण वार्ड सहित ग्राम में पानी की किल्लत बनी हुई है, प्रशासन से मांग की है कि ठंड के मौसम में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे है जो गलत है, पानी की समस्या को जल्द दूर करें।

पीएचई विभाग की लापरवाही से ठप्प है योजना - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि पीएचई विभाग की लापरवाही के कारण शासन की महत्वपूर्ण योजना नल जल योजना 4 दिनों से पूरे क्षेत्र में ठप्प पड़ी हुई है। जिसके कारण 77 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणजनों को नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है, लेकिन जिम्मेदार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। श्री खान ने बताया कि संबंधित अधिकारियों का कहना है कि छिंदलई का ट्रांसफार्मर खराब हो गया है, जिसके कारण पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही। हमारा कहना है कि यदि कोई समस्या होती है तो उसका समाधान तत्काल किया जाना चाहिए जिससे सेवाएं बाधित न हो सके। लेकिन पीएचई विभाग की लापरवाही के कारण योजना ठप्प हुई है। साथ ही यह भी बताया कि पांढरवानी पंचायत स्वयं की योजना से अपने स्तर पर एक समय पानी ग्रामीणों को उपलब्ध करवा रही है किन्तु अन्य ग्राम पंचायत के लोग पानी के लिए परेशान है। पीएचई विभाग से मांग है कि ट्रांसफार्मर खराब है तो उसे बदलकर दुसरा लगाकर नियमित रूप से क्षेत्रीयजनों को पानी प्रदाय करें।

ट्रांसफार्मर खराब हो गया है - विजय

दूरभाष पर चर्चा में पीएचई विभाग के प्रभारी एसडीओं विजय तिवारी ने बताया कि छिंदलई वैनगंगा नदी स्थित इंटेक वेलकम पंप हाउस में लगा 33 केव्ही का ट्रांसफार्मर खराब हो चुका है, जिसके कारण नल-जल योजना का पानी सप्लाई नही कर पा रहे है। ट्रांसफार्मर खराब हो जाने की जानकारी उ'चाधिकारियों को दे दी गई है एवं विद्युत विभाग से टीसी कनेक्शन की मांग की है। लेकिन उनके द्वारा टीसी कनेक्शन नही दिया जा रहा रहा है, अगर टीसी कनेक्शन मिल जाता है तो जल्द ही नल-जल योजना का पानी क्षेत्रीयजनों को प्रदाय किया जायेगा।

ओरियंटल कालेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं ग्रामीण खेल-कूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ बकोड़ा स्थित आरीयंटल बीएड एवं ओरियंटल इंस्टिट्यूट ऑफ़ फ़ार्मेसी कालेज में गत दिवस राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं खेल-कूद प्रतियोगिता संपन्न हुई। यह कार्यक्रम कालेज डायरेक्टर डॉ. एच.सी. हनवत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यक्रम के पहले सत्र में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता उत्तरप्रदेश के कानपुर स्थित व्हीएसएसडी कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार द्विवेदी के द्वारा विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को मानसिक स्वस्थता, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक जीवनशैली के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही कालेज परिसर में ग्रामीण खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें कबड्डी सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया और विद्यार्थियों ने खेल भावना और टीमवर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किये। साथ ही कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और विद्यार्थियों में खेल व शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। वहीं कालेज के डायरेक्टर डॉ. एच.सी. हनवत ने विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि खेल खेलने से शरीर का शारीरिक, मानसिक विकास होता है इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़े। इस अवसर पर कालेज प्राचार्य ऐश्वर्य बिसेन, कार्यक्रम संचालन सचिव श्रीमती निशा हनवत सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने किया पांढरवानी पंचायत के विकास कार्यो का भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के पंचायत क्षेत्र में करवाये गये विकास कार्यों का 3 दिसंबर को मंडला जिले से पहुंचे ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत भ्रमण किया। इस दौरान मंडला जिले से पहुंचे सरपंच, सचिव सहित अन्य कर्मचारियों ने पंचायत क्षेत्र में किस तरह से शासन की योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण एवं मॉडल कार्य करवाये गये है उसका अवलोकन किया और कार्यों की सराहना भी है। साथ ही पांढरवानी सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक से मंडला जिले से पंचायत के भ्रमण के लिए पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने पंचायत क्षेत्र में जो कार्य करवाये गये है उसके बारे में उनसे जानकारी प्राप्त की ताकि वे भी अपनी पंचायत क्षेत्र में इस तरह के कार्य करवा सके। इस तरह से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत विकास कार्य के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने की मंशा से मॉडल पंचायत क्षेत्र में करवाये गये कार्यों का भ्रमण शासन के द्वारा एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत करवाया जा रहा है। वहीं बालाघाट जिले की ग्राम पंचायत पांढरवानी का दो बार मंडला जिले से पहुंचे जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों के द्वारा भ्रमण किया जा चुका है। साथ ही यह भ्रमण कार्यक्रम शासन स्तर से ही तय किया गया है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है जिले की अन्य पंचायतों में पांढरवानी पंचायत की तरह विकास कार्य नही हुए है। तभी तो पांढरवानी पंचायत को मॉडल घोषित कर सिवनी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद मंडला सहित अन्य जिलों के पंचायत जनप्रतिनिधियों को पांढरवानी पंचायत में करवाये गये विकास कार्यों का भ्रमण (अवलोकन) करवाया जा रहा है ताकि वे भी अपने पंचायत क्षेत्र में इस तरह के विकास कार्य करवा सके।

5 तालाब को एक साथ जोड़ने सहित अन्य विकास कार्यों की सराहना की

क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज प्रशिक्षण केन्द्र सिवनी द्वारा आयोजित इस विजिट कार्यक्रम के तहत मंडला जिले से पहुंचे पंचायत जनप्रतिनिधियों को पांढरवानी पंचायत में हुए सर्वश्रेष्ठ एवं सर्वसुविधायुक्त कार्यों को प्रमुखता से दिखाया गया। जिसमें पंचायत क्षेत्र में निर्मित सार्वसुविधायुक्त गार्डन, सुंदर ग्राम पंचायत भवन, बडे शहरों की तर्ज पर स्थापित कचरा संग्रहण केन्द्र, जिले का सर्वश्रेष्ठ मोक्षधाम, कब्रिस्तान, 5 तालाबों को आपस में जोड़ने के कार्य सहित अन्य शामिल है। वहीं 5 तालाब को आपस में जोड़ने के कार्यो, मोक्षधाम और कब्रिस्तान के सर्वागीण विकास कार्य सहित अन्य कार्यों की दल के द्वारा सराहना भी की गई है। साथ ही यह भी कहा कि पांढरवानी पंचायत के उत्कृष्ट कार्य ग्राम स्वराज का मॉडल है।

मॉडल पंचायत का जनप्रतिनिधियों को भ्रमण करवा रहे है - पुष्पेन्द्र

मास्टर ट्रेनर पुष्पेंद्र चौकसे ने बताया कि शासन के निर्देश पर मंडला जिले की ग्राम पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, पंचायत के सचिव व अन्य कर्मचारियों को मॉडल ग्राम पंचायत का भ्रमण करवाकर विकास कार्य से अवगत करवाना है। इसी कड़ी में मंगलवार को एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के तहत 55 सदस्यीय दल को पांढरवानी पंचायत क्षेत्र में करवाये गये विकास कार्यों का भ्रमण करवाया गया है और उन्हे बताया गया कि किस तरह से विकास कार्य किए जाते हैं, जिससे एक आदर्श मॉडल ग्राम पंचायत का निर्माण होता है। श्री चौकसे ने बताया कि हमारा तीन दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें आज पांढरवानी मॉडल ग्राम पंचायत का भ्रमण कर निर्माण व विकास कार्यों की जानकारी से अवगत करवाया गया है ताकि वे भी अपने क्षेत्र में इसी तरह से विकास कार्य करवा सके। साथ ही यह भी बताया कि पांढरवानी पंचायत में सभी निर्माण कार्य बहुत अच्छे हुए है और 5 तालाब को एक साथ जोड़ने की यह एक अनुठी पहल है जिससे क्षेत्र में जल का स्तर बना रहता होगा।

वादाखिलाफी से आक्रोशित किसानों का विशाल किसान आंदोलन आज

3100 रूपये धान का समर्थन मूल्य और 24 घंटे बिजली सहित अन्य मांगों को लेकर सड़क पर उतरेंगे किसान

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। मध्यप्रदेश की सत्ताधारी भाजपा सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान किसानों से किया गया 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य देने का वादा अब तक पूरा न होने पर किसान एक बार फिर सड़क पर उतरने को मजबूर हो गये हैं। अपनी उपज का उचित मूल्य और 24 घंटे बिजली सहित विभिन्न किसान हितैषी मांगों को लेकर किसान संघ लालबर्रा के द्वारा 3 दिसंबर को 11 बजे से एक विशाल किसान आंदोलन, आक्रोश रैली निकाली जायेगी। जिसकी जानकारी किसान संघ के द्वारा 2 दिसंबर को विश्राम गृह में प्रेसवर्ता आयोजित कर दी गई और सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में आयोजित किसान आंदोलन कार्यक्रम में क्षेत्रभर के समस्त किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी आवाज एवं मांगों को सरकार तक पहुंचाने की अपील भी की है। वहीं किसान संघ ने स्पष्ट किया कि अब वह किसी झूठे आश्वासन पर भरोसा नहीं करेंगे और धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये, गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपये, 24 घंटे बिजली की आपूर्ति और अन्य लंबित किसान हितैषी मांगों को लेकर 3 दिसंबर को आक्रोश रैली एवं विशाल किसान आंदोलन किया जायेगा। किसान संगठन के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता के माध्यम से बताया कि सरकार का आधे से अधिक कार्यकाल बीत चुका है, लेकिन किसानों से किया गया यह सबसे बड़ा वादा अब तक पूरा नहीं हो पाया है। किसानों में भारी रोष है कि पूर्ण बहुमत की सरकार भी उनकी मूलभूत मांग को अनसुना कर रही है, जबकि किसानों को साधने के लिए सरकार ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले 3100 प्रति क्विंटल धान, 2700 रूपये प्रति क्विंटल गेंहू का समर्थन मूल्य एवं 24 घंटे बिजली देने की घोषणा की थी। यह घोषणा किसानों के लिए एक बड़ी उम्मीद बनकर आई थी। वहीं किसानों का आरोप है कि इस घोषणा के दम पर भाजपा ने न सिर्फ विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की, बल्कि लोकसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत के साथ केंद्र और प्रदेश दोनों जगह अपनी सरकार बनाने में सफल रही। उसके बावजूद सरकार किसानों की मांग एवं अपना किया हुआ वादा नहीं निभा रही है जिसके कारण हमें मजबूरन आंदोलन करना पड़ रहा है और यह पहली बार नहीं है। पिछले वर्ष भी 3100 रुपये के समर्थन मूल्य की मांग को लेकर किसानों ने अपनी उपज को सरकारी सोसायटी में बेचने से इनकार कर दिया था। उस समय शासन की ओर से जल्द ही मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया था। शासन के इस आश्वासन पर भरोसा करते हुए किसानों ने अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेची थी। हालांकि उसके बाद भी सरकार अपने वादे से मुकर गई, जिससे किसानों का सरकार और प्रशासन पर से विश्वास उठ गया है इसलिए अब किसान सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में 3 दिसंबर को प्रातः 11 बजे से लालबर्रा मुख्यालय में विशाल किसान आंदोलन करेगी। इस अवसर पर किसान संघ के पदाधिकारी एवं किसानगण उपस्थित रहे।

सरकार किसानों की मांगों को करें पूरा - डुलेन्द्र

जिला पंचायत सभापति, किसान डुलेन्द्र ठाकरे ने बताया कि किसानों की खेतों में सिंचाई के लिए साधन व्यवस्थित नहीं है, बिजली की व्यवस्था ठीक नहीं है, सरकार किसानों के हित में कोई बेहतर काम नहीं कर रही है। ऐसी स्थिति में किसानो की आय दुगनी होना संभव नहीं है, यदि सरकार किसानों की सभी मांगे पूरी कर देती है तो किसान आंदोलन करेगा ही नहीं। श्री ठाकरे ने बताया कि सरकार के द्वारा चुनाव के समय 3100 रूपये धान समर्थन मूल्य देने की घोषणा की गई थी। जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है, अब वही सरकार कहती है कि हम 5 साल में अपनी घोषणा पूरी करेंगें। जबकि यदि कोई भी निर्माण कार्य होता है तो उसका एक स्टीमेट तैयार होता है, कार्य योजना तैयार होती, लेकिन किसानों के हित में शासन किसी तरह का कोई कार्य योजना तैयार नहीं करता हैं। हमारा कहना है कि जिस तरह से किसान अपना उत्पादन करता है उसके अनुसार उसके लिए भी कार्य योजना सरकार को तैयार करनी चाहिए जिससे किसानों को फायदा मिल सके। श्री ठाकरे ने बताया कि सरकार के वादाखिलाफी के विरोध एवं धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये देने सहित अन्य मांगों को लेकर 3 दिसंबर को विशाल किसान आंदोलन किया जायेगा और इस आंदोलन के माध्यम से सरकार को जगाने का प्रयास किया जायेगा कि वे अपनी घोषणा को पूरी करें।

३१०० समर्थन मूल्य नहीं मिलने से किसानों में जबर्दस्त आक्रोश

सरकार की वादाखिलाफी से किसानों में हताशा, 31 सौ की मांग

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी।

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के किसानों में सरकार के द्वारा की गई वादा खिलाफी के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। जिसको लेकर किसान हताश और निराश नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा चुनाव के बाद से लगातार किए गए वादे के अनुरूप धान का समर्थन मूल्य ३१०० रुपये प्रति क्विंटल दिए जाने की मांग की जा रही है। किंतु घोषणा के बाद ही तीसरी बार सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें प्रति क्विंटल २३९६ रुपये में खरीदी करने से किसानो की नाराजगी कई स्थानों पर देखने मिल रही है। तो वहीं इस वर्ष अतिवृष्टि एवं कीट व्याधि से हुई नुकसानी से वह काफी परेशान है। समर्थन मूल्य को लेकर सरकार के द्वारा खरीदी प्रारंभ होने पर भी कोई घोषणा नहीं की गई है जो किसानों के लिए चिंताजनक है। ऐसे में चुनाव के दौरान ३१०० रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य देने की घोषणा एक चुनावी वादा और प्रलोभन के रूप में किसानों के द्वारा देखा जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष २०२३ में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के द्वारा अपने संकल्प पत्र में किसानों को धान का ३१०० रुपये प्रति क्विंटल देने की बात कही गई थी। इस दौरान भी किसान की धान खरीदी हुई जिसमें अंतर की राशि देने की बात लोकसभा चुनाव के दौरान सार्वजनिक मंचों से कही गई थी। इसके बाद भी दूसरी खरीदी हुई और अब तीसरी खरीदी सरकार के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। परंतु अपने वादे पर सरकार के द्वारा आज भी ३१०० रुपये प्रति क्विंटल में खरीदी नहीं करना किसानो में मुख्य नाराजगी का विषय बना हुआ है। वहीं पूर्व में भी २०२२ में किसानी को लाभ का धंधा बनाने की भी बात कही गई थी किंतु वर्तमान में कृषि लाभ का धंधा तो नहीं बनी पर धंधे की लागत बढ़ गई है। इस दौरान सरकार के द्वारा ५ वर्ष में वादे को पूरा करने की बात कही गई थी। परंतु उससे भी किसानों को निराशा ही प्राप्त हो रही है क्योंकि धान के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं हो पाई है। ऐसे में किसान बहुत ज्यादा परेशान है की किस तरह वह अपने परिवार का लालन पालन करेगा सोसायटी का कर्ज चुकाएगा और इतने कम रुपये में वह क्या कर लेगा। ऐसे में किसानों के द्वारा ३१०० रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषणा अनुरूप दिए जाने की मांग की जा रही है।

सरकार ने ३१०० रुपये का जो वादा किया था अब मुकर रही है-फहीम

किसान फ हीम कुरैशी ने बताया कि समर्थन मूल्य ३१०० रुपये हमें तो नहीं मिला पुराना मूल्य ३ वर्ष से मिल रहा है। घोषणा के बाद हमें आशा हुई थी किंतु वर्तमान में वह निराशा बनकर रह गई है। पहले मजदूर १५० रुपये में मिलते थे अब २५० रुपये में मिलते हैं बचत कुछ नहीं है। हमारी जमीन और उत्पादन उतना ही है महंगाई बढ़ गई है इसमें यदि हम अपनी मजदूरी बिजली बिल मशीन मोटर सिंचाई सभी चीज जोड़े तो किसान कहीं खुश नहीं है। किसानों से अधिकारियों को जुड़ना चाहिए पर यह दिखाते तक नहीं। योजनाओं का अभाव हर किसी को होता है ग्राम सेवक को ग्राम में ढूंढना पड़ता है । सरकार ने ३१०० रुपये का जो वादा किया था अब मुकर रही है जबकि इन्होंने सार्वजनिक मंचों पर मौखिक में बोलकर कागजों में लिखकर घोषणा की थी।

जब ३१०० रूपये देना नही था जो घोषणा भी नही करना था-देवेंद्र

किसान देवेंद्र नगरगड़े ने बताया कि हम अभी खरीदी केंद्र गए नहीं है पर उपज का मूल्य जो दे रहे हैं वह पुराना ही है। ३१०० रूपये का वादा किया था तो वर्तमान में २५०० रुपये प्रति क्विंटल तो देना था। आज के मजदूर सुबह १० बजे आते है और ५ बजे चले जाते हैं ४०० रूपये मजदूरी मांगते हैं। थोड़ा काम कर लो तो उसका अलग देना पड़ता है हमें कोई फायदा नहीं है महंगाई बहुत बढ़ गई है। सरकार ने ३१०० कहा था वह देना चाहिये। ठेका अधिया करने वाले को कुछ नहीं पड़ता करवाने वाले को मुनाफा होता है निजी जमीन तो सबकी कम है। तीन से चार बार बीमारी की दवाई डालनी पड़ रही है लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। गेहूं २७०० रुपये प्रति क्विंटल कह दिया भी परंतु खरीदी में बहुत अड़ंगे लगा दिए। अभी खरीदी चालू हुई है केन्द्रो में उनके अधिकारी आएंगे और कई प्रकार की बात होगी। हमारी धान हार्वेस्टर से कटी हुई है यह लोग जमाने के पैमाने बताएंगे उन्हें भी रुपए देना होगा बहुत ज्यादा समस्या किसानों के साथ है।

सरकार ने किसानों के साथ किया वादा खिलाफी-सूर्यपाल

सूर्यपाल ठाकरे ने बताया कि २०२२ में लाभ का धंधा बनाने की बात सरकार ने कही थी लाभ कुछ हुआ नहीं अब सब घाटा है। फिर चुनाव में ३१०० रुपए प्रति क्विंटल देने की बात कही वह तो दिया नहीं लागत और बढ़ा दी। सोडे का रेट बढ़ गया धान का नहीं बढ़ पाया २३६९ रुपये प्रति क्विंटल धान का समर्थन मूल्य दे रहे है। जबकि २८०० रुपये प्रति क्विंटल से अधिक का मूल्य इन्हें देना चाहिए। किसान की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है यह बोल भी नहीं पा रहे हैं और सहना भी नहीं हो रहा है, यदि आप आज देखे तो डीजल पेट्रोल मजदूरी खाद कीटनाशक दवा सभी में बहुत ज्यादा वृद्धि हो गई है। जो लाभ था वह लागत में बदल गया है सरकार के इस रवैया से किसानों में बहुत ज्यादा नाराजगी है। जो लंबे समय से देखने में आ रही है पर सरकार नजर अंदाज कर रही है।

विश्व एड्स दिवस पर महाविद्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। स्थानीय वीरांगना रानी अवंति बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस सप्ताह के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एचआईवी एड्स एवं मलेरिया जैसे रोगों के प्रति सही जानकारी और सुरक्षित स्वास्थ्य व्यवहार को बढ़ावा देना रहा। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य के एल हिवारे ने कहा कि समाज में एचआईवी एड्स को लेकर कई भ्रम है जिन्हें दूर करना आवश्यक है। सुरक्षित व्यवहार सही जानकारी और समय पर जांच ही रोकथाम का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही सुरक्षा है और ज्ञान ही रोकथाम की शक्ति है। संतोष मानेश्वर ने एचआईवी के कारण संक्रमण के मार्ग रोकथाम और उपचार पर विस्तृत जानकारी दी। छात्रों को वैज्ञानिक और सुरक्षित व्यवहार अपनाने की सलाह दी। साथ ही मलेरिया के लक्षण बचाव उपाय तथा स्वच्छता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। तरुणा टेंभुरन ,राजेश डोंगरे ,यशवंत चौरागढे सहित सभी ने स्वास्थ्य जागरूकता की आवश्यकता पर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य जागरूकता सामाजिक जिम्मेदारी और सुरक्षित जीवनशैली के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ एस के अब्दुल शमीम, डॉ उमेश सिंह कुशवाहा , आई पी सलामे,डॉ अशोक कुमार टेंभुरने,मनीष कुमार डोंगरे,अजय सोनेकर, विक्रांत रंधावा , दिनेश बनोटे ,अमर सिंह गोंड,श्रीमती शालिनी मेश्राम सहित छात्र छात्रायें मौजूद रहे।

'डरना नहीं समझना होगा तभी एड्स से बचना होगा' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एस एस पी महाविद्यालय राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण समिति म .प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के निर्देशानुसार विश्व एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम महाविद्यालय में संचालित रेड रिबन क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय के प्राचार्य एस एस गेड़ाम के मार्गदर्शन एवं कृष्णा पराते प्रभारी रेड रिबल क्लब के नेतृत्व में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालयीन के लगभग ८७ छात्र छात्राओं की उपस्थिति में किया गया। कर्यक्रम का शुभारंभ मॉ सरस्वती के छाया चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संदीप कोकाटे एचआईवी कांउसलर , रक्षा निकोसे ,सुरेन्द्र कटरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी के द्वारा विश्व एड्स दिवस की संक्षिप्त रूपरेखा बताते हुये कहा की विश्व एड्स दिवस की थीम व्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में परिवर्तन लाना रखा गया है। इस व्याख्यान कार्यक्रम का उद्देश्य उन चुनौतियों को पहचानना जो एचआईवी एड्स महामारी के खिलाफ लड़ाई में खड़ी है जैसे स्वास्थ्य सेवाओं में पहुॅच में कमी, सामाजिक भेदभाव, असमानता आदि। साथ ही इस रणनिति और प्रतिबद्धता के साथ एड्स प्रतिक्रिया में बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें सरकार के द्वारा २०३० तक एड्स को सार्वजनिक खतरे को रूप में पुरी तरह समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य निर्धारित है। प्राचार्य एस एस गेड़ाम ने कहा कि एचआईवी संक्रमण से जुड़ी भ्रांतियॉं, डर और बहुत सी गलत धारणाओं जैसे हाथ मिलाना, गले मिलना, एक ही शौचालय का उपयोग करना, साथ साथ रहना आदि को मिटाने हेतु एड्स दिवस मनाया जाता है। साथ ही एड्स दिवस मनाने का उद्देश्य उन लोगो को याद करना जिन्होंने इस बिमारी से संक्रमण के दौरान सही उपचार ना करने या सामाजिक असमानता के कारण अपनी जान गंवायी है। वहीं संदीप कोकाटे ने बताया कि एचआईवी संक्रिमित होने का मुख्य कारण इन्जेक्षन की उपयोग की हुई सुई का पुन: उपयोग करने से, असुरक्षित यौन संबंध, एचआईवी से सवंमित गर्भवती माता से शिशुओं में, संक्रिमित रक्त या रक्त उत्पाद का प्रयोग करना है। एचआईवी एक वायरस है जो शरीर को रोगो से लड़ने की क्षमता को कमजोर करता है एवं एड्स का कारण बन सकता है। लेकिन सही उपचार और स्वस्थ जीवन शैली से एचआईवी पॉजीटिव व्यक्ति भी स्वस्थ जीवन जी सकता है। एचआईवी संक्रमण से बचने के लिए निम्न उपाय किये जा सकते है जैसे सुरक्षित यौन संबंध हेतु निरोध का उपयोग करना, नई सुई का उपयोग करना, पंजीकृत ब्लड बैंक से ही रक्त का उपयोग करें, गर्भावस्था के दौरान जल्द से जल्द जॉच करवायें। नि:शुल्क जॉच हेतु नजदीकी सरकारी अस्पताल में संपर्क करे। विश्व एड्स जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत पोस्टर, स्लोगन, प्रश्न मंच, भाषण, निबंध, नुक्कड़ नाटक एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

श्री सॉई मन्दिर ट्रस्ट झालीवाड़ा वार्षिकोत्सव २०२५ का २२ दिसबंर से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी साईधाम झालीवाड़ा में श्री साई मंदिर ट्रस्ट एवं ग्रामीणो के तत्वाधान में आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव २०२५ का कार्यक्रम आयोजित गया है। श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट झालीवाड़ा के अध्यक्ष जगदीश पटले ने जानकारी देते हुये बताया कि २२ दिसबंर से १ जनवरी २०२६ तक आयोजित होने वाले श्री सॉई मंदिर वार्षिकोत्सव, सॉईधाम झालीवाड़ा का ११ दिवसीय आयोजन भक्तों के लिये किया जा रहा है। अन्तर्राज्यीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त यह वार्षिकोत्सव अपने १६ वे संस्करण में प्रतिवर्ष अलग अलग कथा का वाचन करते हुये इस वर्ष भक्तमाल कथा के स्वरूप में श्रृद्धालुओं के सामने होगा। श्री पटले ने बताया कि वार्षिकोत्सव का श्री गणेश दिनांक २२ दिसबंर को विभिन्न प्रतिकात्मक एवं धार्मिक झाकियों से सुशोभित विशाल क्लश यात्रा के रूप में होगा। जो श्री सॉई मंदिर परिसर से सम्पूर्ण ग्राम का भ्रमण कर कथा स्थल तक होगी। वहीं २३ दिसम्बर से ३१ दिसंबर २०२५ तक प्रतिदिन दोपहर १२ बजे से ५ बजे तक श्री भक्तमाल कथा का संगीतमय वाचन प्रख्यात संत माधवदास महाराज नोखा राजस्थान के द्वारा किया जायेगा। श्री सॉई मन्दिर ट्रस्ट के द्वारा आयोजन को और भी विराट स्वरूप प्रदान करते हुये इस वर्ष २३ दिसंबर से २४ दिसंबर की रात्रि ८ बजे संगीयमय योग, २५की रात्रि ८ बजे से सुंदरकाण्ड संगीत प्रेमी म्युजिक ग्रुप कटंगी के द्वारा झाकीमय प्रस्तुति, २७ की रात्रि ८ बजे अशोक बोपचे परसवाड़ा के द्वारा भक्तिमय गीत, २९ की रात्रि ८ बजे से भजन संध्या मॉ लतादेवी जागरण ग्रुप नागपुर के विशिष्ट कलाकारो के द्वारा किया जावेगा। वहीं १ जनवरी २०२६ गुरूवार को जनमानस में प्रसिद्धि प्राप्त कर चुकी श्री सॉई बाबा की विशाल रसोई, विशाल भण्डारा का वितरण दोपहर १२.३० बजे से प्रारंभ होकर संध्या ७ बजे तक होगा। आयोजन की अन्तिम रूद्रकांत ठाकुर बरघाट के द्वारा भजन संध्या की झाकीमय विशिष्ट प्रस्तुति होगी। श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट झालीवाड़ा के अध्यक्ष जगदीश पटले एवं श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट अपनी सम्पूर्ण तैयारी कर ली है। अत: श्री सॉई मंदिर ट्रस्ट व समस्त ग्रामीणों की ओर से समस्त क्षेत्रीय ग्रामीण एवं नगरीय श्रृद्धालु भक्तजनों को उक्त पावन धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने इन्द्रभूषण पटले, कमल टेंभरे ,ओमप्रकाश देशमुख, शिवचरण शरणागत, स्वरूपचंद टेंभरे, राम खण्डेलवाल, रमेश पटले, महेन्द्र ठाकरे, पुष्पा शरणागत, ज्ञानचंद बिसेन, अशोक शरणागत, प्रदीप राहंगडाले, रमेश शरणागत, भिवनलाल बिसेन, सच्चिनानंद चन्द्रे, हेमचंद ठाकरे,शषिभूषण देशमुख, कुपेन्द्र राहंगडाले, अनिल देशमुख, रेवाराम पटले, गनाराम पटले, आत्माराम भैरम, बिहारीलाल राठौर, प्रताप अड़मे, अजय पटले, सुखचंद वरकडे, सालिकराम तिडगाम, राजकमल पटले, सुरेश बोपचे, आशीष देशमुख, देवी राहंगडाले, दशरथ आमाडारे, संतोष नगपुरे, रूपक ठाकरे, अनिल उईके, कृष्णा देशमुख, राजेश पटले , छन्नु राउत, मनीष जामवारे,, पुलकित पटले, आकाश सोनेकर, सुरेन्द्र टेंभरे, पेमेन्द्र पारधी, विजय नान्हे, जागेन्द्र पिलगार, कोमेश टेंभरे, वितेश बोपचे, संजय ठाकरे, संजय टेकाम, डेलचंद राहंगडाले, संजय पटले, श्याम चौहान, मोहित सोनी, सावन चौधरी, राजु चंदेलकर, बड्डू नेवारे, राजेश राउत, संदीप राउत, लक्ष्मीचंद राहंगडाले, ऋषभ राहंगडाले, रूज पटले, योगांशु पटले, पियुष राहंगडाले, अमित राहंगडाले, विजय राहंगडाले, नवनीत ठेंगाहे, प्रदीप कटरे, साहिल सहारे, अमित भलावे, मोहित बोपचे, सौरभ टेंभरे व समस्त ग्रामवासी वासीयों इस धार्मिक कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

कौलीवाड़ा में दुय्यम शायरी का जंगी मुकाबला आज

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कौलीवाड़ा के बाजार परिसर में सार्वजनिक मेला उत्सव समिति के तत्वाधान में जारी तीन दिवसीय मेले में ३ दिसंबर को दुय्यम शायरी जंगी मुकाबला का आयोजन किया गया है। यह मेला १ दिसंबर से प्रारंभ किया गया है जिसमें प्रथम दिन रात्रि ८ बजे से संगीतमय प्रस्तुति के साथ सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें संदीप राहंगडाले कौलीवाड़ा और रामप्रसाद राहंगडाले ,चेतन राहंगडाले के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वहीं २ दिसंबर की रात्रि ८ बजे से सम्राट अशोक और उसका शासन पर व्याख्यांन श्रीमती सरिता नागवंशी एसएसपी कॉलेज का रखा गया हैं। तत्पश्चात रात्रि ९ बजे से भीम कव्वाली की शानदार प्रस्तुति गायक संजीव ठवरे और राष्ट्रपाल कामड़े ,ओमप्रकाश निकोसे के द्वारा दी गई। इसमें शायर रेखलाल नगपुरे ग्राम लडसड़ा एवं शायर अमरलाल नगपुरे ग्राम मोहगाँव धपेरा के मध्य होगा। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों से आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील संरक्षक सुनील राणा सहित समस्त ग्रामवासियों ने की है।

श्रीराम मंदिर में स्वदेशी जागरण मंच की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। नगर के श्री राम मंदिर में २ दिसंबर को स्वदेशी जागरण मंच की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक स्वदेशी यात्रा की नगर आगमन को लेकर आयोजित की गई। जिसमें यात्रा को सफल बनाने के लिये होने वाली व्यवस्थाओं पर विचार मंथन कर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस संबंध में उपस्थित जनों ने बताया कि पांढुर्णा से स्वदेशी यात्रा निकाली गई है जो सिवनी से कटंगी होते हुए वारासिवनी नगर में पहुंचेगी। जिसका विश्रामगृह के पास स्वागत किया जाएगा तत्पश्चात यह यात्रा नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करेगी। स्वदेशी यात्रा निकालने का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रति जागरूक करना है उसकी उपयोगिता को बढ़ाना है। इसी विषय को लेकर यह यात्रा का आयोजन होना है। इस अवसर पर संजय अग्रवाल, सुमित चिमनी ,अभिषेक अग्रवाल ,संजय रूसिया ,विनय सुराना, सोनू सोहाने,गणेश अग्रवाल, ललित एडे, भानु लिल्हारे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सांदीपनि विद्यालय में एनसीसी केडेट ने क्राइम दिवस मनाया

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। सांदीपनि विद्यालय में ६ एम पी बटालियन बालाघाट के एनसीसी केडेट ने क्राइम दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नेशनल साइबर क्राइम दिवस कार्यक्रम का आयोजन ६ एम पी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल वी के गुप्ता के मार्गदर्शन में तथा संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में प्रचार्य एवं संस्था के वरिष्ठ शिक्षक लखन रिनायत भी उपस्थित रहे। तथा एनसीसी केडेट को नेशनल साइबर क्राइम डे के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी श्रीमती अन्नू राहंगडाले सहित एनसीसी केडेट कार्यक्रम में समस्त विद्यालय परिवार का योगदान सराहनीय रहा।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

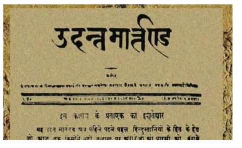

शीतकालीन सत्र का पहला और दूसरा दिन विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ जाना सदन की गरिमा के लिए चिंतनीय तो है ही, करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग भी है। सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की साझा जिम्मेदारी होती है, इसलिए दोनों पक्षों को देशहित में तालमेल बनाना चाहिए।

समन्वय की दरकार

सोमवार से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ जाना जहां संसदीय मर्यादा और सदन की गरिमा के लिए चिंतनीय है, वहीं आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और बहस नहीं हो पाने से करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग भी है। 19 दिसंबर तक चलने वाले इस शीतकालीन सत्र में संसद की मात्र 15 बैठकें ही होने वाली हैं, अगर यह भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के गतिरोध की भेंट चढ़ जाएगा, तो निश्चित रूप से यह बेहद दुखद है। विपक्ष जहां एकजुट होकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), हाल में हुए लाल किला बम धमाके के संदर्भ में राष्ट्रीय सुरक्षा, वायु प्रदूषण, विदेश नीति जैसे मुद्दों पर चर्चा और बहस की मांग कर रहा है, वहीं सरकार ने वंदे मातरम पर वैकल्पिक चर्चा का प्रस्ताव रखा है और कहा है कि वह एसआईआर एवं चुनाव सुधार के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष बहस के लिए समयसीमा न थोपे। ऐसे में, विपक्ष को भी अपने रुख में नरमी लानी चाहिए। गौरतलब है कि संसद का पिछला सत्र भी एसआईआर के मुद्दे को लेकर पूरी तरह बाधित रहा था। एक अनुमान के अनुसार, संसद की कार्यवाही पर हर मिनट में करीब ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं, जो सदस्यों के हंगामे के कारण बर्बाद हो जाते हैं और इसका असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तल्खी इतनी ज्यादा है कि सर्वदलीय बैठक और बिजनेस एडवायजरी बोर्ड की बैठक में हुई बातचीत भी दोनों के बीच गतिरोध को खत्म नहीं कर सकी। हालांकि, सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने %मणिपुर गुड्स एंड सर्विस टैक्स% (दूसरा संशोधन) विधेयक सदन में पेश किया, जिससे सत्ता पक्ष राहत महसूस कर सकता है, लेकिन पूरे शीतकालीन सत्र को लेकर आसार अच्छे नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, संसदीय लोकतंत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के समन्वय से चलता है और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, यह भी दोनों पक्षों की साझा जिम्मेदारी होती है। इसलिए दोनों पक्षों को लचीला रुख अपनाते हुए सदन में मुद्दों के ऊपर बहस करनी चाहिए और पेश किए जाने वाले विधेयकों के गुण-दोषों पर चर्चा करनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत छींटाकशी में उलझना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि सत्ता पक्ष भी विपक्ष की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगा और विपक्ष भी हंगामे की हठधर्मिता छोड़कर सदन के इस सत्र में सार्थक बहस और जनहितैषी मुद्दों पर विमर्श के लिए सकारात्मक रुख अपनाएगा।

अनैतिक और आपराधिक के बीच कहीं फँसा है नेशनल हेराल्ड मामला, कोर्ट में आखिर क्या ?

भारत में न्याय और राजनीति के बीच की दूरी हमेशा उतनी नहीं रहती जितनी संविधान चाहता है। कुछ मुकदमे अदालत में कम, और अखबारों व टीवी स्टूडियो में ज्यादा लड़े जाते हैं। नेशनल हेराल्ड मामला भी पिछले दशक का वैसा ही एक मुकदमा है जहाँ तथ्य कम, और धारणाएँ ज्यादा तैरती हैं। यह मामला एक पुरानी, बंद हो चुकी अखबारी कंपनी, उसके डूबे हुए कर्ज, एक नई बनाई गई गैर-लाभ कंपनी, और कांग्रेस नेतृत्व पर लगाए गए आरोपों का समुच्चय है। आरोप सरल शब्दों में यही है कि गांधी परिवार ने% यंग इंडियन% नाम की कंपनी बनाकर %एसोसिएटिड जर्नल्स लिमिटेड% की करोड़ों की संपत्तियों का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। बचाव पक्ष का कहना है कि यह सिर्फ एक बंद अखबार को जिंदा करने की कोशिश थी, कोई आर्थिक लाभ नहीं। समस्या यह है कि इस देश में राजनीति और लाभ एक ही सांस में सुने जाते हैं, और अदालतों में जाकर यह तय करना पड़ता है कि असल कहानी क्या है।

अगर पूरे मामले की परतें खोली जाएँ, तो कहानी कुछ ऐसी है। एसोसिएटिडजर्नल्स लिमिटेड (ए.जे.एल.) कभी वह कंपनी थी जो नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और क्कामी आवाज जैसे अख़बार निकालती थी। धीरे-धीरे अखबार बंद होते गए और कंपनी कांग्रेस से लिया हुआ लगभग नब्बे करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गई। वर्ष 2010 में कांग्रेस ने यह कर्ज %यंग इंडियन% नाम की नई सेक्शन 25 (आज की सेक्शन 8) गैर-लाभ कंपनी को सौंप दिया, जिसने ए. जे. एल. से कहा-हम यह कर्ज अपने ऊपर ले रहे हैं, बदले में आपको यंग इंडियन के शेयर दे दीजिए। यंग इंडियन ने सिर्फ पचास लाख रुपये देकर ए. जे. एल. के नब्बे करोड़ रुपये वाले कर्ज का अधिकार हासिल कर लिया, और इसके बाद ए. जे. एल. की ज़मीन-जायदाद समेत पूरा नियंत्रण यंग इंडियन के हाथ चला गया। राहुल गांधी और सोनिया गांधी यंग इंडियन में छिहत्तर प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं- यही वह तथ्य है जिसके आधार पर पूरा मामला खड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय कहता है- यह% वित्तीय लाभ% का मामला है। गांधी परिवार कहता है-लाभ कमाने वाली कंपनी ही नहीं है, तो लाभ कहाँ से आएगा ?

अब अदालत में असली सवाल यह है कि यंग इंडियन ने कोई अपराध किया या सिर्फ एक अजीब-सा कॉर्पोरेट पुनर्गठन प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि कांग्रेस के फंड का इस्तेमाल% निजी फायदे% के लिए हुआ और यह धन-शोधन की परिभाषा में आता है। परंतु धन-शोधन निरोधक कानून (पी.एम.एल.ए.) अत्यंत तकनीकी कानून है। उसके तहत तभी अपराध बनता है जब कोई %निर्दिष्ट मूल अपराध% पहले सिद्ध हो। इस मामले में यदि आरोप है कि कंपनी का नियंत्रण गलत तरीके से लिया गया-तो पहले यह साबित करना होगा कि यह% अपराधजन्य संपत्ति% थी। ए.जे. एल. कांग्रेस का कर्जदार था, जिसने अपनी सहमति से कर्ज यंग इंडियन को सौंपा। धोखाधड़ी साबित करने के लिए किसी %पीड़ित% का होना आवश्यक है और ए. जे. एल. के शेयरधारक वही थे जिन्होंने

मामले की समस्या यह है कि यह कानूनी रूप से जितना धुँधला है, उतना ही राजनीतिक रूप से चमकीला। एक तरफ यह सवाल उठता है कि कांग्रेस ने नब्बे करोड़ का कर्ज पचास लाख में क्यों सौंपा-यह नैतिक

रूप से निश्चित ही संदिग्ध है। पर दूसरी तरफ यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या हर संदिग्ध निर्णय अपराध माना जा सकता है? राजनीतिक दल हमेशा ट्रस्ट, संस्थाओं और विभिन्न संगठनों को पैसे देते रहते हैं।

यह सौदा किया। ऐसे में यह कैसे सिद्ध होगा कि किसी को नुकसान हुआ? प्रवर्तन निदेशालय यहाँ %नियंत्रण को ही लाभ% बता रहा है, जो राजनीतिक स्तर पर तीखा आरोप बनता है, लेकिन अदालत में इसे वास्तविक आर्थिक लाभ साबित करना कठिन है। यंग इंडियन अपने किसी निदेशक या हिस्सेदार को कोई लाभ बाँट ही नहीं सकती उसका ढाँचा ही ऐसा है।

मामले की समस्या यह है कि यह कानूनी रूप से जितना धुंधला है, उतना ही राजनीतिक रूप से चमकीला। एक तरफ यह सवाल उठता है कि कांग्रेस ने नब्बे करोड़ का कर्ज पचास लाख में क्यों सौंपा यह नैतिक रूप से निश्चित ही संदिग्ध है। पर दूसरी तरफ यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या हर संदिग्ध निर्णय अपराध माना जा सकता है? राजनीतिक दल हमेशा ट्रस्ट, संस्थाओं और विभिन्न संगठनों को पैसे देते रहते हैं। इस पर कोई स्पष्ट कानून नहीं, न ही चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश पर्याप्त हैं। यही खामी सरकारों के हाथ में राजनीतिक हथियार बन जाती है और इसलिए यह मुकदमा कानून की बजाय राजनीति का औज़ार प्रतीत होता है।

अब असली मुद्दा-क्या यह मामला अदालत में टिकेगा? कानूनी कसौटी पर तौलें तो उत्तर स्पष्ट दिखता है-बहुत कठिन है। पहला कारण-मामले में% अपराधजन्य धन% का कोई ठोस सबूत नहीं है। न कोई रकम निजी खातों में गई, न कोई संदिग्ध बैंक रूट इस्तेमाल हुआ, न नकद का कोई लेन-देन सामने आया। दूसरा कारण-ए.जे.एल. को हुए किसी नुकसान का कोई सबूत नहीं है। तीसरा कारण यह पूरा मामला सिविल विवाद जैसा दिखता है, जिसका समाधान कंपनी कानून में है, आपराधिक कानून में नहीं। अदालतें सामान्यत: वही आपराधिक मुकदमे आगे बढ़ाती हैं जिनमें अपराध का इरादा% स्पष्ट हो। यहाँ आर्थिक लाभ नहीं, केवल नियंत्रण है और नियंत्रण अपने आप में अपराध नहीं होता।

क्या इसका मतलब यह है कि पूरा मामला राजनीतिक है? आंशिक रूप से हाँ। कांग्रेस ने निश्चित ही नैतिक रूप से एक खराब मिसाल पेश की। लेकिन खराब मिसाल और अपराध में जमीन-आसमान का फर्क है। अदालत नीयत से नहीं, सबूतों से चलती है। इस केस में अभी तक सबूत कमजोर हैं। इससे यह साफ है कि मुक़दमा लंबे समय तक राजनीतिक दबाव के औज़ार के रूप में चलता रहेगा, लेकिन अदालत में सफलता की संभावना कम है। यदि यह मुकदमा अपने अंतिम निष्कर्ष तक पहुँचा, तो संभव है कि इसका परिणाम वैसा ही हो जैसा देश में कई राजनीतिक मामलों का होता आया है-बहुत शोर, बहुत राजनीतिक उपयोग, बहुत आरोप-प्रत्यारोप, लेकिन दोषसिद्धि नहीं।

इसलिए नेशनल हेराल्ड मामला राजनीति के लिए तो अत्यंत उपयोगी है, पर कानून की कसौटी पर इसे सिद्ध करना आसान नहीं दिखता। भारत की सार्वजनिक बहस में यह मामला ज़रूर जीवित रहेगा, पर न्यायालय में इसका अंतिम नतीजा अधिकतर हल्का रहेगा- यह अनुमान तथ्यों और कानून, दोनों से निकलता है।

(साभार - डायचे वेले)
- चित्रगुप्त

जीवन धारा

जग्गी वासुदेव

सवाल यह नहीं कि खुशी मिलेगी या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम इसे स्थायी बना सकते हैं? जब आप अपने अंदर खुशी तलाश लेते हैं, तो संसार में शांति और प्रेम का स्रोत बन जाते हैं।

प्रसन्नता का स्रोत अपने भीतर ही खोजें

आपने अब तक अपनी जिंदगी में जो कुछ भी किया, चाहे वह कॅरिअर बनाना हो, व्यवसाय खड़ा करना हो, धन कमाना हो या फिर पारिवारिक दायित्व का निर्वहन, अक्सर इन सबके पीछे एक ही उद्देश्य छिपा होता है, वह है खुश रहना। पर क्या आपको नहीं लगता कि इस सरल-सी चाह को पूरा करते-करते जीवन कहीं न कहीं उलझता ही चला जाता है। यदि आप किसी किसी अन्य अन्य जीव के रूप में जन्म लेते, तो जिंदगी की चिंता सीमित होती, भूख लगती, आप पेट भरते और आपको सहज शांति मिल जाती। लेकिन एक इन्सान के रूप में, जीवन न केवल जीवित रहने की जरूरत है, बल्कि उसमें आनंद और शांति की तलाश भी है। मानव इतिहास की सबसे सुविधासंपन्न पीढ़ी है। आप एक बटन दबाकर साल भर का सामान मंगवा सकते हैं। सौ साल पहले राजा-महाराजाओं के पास भी ऐसी सुविधाएं नहीं थीं, जो आज आम आदमी की पहुंच में हैं। फिर भी, विडंबना यह है कि हम संतुष्ट, प्रसन्न और प्रेमपूर्ण पीढ़ी नहीं हैं। आखिर क्यों? क्या कभी हमने इसकी वजह जानने की कोशिश की है? दरअसल, हमने बाहर की दुनिया को तो व्यवस्थित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी, पर भीतर की अव्यवस्था जस की तस बनी रही। यदि हम बाहरी चीजों को और नियंत्रित करने निकल पड़ें, तो इस धरती की ही सांसें थम जाएंगी। फिर भी हमें वह प्रसन्नता नहीं मिलेगी, जिसकी हम कामना करते हैं। यदि इतनी कोशिशों के बाद भी संतोष नहीं मिला, तो क्या यह समय नहीं है कि हम देखें कि गलती कहां हुई? यही वह क्षण है, जब दृष्टिकोण बदलना चाहिए। आश्चर्य तो यह है कि पृथ्वी पर अधिकांश लोगों का एक भी दिन वैसा नहीं गुजरता, जैसा वे चाहते हैं। हर व्यक्ति ने कभी-न-कभी आनंद, शांति या प्रेम का स्पर्श अवश्य महसूस किया होगा, लेकिन ये क्षण हमेशा क्षणिक ही रहे। ऐसे में, सवाल यह नहीं कि खुशी मिलेगी या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम इसे स्थायी बना सकते हैं? और इसका उत्तर सीधा और स्पष्ट है-जब आप अपने अंदर से खुशी तलाश लेते हैं, तो आप स्वाभाविक रूप से संसार में शांति और प्रेम का स्रोत बन जाते हैं। वास्तव में, एक शांतिपूर्ण समाज और आनंदमय संसार के निर्माण का एकमात्र अचूक उपाय यही है कि प्रत्येक मनुष्य अपने भीतर उस प्रसन्नता के स्रोत को खोजे, जिसे वह बाहर तलाश रहा है। खुशी कोई उपलब्धि नहीं, जिसे बाहर तलाशा जाए, बल्कि यह आपके अस्तित्व का स्वभाव है। जब आपके भीतर शांति होगी, तो बाहर का संसार भी अपने आप सुंदर दिखाई देने लगेगा।

सूत्र -जीवन का परम उद्देश्य पहचानें

आंतरिक प्रसन्नता ही जीवन का परम उद्देश्य है, और इसे पाने का रास्ता तलाशने के लिए अपने भीतर की गहराई में उतरें, स्वयं को जानें, और उस आनंद को कायम रखें, जो संसार की किसी भी वस्तु या परिस्थिति से स्वतंत्र है। यही मानव जीवन की वास्तविक महत्ता है। शांतिपूर्ण समाज और आनंदमय संसार बनाने के लिए आंतरिक प्रसन्नता जरूरी है।

तकनीक

कृत्रिम मेधा और पर्यावरण की फिक्र

कृत्रिम मेधा का तेजी से विस्तार इसके नैतिक निहितार्थों और पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ाने लगा है। इसके बढ़ते उपयोग ने अधिक डेटा और कंप्यूटिंग शक्ति की मांग को भी बढ़ा दिया है, जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है।

कृत्रिम मेधा यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का तेजी से विकारा इसके नैतिक निहितार्थों और पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ाने लगा है। इसके बढ़ते उपयोग ने अधिक डेटा और कंप्यूटिंग शक्ति की मांग को चढ़ा दिया है, जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। अधिकांश एआइ सर्वर डेटा केंद्रों में संग्रहीत होते हैं, जो इलेक्ट्रानिक अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं। डेटा केंद्र बड़ी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन होता है। उन्हें निर्माण और विद्युत घटकों को ठंडा करने के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता भी होती है। वैश्विक एआइ मांग में वर्ष 2027 तक 4.2-6.6 चिलियन क्यूबिक मीटर पानी की खपत होने की संभावना है। डिजिटल अर्थव्यवस्था को आभासी रूप में देखा जाता है, लेकिन यह भौतिक संसाधनों और कच्चे माल पर अत्यधिक निर्भर है। डिजिटल उपकरण और बुनियादी ढांचा प्लास्टिक, कांच, सिरेमिक और विभिन्न खनिजों एवं धातुओं से बने होते हैं। दो किलोग्राम के कंप्यूटर को बनाने में भी लगभग 800 किलोग्राम कच्चे माल की आवश्यकता होती है। कृत्रिम मेचा पर आंचारित आभासी सहयोग मंच पारंपरिक खोज इंजनों की तुलना में अधिक ऊर्जा का उपयोग करते हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, इस तरह के सहयोग मंच पर एक अनुरोध के लिए गूगल खोज की तुलना में दस गुना अधिक चिजली की जरूरत होती है।

वर्ष 2021 में मशीन लर्निंग और कृत्रिम मेधा की चैश्विक बिजली मांग में 0.2 फीसद से भी कम और वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1 फीसद से भी कम हिस्सेदारी थी। हाल के वर्षों में मेटा ने मशीन लर्निंग प्रशिक्षण और अनुमान के लिए कंप्यूटिंग मांग में सौ फीसद से अधिक की वार्षिक वृद्धि देखी है। जैसे-जैसे कृत्रिम मेधा का उपयोग बढ़ेगा, ऊर्जा की मांग भी बढ़ेगी, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग आवश्यक हो जाएगा। डेटा केंद्र विभिन्न अनुप्रयोगों, जैसे वेबसाइट, क्लाउड या एआइ सेवाओं के लिए डेटा के भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण पर निर्भर हैं। एआइ तकनीक वाले डेटा केंद्र अपनी जटिल प्रणाली के संचालन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं, जिसका अधिकांश हिस्सा अभी भी जीवाश्म इंधन से आता है, जिससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन होता है। डेटा संग्रहण के लिए आवश्यक ऊर्जा वर्ष 2026 तक दोगुनी होने की उम्मीद है।

हम डिजिटल युग में रहते हैं, जहां हमारे जीवन को निर्देशित करने वाली कई प्रक्रियाएं कंप्यूटर कोड के अंदर छिपी हुई हैं। इस कारण हमें आगे बढ़ते हुए अधिक पारदर्शिता और पर्यावरण अनुकूल कृत्रिम मेधा की मांग करनी चाहिए। लोगों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक उपभोक्ता चनने की जरूरत है। यह समझना जरूरी है कि आभासी कार्यों में हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले, सहेजे जाने वाले या उत्पन्न किए जाने वाले डेटा की वास्तविक दुनिया में एक लागत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एवंसी के अनुसार, एक गूगल सर्च में 0.3 चाट प्रति घंटे चिजली खर्च होती है, जबकि आभासी सहयोग मंच पर एक अनुरोध में 2.9 वाट प्रति घंटे बिजली खर्च

होती है। अगर सहयोग मंच को प्रतिदिन की जाने वाली नौ अरब खोजों में एकीकृत कर दिया जाए, तो बिजली की मांग सालाना दत्त टेरावाट प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी, जो यूरोपीय संघ (ईयू) के लगभग पंद्रह लाख निवासियों द्वारा खपत की जाने वाली ऊर्जा के बराबर है।

हम डिजिटल युग में रहते हैं, जहां हमारे प्रक्रियाएं कंप्यूटर कोड के अंदर छिपी हुई हैं। इस कारण हमें आगे बढ़ते हुए अधिक पारदर्शिता और पर्यावरण अनुकूल कृत्रिम मेथा की मांग करनी चाहिए। लोगों को नई तकनीकों के प्रति जागरूक उपभोवता बनने की जरूरत है। यह समझना जरूरी है कि आभासी कार्यों में हमारे द्वारा उपयोग किए जाने वाले, सहेजे जाने वाले या उत्पन्न किए जाने वाले डेटा की वास्तविक दुनिया में एक तागत होती है। हमें ऐसे विकल्प विकसित करने होंगे, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने में कार्बन उत्सर्जन कम हो तथा एआइ उपकरणों और डेटा केंद्रों के निर्माण से ई-कचरे की समस्या भी उत्पन्न न हो जय हम किसी उपकरण को बिजली के साथ जोड़ते हैं तो पता रहता है कि वह किस ऊर्जा ग्रिड का उपयोग कर रहा है और

लगभग कितनी ऊर्जा का

इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन जब हम गूगल या किसी आभासी सहयोग मंच पर कुछ तलाश कर रहे होते हैं, तो चास्तव में पता नहीं होता कि प्रक्रिया कहां चल रही है। भौतिक रूप से हमारे पास बहुत सारा डेटा है, हम उसे संग्रहीत कर रहे हैं। एआइ माडल को प्रशिक्षित करने में भी ऊर्जा की खपत होती है। अराल में हम जिस भी डेटा पर अपने माडल को प्रशिक्षित करना चाहते हैं. उसे हजारों बार अपने माडल पर चला रहे हैं। जब किसी एआइ माडल को तैनात किया जाता है, तो उसे हमेशा चालू रखना होता है। ऐसे में डेटा केंद्र के सर्वर भी गर्म हो जाते हैं। इन डेटा केंद्रों को ठंडा करने के लिए कई तरह की तकनीकें अपनाई जाती हैं। कभी-कभी वातानुकूलन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ज्यादातर अनिवार्य रूप से पानी का संचरण किया जाता है। जैसे-जैसे डेटा केंद्र ज्यादा सघन होते जाते हैं, इन्हें ज्यादा ठंडक की जरूरत होती है, इसलिए इनमें ज्यादा पानी का इस्तेमाल होता है।

खासकर बड़े डेटा केंद्र, जहां से कृत्रिम मेधा संचालित होती है, उनके पास ऊर्जा के विश्वसनीय स्रोत होने चाहिए। इसलिए, अक्सर ये ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं, जहां गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत उपलब्ध हों, जैसे प्राकृतिक गैस या कोयले से उत्पन्न कर्जा, ताकि एआइ उपकरणों को निर्वाध रूप से ऊर्जा उपलब्ध होती रहे। सौर या पवन ऊर्जा के साथ ऐसा करना मुश्किल होता है, क्योंकि अबसर मौसम संबंधी फारक ऊर्जा उत्पादन में बाधा डालते हैं। यानी यड़े डेटा केंद्र ऐसी जगहों पर बनाए जाते हैं, जहां ग्रिड अपेक्षाकृत कार्बन-गहन होता है।

एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में डेटा केंद्रों ने अमेरिका की कुल विजली का 4.4 फीसद इस्तेमाल किया। यह आंकड़ा कृत्रिम मेधा की बढ़ती मांग के हिसाब से वर्ष 2028 तक तीन गुना हो सकता है। कृत्रिम मेथा का तेजी से विस्तार पानी के उपयोग, उत्सर्जन और ई-कचरे को बढ़ा रहा है। वर्ष 2030-2035 तक डेटा केंद्र वैश्विक चिजली उपयोग का बीत फीसद हिस्सा इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे पावर ग्रिड पर भारी दबाच पड़ेगा। शुरुआत में कंप्यूटिंग में ऊर्जा संबंधी चिंताएं उपभोक्ता-केंद्रित थीं, मगर आज पर्यावरणीय स्थिरता, कार्बन उत्सर्जन में कमी और एआइ माडल को अधिक ऊर्जा कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित हो रहा है। एआइ माडल प्रशिक्षण में बार-चार गणनाओं के माध्यम से मापदंडों का समायोजन शामिल है, जिसके लिए अत्यधिक प्रसंस्करण शक्ति की आवश्यकता होती है। प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में हफ्तों या महीनों का समय लग सकता है, जिससे भारी मात्रा में चिजली की खपत होती है।

इसके अलावा, एआइ माडल को प्रासंगिक बने रहने के लिए अक्सर बार-बार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिससे ऊर्जा की खपत और चढ़ जाती है। बुनियादी ढांचे की विफलताएं, साफ्टवेयर की अनुशलता और एआइ माडल की बढ़ती जटिलताएं इस तनाव को और बढ़ा देती हैं, जिससे एआइ प्रशिक्षण आधुनिक युग में सबसे अधिक संसाधन-गहन कंप्यूटिंग कार्यों में से एक बन गया है। वर्ष 2014 से 2023 तक सर्वर ऊर्जा उपयोग तीन गुना से भी अधिक हो गया है। मगर राहत की चात यह है कि कंप्यूटर ज्यादा कुशल होते जा रहे हैं। जैसे-जैसे कंप्यूटर प्रोसेसर अधिक कुशल होते जाते हैं, उन्हें चलाने में कम लागत आती है, जिससे कुछ ऊर्जा बचत की भरपाई हो सकती है। इस स्थिति में हमें ऐसे विकल्प विकसित करने होंगे, जिससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने में कार्बन उत्सर्जन कम हो तथा एआइ उपकरणों और डेटा केंद्रों के निर्माण से ई-कचरे की समस्या भी उत्पन्न न हो।

-मनीष कुमार चौधरी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। लेवाली के चलते मंगलवार को अनाज मंडी में चना तेजी पर रहा। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में नारियल सुस्ती पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में पूछपरख से बाजार तेजी के रहे। मसूर में टिकाव देखा गया। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4400 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूती पर रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियल सुस्ती पर रहा। खोपरा गोला मजबूती पर देखा गया। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4170, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 2600-2650, (200) 2450-2500, (250) 2800-2850

तेल- सींगदाना 1430-1440, मुम्बई 1460, राजकोट तेलिया 2430-2440, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1240-1250, कपास्या 1230-1240, धूलिया 1240, कड़ी 1240,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1480-1500, मुम्बई पाम 1245, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसों 8200-8400, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5825-5850, एवरेज 4800-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबुली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मूंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इंदौर एजेंसी। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 172000, चाँदी (99) 171500, टंच 169500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 128800

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिक डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 41 पैसे की गिरावट के साथ डॉलर से 89.94 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की व्यापक मजबूती और लगातार विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 89.85 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार कंपनियों, आयातकों और विदेशी निवेशकों द्वारा डॉलर की मजबूत मांग ने रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 89.70 पर खुला था, जो जल्दी ही नए निचले स्तर पर फिसल गया। सोमवार को यह 89.79 प्रति डॉलर तक गिरने के बाद 89.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 99.41 पर स्थिर दिखा।

भारतीय शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 503.63 अंकों टूटकर 85,138.27 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 143.55 अंक नीचे आकर 26,032.20 अंकों पर बंद हुआ। आज बैंकिंग स्टॉक्स सहित सेंसेक्स और निफ्टी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर नीचे आये थे। वहीं गत दिवस भी बाजार हल्की गिरावट पर बंद हुआ था। आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर भी तेजी के साथ में बंद हुए और शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 50 में से केवल 15 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और शेष सभी 35 कंपनियों के शेयर गिरे। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स के शेयर सबसे ज्यादा 3.17 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि आईसीआईसीआई बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.14 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। इनके अलावा, आज सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी,

बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, टीसीएस और टाइटन के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बीईएल, एलएंडटी, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, टीएमपीवी, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआत में सेंसेक्स 300 से अधिक अंक टूटकर 85,325 पर खुला। हालांकि इसके बाद कुछ रिकवरी देखने को मिली। इसी तरह निफ्टी भी कमजोरी के साथ 26,087 पर खुलने के कुछ देर बाद यह 57.85 अंक की गिरावट के साथ 26,117 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजारों की बात करें तो मंगलवार को एशियाई इंडेक्स में मजबूती दिखी। कोस्पी 1.02 फीसदी मजबूती के साथ बंद हुआ। जापान का निक्केई 225 शुरुआती कारोबार में 0.54 फीसदी चढ़ा, हालांकि जापानी सरकारी बॉन्ड यील्ड में उछाल आया और 10-वर्षीय यील्ड 1.88 फीसदी तक पहुंच गई, जो 2008 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। उधर, वॉल स्ट्रीट पर क्रिप्टो-प्रेरित बिकवाली से निवेशकों की धारणा कमजोर रही। एसएंडपी 500 में 0.53 फीसदी, नैस्डैक में 0.38 फीसदी और डॉव जोन्स में 0.9 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई।

पोस्ट ऑफिस की टीडी योजना-निवेश एक लाख, पांच वर्ष में ब्याज रिटर्न 44,995 रुपए

नई दिल्ली एजेंसी। पोस्ट ऑफिस की पांच वर्षीय टाइम डिपॉजिट (टीडी) योजना उन निवेशकों के लिए आदर्श है, जो शून्य जोखिम वाले निवेश की तलाश में हैं। यह योजना केंद्र सरकार द्वारा समर्थित है और निवेशकों को निश्चित ब्याज दर पर रिटर्न देती है। इस योजना में निवेशक 1, 2, 3 या 5 वर्ष के लिए निवेश कर सकते हैं, जिसमें पांच वर्षीय टीडी सबसे लोकप्रिय है। पांच वर्षीय टीडी निवेशकों को स्थिर और गारंटीड रिटर्न के साथ टैक्स लाभ भी देता है। यह आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो लंबी अवधि में सुरक्षित रिटर्न चाहते हैं। निवेश करने के लिए अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस में टीडी खाता खोलना होगा। आवश्यक केवायसी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड और फोटो जमा करना अनिवार्य है। खाता नकद, चेक या बैंक ट्रांसफर के जरिए तुरंत खोला जा सकता है। खाता सिंगल या जॉइंट भी हो सकता है। वर्तमान में पोस्ट ऑफिस की पांच वर्षीय टीडी पर 7.5 फीसदी ब्याज दर लागू है। 1,00,000 रुपये निवेश करने पर 5 वर्षों में कुल रिटर्न 44,995 रुपये होगा और मेच्योरिटी राशि 1,44,995 रुपये तक पहुंच जाएगी। ब्याज सालाना भुगतान होता है, लेकिन गणना त्रैमासिक आधार पर की जाती है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली एजेंसी। डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच देश में क्रेडिट कार्ड का उपयोग तेजी से बढ़ा है। लेकिन कई बार ग्राहक अनजाने में अपनी निर्धारित कार्ड लिमिट से अधिक खर्च कर लेते हैं, जिसके कारण बैंकों द्वारा भारी ओवरलिमिट शुल्क लगाया जाता है। ऐसे बढ़ते मामलों को देखते हुए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अब क्रेडिट कार्ड से जुड़े अहम नियमों में बड़ा बदलाव किया है। ये नए नियम करोड़ों कार्ड उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं। आरबीआई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अब कोई भी बैंक या कार्ड जारीकर्ता ग्राहक की स्पष्ट सहमति के बिना ओवरलिमिट फीचर सक्रिय नहीं कर सकेगा। पहले कई बैंक इस सुविधा को स्वतः सक्रिय कर देते थे, जिससे ग्राहक अनजाने में अपनी लिमिट से अधिक खर्च कर बैठते थे और बाद में उन्हें भारी ओवरलिमिट चार्ज चुकाना पड़ता था। आरबीआई ने इस प्रथा पर पूरी तरह रोक लगा दी है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी कार्ड जारीकर्ताओं को अपने मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग प्लेटफॉर्म पर एक ट्रांजैक्शन कंट्रोल फीचर उपलब्ध कराना होगा। इस फीचर के माध्यम से ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार ओवरलिमिट सुविधा को ऑन या ऑफ कर सकेंगे। यह विकल्प 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यदि ग्राहक ने ओवरलिमिट की अनुमति नहीं दी है, तो कार्ड किसी भी स्थिति में निर्धारित लिमिट से अधिक खर्च की अनुमति नहीं देगा। यहां तक कि किसी तकनीकी त्रुटि के कारण यदि लिमिट पार भी हो जाए, तब भी बैंक ग्राहक से कोई ओवरलिमिट शुल्क नहीं ले सकेगा। आरबीआई का कहना है कि यह कदम ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने और अनियंत्रित खर्च तथा संभावित धोखाधड़ी को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

मेष- आज आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आप अपने करीबियों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे और किसी काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं, नहीं तो बाद में आपको उसमें कोई समस्या आ सकती है। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखें जिससे आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज आप कोई भी निवेश बहुत ही सोच समझकर करें और अपने धन को थोड़ा संभालकर रखें। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। कोई प्रॉपर्टी की आपकी डील यदि लटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है, जिसके लिए आप कोई लोन आदि भी अप्लाई कर सकते हैं। किसी कानूनी मामले में आपको जीत मिलेगी और आप अगर भावनाओं में बहकर यदि कोई निर्णय लेंगे, तो बाद में आपको समस्या खड़ी हो सकती है।

मिथुन- आज आपको अपने परिजनों का पूरा साथ मिलेगा और आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपके घर किसी नए मित्र का आगमन हो सकता है। आपको जीवनसाथी आपके कामों में पूरा साथ देंगी और आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें। बिजनेस में कुछ कामों को लेकर थोड़ी टेंशन अवश्य रहेगी।

कर्क- आज आपको किसी तर्क वितर्क में पड़ने से बचना होगा। शासन और प्रशासन के मामलों में आप पूरा ध्यान दें। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। घूमने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा और आपका आत्मविश्वास भी मजबूत रहेगा। आपके काम की गति भी बेहतर रहेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। भाई बंधुओं की आपसे खूब पटेगी और कारोबार में आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आपका कोई मित्र यदि आपसे लंबे समय से नाराज चल रहा था, तो वह भी मान सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा और आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपको अपरिचित लोगों से दूरी बनाकर रखने होंगे। आप भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य के प्रति आपको सचेत रहना होगा। खानपान पर आप पूरा ध्यान दें।

तुला- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी और प्रेम संबंधों में भी प्रगाढ़ता आएगी। आप अपने साथी की भावनाओं का सम्मान करेंगे। एक दूसरे से आप उनकी इच्छा को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपको किसी काम के समय से पूर्ण होने से थोड़ी निराशा अवश्य रहेगी। आपको कुछ नए अनुबंधों से लाभ मिलेगा और आप लोगों का दिल जीतने में भी कामयाब रहेंगे।

वृश्चिक- आज आपको धैर्य और संयम से काम करने की आवश्यकता है। आप अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चलें और आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी होगी। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में ना आए और वाहन लापरवाही से न चलाएं, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है। आप अपने किसी सहयोगी की मदद के लिए आगे आएंगे और कुछ रुपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी अपने जीवनसाथी से खूब पटेगी और दोनों आगे के भविष्य को लेकर बातचीत करेंगे। जरूरी कामों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आपका कोई सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप किसी के मामले में न बोलें। आपके अंदर ऊर्जा अधिक रहने से आप प्रत्येक काम करने में तत्पर रहेंगे। आपका रहन सहन का स्तर भी बढ़िया रहेगा और आपको किसी तर्क वितर्क में पड़ने से बचना होगा। किसी नए भूमि और वाहन आदि की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपको अपने भाई बंधुओं से नजदीकियां बढ़ेंगी। आप उनके साथ किसी पिकनिक पर जाने की योजना बना सकते हैं। आपको बिजनेस में किसी अनजान व्यक्ति से सलाह लेने से बचना होगा, क्योंकि वह आपकी समस्याओं को बढ़ाएगी। आपको कुछ पुराना मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है।

मीन- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। परिवार में सदस्यों से रिश्तों में यदि कड़वाहट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपकी कुछ नये लोगों से मुलाकात होगी। आप बचत की योजना पर पूरा ध्यान देंगे। सरकारी काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा। आप दूसरे के मामले में बेवजह ना बोलें। आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

शब्दजाल - 8098

शब्द जाल में उन 10 खेलों के नाम ढूंढिए, जो विश्व भर में खेले जाते हैं। शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं।

हॉकी, बेसबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट, रग्बी, वालीबॉल, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बॉस्केट बॉल, जूडो

ची	अ	मे	रि	क्रि	पा	तू	हॉ	की	प	बा
न	र	ग्बी	प	के	डो	ने	शि	या	ड़	स्के
अ	दा	जा	ला	ट	ग	स	द	ह	प	ट
वा	ग	टे	पा	ब	दू	फु	प	बे	लि	बॉ
ली	ना	अ	ब	न	जा	ल	ट	स	प	ल
बॉ	इ	इ	मो	ल	प	वा	त	बॉ	यु	बां
ल	जी	ल	ह	व	टे	रि	स	ल	ल	ग
र	रि	भा	र	त	प	नि	रा	ल	वि	ला
क	या	बा	तें	व	टे	ज	स	शा	जू	दे
र	ग	ल	प	न	सिं	ब्रा	रु	अ	प	श
बां	स	ल	लॉ	रु	स	जू	डो	प	क	र

शब्दजाल - 8097 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7042

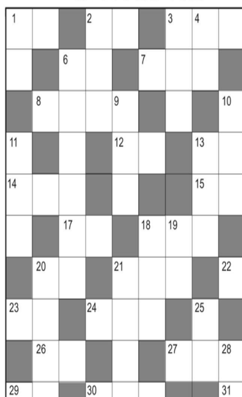

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7041

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	मेष में
मंगल	वृश्चिक में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
धनु	07.29 बजे से
मकर	09.34 बजे से
कुंभ	11.20 बजे से
मीन	12.53 बजे से
मेष	14.24 बजे से
वृष	16.04 बजे से
मिथुन	18.02 बजे से
कर्क	20.15 बजे से
सिंह	22.31 बजे से
कन्या	00.43 बजे से
तुला	02.54 बजे से
वृश्चिक	05.09 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 337 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 12.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 18.00 बजे को समाप्त।
योग परिघ 16.57 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.26 बजे तदनन्तर गर 22.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 06'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872547
जूलियन दिन 2461012.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 11

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः राजा का आदर्श

किसी छोटी सी बात पर नाराज होकर महाराज प्रसिचेत ने अपनी पत्नी को घर से निकाल दिया। उनके इस अहंकारपूर्ण कृत्य से दुखी होकर राज पुरोहित ने उनका साथ छोड़ दिया। धीरे-धीरे यह बात पूरे राज्य में फैल गई। यह बात प्रजा के कानों तक पहुंची। लोग तरह-तरह की बातें करने लगे। कहने लगे, 'जो राजा अपने सौम्य, सरल, स्वजन स्वभावी की रक्षा नहीं कर सकता, वह प्रजा की रक्षा क्या करेगा?' लोग राज की आज्ञाओं का उल्लंघन करने लगे। इस स्थिति का लाभ उठाकर पड़ोसी राजा ने आक्रमण कर दिया। प्रसिचेत सेना लेकर शत्रु का मुकाबला करने के लिए चल पड़े। मार्ग में महर्षि अंगिरा का आश्रम पड़ता था। वह महर्षि से मिलने के लिए रुके। पहले तो महर्षि ने शास्त्रोचित स्वागत की तैयारी की, पर तभी उन्हें पता चला कि महाराज ने रानी का परित्याग कर दिया है, तो उन्होंने स्वागत की सारी तैयारियां स्थगित कर दीं और उनकी आवभगत एक साधारण नागरिक की तरह की। राजा ने साधारण स्वागत का कारण पूछा, तो महर्षि ने कहा, 'राजन! पत्नी का परित्याग करना अधर्म है और यह अधर्म करने से पति की मर्यादा वैसे ही नष्ट हो जाती है जैसे आप की। एक राजा के नाते आपको गृहस्थ और पारिवारिक जीवन में भी उच्च आदर्श प्रस्तुत करने चाहिए। लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। इसलिए आप प्रजा की नजर में भी गिर गए। वैसे देर अब भी नहीं हुई है। आप इसे सुधार सकते हैं।' महर्षि की बात सुनकर राजा को अपने किए पर पछतावा हुआ। उसने रानी को वापस बुलाया और अपने व्यवहार के लिए उससे क्षमा मांगी।

सूडोकु नवताल- 7351

★★★✮✩ मध्यम

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7350 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 8566

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8565 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कलपाथरी में हुआ बाल विवाह के विरुद्ध जन-जागरुकता कार्यक्रम

बाल विवाह मुक्त भारत की ली शपथ

पद्मेश न्यूज। लांजी।

कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी व केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा के नेतृत्व में मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में बाल विवाह के विरुद्ध जन-जागरुकता 卐बाल विवाह मुक्त भारत卐 हेतु 100 दिवसीय अभियान (27 नवंबर 2025 से 8 मार्च 2026 तक) के तहत विभिन्न स्थानों पर महिला एवं बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी कड़ी में 2 दिसम्बर को ग्राम पंचायत कलपाथरी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 बाजार टोला में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बालिकाओं एवं महिलाओं को अधिकारों, आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण, शिक्षा, एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संबंधित प्रमुख अधिनियमों पर विस्तार से चर्चा की गई घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, 2005 अंतर्गत घरेलू हिंसा में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं भावनात्मक हिंसा शामिल है। पीड़िता हेतु रहने का अधिकार, सुरक्षा आदेश, भरण-पोषण एवं आपातकालीन सहायता का प्रावधान अधिनियम अंतर्गत दिया जाता है। शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोटेक्शन ऑफिसर, पुलिस, या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम में ग्रामीण बालिकाओं, महिलाओं एवं युवतियों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी गई।मिशन शक्ति अन्तर्गत संकल्प हब फोर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन में (महिलाओं के विकास एवं ज्ञान आधारित उन्नति के लिए सहयोग अंतिम पड़ाव तक पहुँच और क्षमता विकास के प्रयास, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साईबर हेल्पलाइन नंबर 1930, महिलाओं के केन्द्रीय कानून (घरेलु हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005), कार्यस्थल पर महिलाओ का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) 2013, दहेज़ प्रतिषेध अधिनियम (1961), मिशन वात्सल्य, बाल विवाह निषेध अधिनियम (2006), लैंगिक अपराधों से बच्चो का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम (2012), गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम (1994), मेडिकल टर्मिशन ऑफ़ प्रेगनेंसी (एमटीपी),, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, बाल विवाह से रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर एवं अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष हाफिजा मिर्जा, धीरज वाहने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, स्वास्थ्य विभाग से रीता गोस्वामी, मीना राऊत सीएचओ, होलिका एड़े एएनएम, श्रीमती सुनीता उके पर्यवेक्षक, शिक्षिका श्रीमती हेमेश्वरी सुलाखे, जयवंती धारणे, गीता डोंगरे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता छाया चन्द्रिकापुरे, प्रभा बिसेन, गीता सरवरे, पायल रणदिवे, नंदनी सोनवाने, सीमा सोनवाने, सुषमा मेश्राम, लक्ष्मीबाई दहीकर, उर्मिला राऊत, देवकन दहीकर, सुनीता मंसुरे, अंशु बिसेन, ममता भालाधरे, संगीता राऊत, चन्द्रकला बिसेन आशा कार्यकर्ता आदि

चित्रसेन बिसेन पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। किरनापुर तहसील अन्तर्गत बगड़मारा निवासी चित्रसेन पिता चुम्मक बिसेन का 84 वर्ष कि आयू में हृदय गति रूक जाने के चलते 1 एवं 2 दिसंबर की मध्य रात्रि 1 बजे निधन हो गया। बतादे कि आप ग्राम बगड़मारा के स्थाई पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मार्केटिंग सोसायटी बालाघाट के अध्यक्ष पद पर आसीन रहे है। आप अपने पीछे 1 पुत्र, तीन पुत्रियों सहित नाती पोतों से भरा पुरा परिवार छोड स्वर्ग सीधार गये। आपका अंतिम संस्कार 2 दिसंबर को बगड़मारा स्थित स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। आपके निधन पर जनप्रतिनिधि, नाते, रिश्तेदार, गणमान्य नागरिक सहित ईष्ट मित्रों ने पंच लकड़ी प्रदान कर परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये प्रार्थना कि गई।

केरेगांव निवासी टिकेंद्र टेंभरे का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम केरेगांव निवासी टिकेंद्र पिता लालचंद टेंभरे का 2 दिसंबर को 41 वर्ष की उम्र में प्रातः 11:30 बजे हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। आप अपने पीछे 2 पुत्र समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। जिनका अंतिम संस्कार आज 3 दिसंबर को सुबह 11 बजे स्थानीय मोक्षधाम केरेगांव में किया जाएगा। इस निधन पर समाज, रिश्तेदार और ग्राम के गणमान्य लोगों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दुःख सहन करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

रामदास बड़गैया का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 9 लोधी मोहल्ला निवासी रामदास बड़गैया पिता स्व. राजाराम बड़गैया उम्र 65 वर्ष का 2 दिसम्बर 2025 को सुबह 8:30 बजे निधन हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार आज 3 दिसम्बर 2025 को समय दोप. 11 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया जावेगा। इनके निधन पर रिश्तेदारों और समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

मिरिया में जल संचय के लिए किया भव्य बोरी बंधान

250 बोरियों से रपटा नाले पर बनाया चेक डेम

पद्मेश न्यूज। लांजी। जल ही जीवन है, इस संदेश को साकार करते हुए जनपद पंचायत लांजी की ग्राम पंचायत मिरिया में जल संचय के प्रति एक अनूठा जन-आंदोलन देखने को मिला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू के छात्रों ने ग्रामीणों और ग्राम पंचायत के सक्रिय सहयोग से वारी-खराडी रपटा नाले पर 250 बोरियों से बंधान (चेक डेम) का निर्माण किया। यह कार्य जिला प्रशासन के जल संचय अभियान के निर्देश पर किया गया। इस श्रमदान में शामिल प्रमुख व्यक्तियों में संतोष नगपुरे (विकासखण्ड समन्वयक, जन अभियान परिषद), विजय हटिले (परामर्शदाता), अनीराम चौहान (समाजिक कार्यकर्ता), सुश्री उमेश्वरी मच्छिरके, शुभम गेडाम, किरण चौहान, अनीमा लिल्हारे सहित अन्य बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू छात्र-छात्राएँ सरपंच प्रतिनिधि मोहपाल तुरकर शामिल रहे। सभी ने हँसते-गाते, एकजुट होकर भरपूर पसीना बहाया और मात्र कुछ घंटों में 250 बोरी बंधान पूरा कर दिखाया।

क्यों जरूरी था यह बोरी बंधान?

वारी-खराडी नाला बारिश के दिनों में तेज बहाव के साथ बहता है और पूरा पानी व्यर्थ बहकर चला जाता है। इस बोरी बंधान से नाले का पानी रुकेगा, भू-जल स्तर में वृद्धि होगी, आसपास के कुओं-बावड़ियों में पानी लौटेगा तथा अगले साल खरीफ फसल के लिए सिंचाई की सुविधा भी बढ़ेगी। सबसे बड़ी बात, ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता और स्वाभिमान जागा है। ग्रामीणों का कहना है, पहले हम सोचते थे कि जल संचय के लिए बड़े-बड़े बाँध या सरकारी पैसा चाहिए। आज छात्रों और परिषद की टीम ने दिखा दिया कि यदि मन में संकल्प हो तो कुछ बोरियाँ, रेत और श्रमदान से भी हम अपने गाँव का भविष्य बदल सकते हैं।

जन अभियान परिषद की भूमिका

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद लंबे समय से जल संचय, वृक्षारोपण और ग्राम स्वराज जैसे मुद्दों पर समुदाय आधारित अभियान चला रही है। क्षेत्र में इस वर्ष सैकड़ों बोरी बंधान, तालाब गहरीकरण और सोख्ता गड्ढों का निर्माण इसी परिषद के मार्गदर्शन में हो रहा है। मिरिया का यह आयोजन इसी कड़ी का एक चमकता उदाहरण है। ग्राम पंचायत मिरिया ने भी इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की है और आगामी दिनों में गाँव के अन्य नालों-नालियों पर इसी तरह के बोरी बंधान बनाने का संकल्प लिया है।

विकासखण्ड स्तरीय दिव्यांग खेल कुद प्रतियोगिता संपन्न

लाडली बहना के समानान्तर हो दिव्यांग पेंशन- दिनेश लाड़े

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर कार्यालय जनपद शिक्षा केन्द्र लांजी में दिव्यांग बच्चों का खेल कुद प्रतियोगिता का आयोजन 02 दिसम्बर 2025 को विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक शिवेन्द्र उके के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों ने सहभागिता की गई जिनके द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, मटकी फोड़,100 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, रंगोली, चित्रकला, फुलों से साज सज्जा आदि प्रतियोगिता में भाग लिया जाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता में सम्मिलित समस्त बच्चों को पुरष्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिनेश लाडे सभापति जनपद पंचायत लांजी ने संबोधित करते हुये कहा कि दिव्यांग जन ईश्वर की अनुपम कृति है उनके प्रति हमारा उदारता का भाव होना चाहिये। दिव्यांग जनों में विशेष योग्यता छूपी होती है जिन्हे हमे पहचानने या साधने की आवश्यकता है। आप ने शासन से दिव्यांग जनों के हित में मांग करते हुये कहा कि दिव्यांग जनों को मिलने वाली पेंशन लाड़ली बहना के समानान्तर हो। इस दौरान प्रमुख रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामगोपाल यादव जनपद पंचायत लांजी एवं जनपद शिक्षा केन्द्र लांजी से बीएसी युवराज टेम्भरे, अरूण भीमटे, लक्ष्मीकांत मडामें एमआरसी, खिलेश डोहरे, श्रीमती कलपना खोटेले, अनिष वैध एवं तोमेश्वर घासले तथा जनशिक्षक डाकचंद पारधी, राधेश्याम सोनवाने, दादूराम रणदिवे, मानिकराम ढेकवारे, मधुसूदन मस्करे, मदनलाल टाण्डेकर, राजेन्द्र धारणे, नोहेश भटेरे, विजय दशरिया, सुरेश सुलाखे, विनोद नेवारे एवं सहयोगी शिक्षक कोमलचंद गुरदे, कैलाश वैद्य, ईश्वरी सातपुते, संतोष कावडे, श्रीमती विद्या पटले, लोकराम पीपरे, अनिल बापुरे, शेषराम भिमटे, अतुल हनोते, भोजराज पटले, ओमप्रकाश बनोठे, शैलेन्द्र सिंह बैस, रोशनलाल खोब्रागडें, कृष्णदास वैष्णव, श्रीमती ममता धारणे, श्रीमती सुशीला दशरिया, श्रीमती गीता नेवारे, श्रीमती सरिता दुरूगकर आदि शिक्षक शिक्षिकाऐं, कार्यालयीन स्टाफ सहित अभिभावक गण उपस्थित रहे।

मनोहर लाल पाण्डे जी का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर अन्तर्गत वार्ड क्रमांक 8 के निवासी मनोहर पिता राधेलाल पाण्डे जी का निधन 79 वर्ष कि आयु में लंबी बिमारी के चलते निधन हो गया। आप अपने पीछे पत्नि, 1 पुत्र अमित गोलू पाण्डे, दो पुत्री सीमा, वर्षा सहित नाती पोतो से भरा पूरा परिवार छोड़ इ स्वर्ग सीधार गये। आपका अंतिम संस्कार आज 3 दिसंबर को सामाजिक रीति रिवाजो के साथ स्थानीय कोटेश्वर मोक्षधाम में दोपहर 12 बजे किया जायेगा। आपके निधन पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, नाते रिश्तेदार, सामजिक बंधुओ सहित ईष्ट मित्रो के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुये परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा के शांति के लिये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु प्रार्थना की है।

घास मद भूमि को आबादी मद में बदलकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने हेतु पार्षद प्रेमलता खोबरागड़े ने जनसुनवाई में सौंपा आवेदन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी के वार्ड क्रमांक 4 के पार्षद श्रीमती प्रेमलता संजय खोबरागड़े के द्वारा वार्ड वासियों के साथ 2 दिसंबर को कलेक्टर बालाघाट कार्यालय में होने वाली जनसुनवाई में पंहुचकर आवेदन प्रस्तुत करते हुये कहा है कि वार्ड क्रमांक 4 में स्थित घास मद की भूमि को आबादी मद में परिवर्तित किया जाये ता कि इस वार्ड के निवासियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सके। इस हेतु प्रेषित आवेदन में लेख है कि वार्ड क्रमांक 4 नगर परिषद लांजी में स्थित खसरा नंबर 121/22 रकबा 0.187 आ.रे. भूमि जो आज दिनांक तक घास मद भूमि में दर्ज है चूकी वहां निवासरत व्यक्तियों के मकान बने है जिन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्राप्त नही हो रहा है उक्त खसरे नंबर कि भूमि का प्रस्ताव नगर परिषद लांजी में दिनांक 28 सितंबर 2022 को परिषद की विशेष बैठक में आबादी मद में घोषित करने कलेक्टर जिला बालाघाट की ओर प्रस्ताव प्रेषित किये जाने हेतु नगर परिषद लांजी द्वारा स्वीकृत कर आवश्यक कार्यवाही हेतू सीएमओ नगर परिषद लांजी को अधिकृत किया गया था। किन्तु उक्त प्रस्ताव माननीय कलेक्टर महोदय को प्रेषित करने के बावजूद भी आज दिनांक तक उक्त खसरे की भूमि को आबादी मद् में परिवर्तित नही किया गया है। एवं जोड़ा तालाब के किनारे निवासरत व्यक्तियों की भूमि को भी आबादी मद् म्में परिवर्तित कर पात्र व्यक्तियों को धारणाधिकार के तहत पट्टा प्रदान करने हेतू आवेदन प्रस्तुत है। इस दौरान वार्ड से प्रमिला बाई शेण्डे, सोगीबाई कारसर्पे, बेबी राऊत, कृष्णी राऊत, दीपाली नेवारे, संजय खोबरागड़े के द्वारा उक्त आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किया गया है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

नगर पालिका एक्ट संशोधन विधेयक विधानसभा में पास

नगरपालिका-परिषद अध्यक्षों के चुनाव डायरेक्ट होंगे

भोपाल। विधानसभा में मंगलवार को मध्यप्रदेश नगरपालिका संशोधन अध्यादेश- 2025 सर्वसम्मति से पारित हो गया। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राजीव गांधी के सपनों को पूरा करने का कानून दिग्विजय सिंह सरकार ने लागू किया था, जिसमें संशोधन आया है। राजीव गांधी के सपनों का राहुल गैंग विरोध कर रही है। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि विरोध नहीं किया है, सुधार के लिए कहा है। विजयवर्गीय ने कहा कि पहले ढाई साल राइट टू रिकॉल के लिए तय था। अब इसे 3 साल कर दिया गया है। डेमोक्रेसी की मजबूती के लिए राइट टू रिकॉल का समय 5 साल की बजाय तीन साल का तय किया गया है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हॉर्स ट्रेडिंग तो सब जगह है, चाहे विधायक हों चाहे सांसद हों या कोई और। नगर पालिका बिल से राजनीतिक फायदे ज्यादा हैं। जनता को इससे कोई सीधा फायदा नहीं है। यह बिल टिकट बेचने का माध्यम बनेगा। 3 साल बाद अध्यक्ष को राइट टू रिकॉल के दायरे में लाना ठीक नहीं है। उसका कार्यकाल पूरा होना चाहिए। वहीं नगर पालिका परिषद के चुनाव जनता से कराने के विधेयक को सिरमौर से बीजेपी विधायक दिव्यराज सिंह ने सराहनीय कदम बताया है। कांग्रेस विधायक नितेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि प्रदेश में 10-12 नगरीय निकायों के अध्यक्षों के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश था। कई अध्यक्षों को पार्षद और जनता हटाने की तैयारी कर रही थी। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह व्यवस्था उनको बचाने के लिए की गई हो। हालांकि मैं इस बिल का समर्थन करता हूं, क्योंकि इससे हॉर्स ट्रेडिंग रुकेगी। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि जहां विधायक बिकते हों, पार्षद बिकते हों, वहां इस राइट टू रिकॉल का कोई मतलब नहीं है। इस बिल में राइट टू रिकॉल होने के कारण 3 साल बाद फिर खुलेआम खरीद फरोख्त होगी। नगरीय प्रशासन राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था है। इसी के चलते अब नगरपालिका-नगर परिषदों के चुनाव जनता के माध्यम से होंगे। इसका बिल आज सर्वसम्मति से पास हुआ है। आरोप लगाना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आरोप लगाना है।

निकायों में भी दल-बदल कानून लागू हो

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने संशोधन विधेयक पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने के साथ-साथ राइट टू रिकॉल के मामले में भी नगरीय विकास मंत्री अपनी बात स्पष्ट करें। ऐसे मामलों में हॉर्स ट्रेडिंग रोकने को लेकर कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

जयवर्धन ने मंडी चुनाव और सहकारिता चुनाव नहीं होने का मामला भी सदन में उठाया। इसी के साथ कहा कि जनपद के चुनाव भी इसी व्यवस्था से होने चाहिए। जयवर्धन ने नगर पंचायत और नगर पालिकाओं में अमला बढ़ाने पर भी जोर दिया ताकि अतिक्रमण रोकने की कार्रवाई तेजी से की जा सके।

विधानसभा में मंत्री कंसाना चक्कर खाकर बेहोश

पूरी तरह स्वस्थ हैं कृषि मंत्री एदल कंसाना, खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी जानकारी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही का दूसरा दिन है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना की तबीयत अचानक बिगड़ गई। आनन-फानन में डॉक्टरों को बुलाया गया। इसके बाद मंत्रीजी अस्पताल के लिए रवाना हुए।

एमपी विधानसभा शीतकालीन सत्र के प्रश्नकाल के दौरान कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना की तबीयत अचानक बिगड़ गई। डॉक्टरों ने जांच की और फिर मंत्री खुद पैदल चलकर सदन से बाहर निकले। इसके बाद वे अपनी गाड़ी में बैठकर अस्पताल के लिए रवाना हुए। मंत्री जी जब अपनी गाड़ी से हॉस्पिटल के लिए निकल चुके थे, तब जाकर विधानसभा की एंबुलेंस पहुंची। वहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने स्वास्थ्य की जानकारी दी है। मंत्री ने कहा कि वे पूरी तरह ठीक हूं, सभी जांच सामान्य है। कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा- सदन में चक्कर आ गया था। सभी जांच सामान्य है मैं ईश्वर की कृपा से पूर्णता स्वस्थ हूं। दरअसल, एमपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही के दूसरे दिन प्रश्नकाल का दौर चल रहा था। इसी दौरान कृषि मंत्री कंसाना को अचानक चक्कर आ गया था। मंत्री की तबीयत को देखते हुए आनन-फानन में डॉक्टरों को बुलाया गया। वहीं विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही को 10 मिनट के लिए स्थगित कर दिया था। कुछ देर बाद मंत्री खुद पैदल चलकर सदन से बाहर निकले और अपनी गाड़ी में बैठकर अस्पताल के लिए रवाना हुए। मंत्री जी जब अपनी गाड़ी से हॉस्पिटल के लिए निकल चुके थे, तब जाकर विधानसभा की एंबुलेंस पहुंची।

मेधावी छात्रों को अब मिलेंगे 4000 की जगह 5000रु

भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा निधि में बढ़ोतरी कर दी है। यह इसी शैक्षणिक सत्र यानी वर्ष 2025-26 से प्रभावी हो गई है। अब 11वीं - 12वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर 4 हजार के स्थान पर 5 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह से 60 से 84 प्रतिशत तक अंक लाने पर ढाई हजार की जगह तीन हजार रुपये मिलेंगे। अन्य तरह की शिक्षा निधि में भी वृद्धि की गई है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार इसमें आईपीएस अधिकारी सहित एक लाख 18 हजार रुपये से कम मूल वेतन वाले सभी अधिकारी-कर्मचारियों के बच्चे पात्र होंगे। प्रदेश में पुलिस के एक लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हैं। स्नातक पाठ्यक्रम के लिए भी शिक्षा निधि बढ़ाई गई है। विद्यार्थी 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाता है तो उसे 60 हजार रुपये दिए जाएंगे। पहले यह राशि 40 हजार रुपये थी।

सरकारी यूनिवर्सिटी तैयार करा रही फर्जी डॉक्टर्स!

विधानसभा शीत सत्र में कांग्रेस विधायक के सवाल पर सनसनी, उच्च शिक्षा मंत्री ने दिए जांच के आदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश की सरकारी यूनिवर्सिटी ही कोर्स के नाम पर स्टूडेंट्स को धोखा दे रही हैं। सरकारी यूनिवर्सिटी में ऐसे कोर्स संचालित किए जा रहे हैं, जिसे न तो मध्य प्रदेश सरकार ने मान्यता दी है और न ही केन्द्र सरकार ने। चौंकाने वाला यह तथ्य विधानसभा में उठाया गया। विधानसभा में कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई ने इसको लेकर सरकार से सवाल पूछा। यह फर्जी कोर्स प्रदेश में पिछले 03 साल से संचालित किया जा रहा है। इस पर सरकार ने कहा कि परीक्षण के बाद इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस विधायक के सवाल के जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि राजधानी भोपाल के अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स संचालित नहीं किया जाता, लेकिन विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों में यह पाठ्यक्रम सत्र 2022-23 से संचालित किया जा रहा है। किसी भी कोर्स को

संचालित करने के पहले संबंधित काउंसिल और विभाग से अनुमति ली जाती है, लेकिन इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स संचालित करने के लिए मध्यप्रदेश होम्योपैथिक काउंसिल और आयुष विभाग द्वारा मान्यता नहीं दी गई।

जांच कराने के बाद कार्रवाई

कांग्रेस विधायक द्वारा मंत्री से सवाल किया गया कि क्यों इलेक्ट्रो होम्योपैथी कोर्स को होम्योपैथिक काउंसिल से मान्यता दी गई? साथ ही क्या इलेक्ट्रो होम्योपैथी को उपचार करने की विधि के अनुरूप भारत सरकार द्वारा मान्यता दी गई है। लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा, जी नहीं। हालांकि मंत्री ने कहा कि इस मामले में परीक्षण कराने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बगैर मान्यता वाला कोर्स 3 साल से चल रहा

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों से यह कोर्स साल 2022-23 से चल रहा है और इसके लिए प्रति छात्र 30 हजार रुपए फीस भी तय की गई है। यानी मोटी रकम भरकर बच्चे ऐसा कोर्स कर रहे हैं, जिसकी सरकार ही मान्यता नहीं देती। अभी तक यह कोर्स 294 छात्र कर चुके हैं। इसमें अधिकांश मध्यप्रदेश के छोटे जिलों के छात्र ही हैं। इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति है। इसका कोर्स करने के बाद छात्र प्रदेश में कहां-कहां प्रैक्टिस कर रहे हैं, सरकार के पास इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है। कांग्रेस विधायक ने पूछा कि यह कोर्स करने के बाद कितने डॉक्टर के रूप में प्रैक्टिस कर रहे हैं और इनकी प्रैक्टिस से कितने मरीजों की मौत हुई है।

फर्जी दस्तावेजों से 226 करोड़ का टेंडर पाने वाली कंपनी के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल। ईओडब्ल्यू ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर हासिल करने वाली कंपनी के खिलाफ जॉच के बाद कड़ी कार्यवाही की है। जॉच में सामने आया की कैलाश देवबिल्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कूटरचित परफॉमेंस सर्टिफिकेट के आधार पर 226 करोड़ के टेंडर प्राप्त किये। इसके आधार पर कैलाश देवबिल्ड इंडिया प्रा.लि. के प्रबंध संचालक कैलाश कुमार शुक्ला सहित कंपनी के दो डायरेक्टर सीमा शुक्ला, और भानू शुक्ला तीनो निवासी 818 हाथीताल कालोनी, जबलपुर के खिलाफ धारा-34,420, 465 468, 471, 120बी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

नोएडा का साल 2017 का लगाया था फर्जी परफॉमेंस सर्टिफिकेट

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ जबलपुर को शिकायत मिली थी, की कैलाश देवबिल्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संचालको द्वारा फर्जी परफॉमेंस सर्टिफिकेट लगाकर म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी से ठेके प्राप्त गए हैं। शिकायत की जांच में सामने आया की कैलाश देवबिल्ड इंडिया प्रा.लि. के संचालक कैलाश कुमार शुक्ला, सीमा शुक्ला और भानू शुक्ला द्वारा म.प्र. पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड] शक्ति भवन, रामपुर जबलपुर के टेण्डर नंबर, टी.आर.-36/16, टी.आर.-13/20 तथा टी.आर.-35/20 को हासिल करने के लिये इनॉक्सुविंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस लिमिटेड नोयडा का दिनांक 2 मार्च 2017 का कूटरचित परफॉमेंस सर्टिफिकेट लगाकर टेंडर प्राप्त कर लिया गया। म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कपंनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा प्राप्तत जानकारी के अनुसार इस कंपनी द्वारा हाईटेंशन लाइनों और सब स्टेशनो को बनाने का काम किया जाता है। फर्जी परफॉमेंस सर्टिफिकेट का उपयोग करके इस कंपनी ने 220 के.व्ही. के सब स्टेरशनों के टेंडर प्राप्तई किये है। इस कंपनी द्वारा म.प्र.

शासन की म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी, शक्ति भवन, जबलपुर के साथ कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग करके धोखाधड़ी की है।

नोएडा से जॉच कराई तब पता चला की कंपनी को यह सर्टिफिकेट जारी ही नहीं किया गया

जांच के दौरान इनॉक्ससविंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस लिमिटेड, नोयडा के परफॉमेंस सर्टिफिकेट की नोयडा स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय से जांच कराई गई। इसमे पता चला की जिस परफॉमेंस सर्टिफिकेट के आधार पर कैलाश देवबिल्ड को विंड पूलिंग सब स्टेशन बनाने का ठेका दिया गया है, वह परफॉमेंस सर्टिफिकेट इनॉक्सविंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस लिमिटेड, नोयडा द्वारा जारी नही किया गया है।

मामला दर्ज आगे की कार्यवाही जारी

जॉच के बाद आरोपियों के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज (परफॉमेंस सर्टिफिकेट) का उपयोग कर म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर से ठेके हासिल करने की शिकायत सही पाये जाने पर ईओडब्ल्यू ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेटक्र कैलाश कुमार शुक्ला और कंपनी के दो डायरेक्टर सीमा शुक्ला, भानू शुक्ला] डायरेक्टर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की जॉच में लिया है।

कांग्रेस विधायक खराब फसलों की तख्तियां लेकर पहुंचे

सदन में किसानों के मुद्दे पर जोरदार हंगामा

भोपाल। मप्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायक खेतों में फसलों की स्थिति को दर्शाती तख्तियां लेकर विधानसभा पहुंचे। कांग्रेस विधायकों के हाथों में अलग-अलग तख्तियां थीं। जिनमें लिखा था- 'किसानों की चिडि़या बन खेत चुग रही सरकार', अन्य पोस्टर में लिखा था 'किसान के नाम पर सत्ता टिकाई, अब उसी किसान को भावांतर में डुबाई' और 'मिट्टी में मिला सरकारी सपना, कर्ज में डूबना किसान अपना।'

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश का किसान कभी खाद के लिए, कभी खरीदी के उचित मूल्य के लिए, और कभी मुआवजे के लिए दर-दर भटक रहा है। मुरैना से कांग्रेस विधायक दिनेश गुर्जर ने कहा कि भाजपा की किसान किसानों के खेतों पर डाका डाल रही है। कर्जा माफ नहीं किया, बिजली नहीं दी, 1 रुपए का कर्जा माफ नहीं किया, फसलों के दाम नहीं मिले। फसल बीमा के नाम पर दो सौ चार सो रुपए दिए जाते हैं, ये मध्य प्रदेश का दुर्भाग्य है। हमारी मांग है कि किसानों को फसलों का मुआवजा दिया जाए। वहीं, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि दो हजार 68 करोड़ रुपए राहत राशि के रूप में किसानों को सरकार ने दिया है। प्रदर्शन करना कांग्रेस का काम है। महिदपुर से कांग्रेस विधायक दिनेश जैन ने कहा कि सरकार किसानों के नाम से उद्योगपतियों के हित की योजनाएं बना रही है। राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने किसानों के अतिवृष्टि से हुए नुकसान को लेकर कहा कि दो हजार 68 करोड़ रुपए राहत राशि के रूप में किसानों को सरकार ने दिया है। प्रदर्शन करना कांग्रेस का काम है।

अन्नदाता सडक़ पर संघर्ष कर रहा

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश का किसान कभी खाद के लिए, कभी खरीदी के उचित मूल्य के लिए, और कभी मुआवजे के लिए दर-दर भटक रहा है। अन्नदाता आज मजबूर होकर सडक़ पर संघर्ष कर रहा है, जबकि सत्ता धारी केवल भावांतर का झुनझुना बजाते रहे। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि किसानों के हितों की रक्षा न कर पाना भाजपा सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। किसानों के खेत भाजपा सरकार रूपी चिडि़या पहले ही साफ कर चुकी है।

अतिवृष्टि से नुकसान, फिर भी मुआवजा नहीं

कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि अतिवृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ, लेकिन सरकार मुआवज़ा देने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को मंडियों में उचित दाम नहीं मिल रहे और खाद की किल्लत बदस्तूर जारी है। किसान मजबूर है, लेकिन सरकार उसकी पुकार सुनने को तैयार नहीं, बरैया ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों की आवाज सुना ही नहीं चाहती है। पूरे प्रदेश के किसान परेशान है। कांग्रेस विधायक डॉ. हीरालाल अलावा ने कहा कि प्रदेश भर में किसानों को समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा है और खाद का संकट लगातार गहरा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की बुवाई और खरीफ-रबी दोनों फसलें प्रभावित हो रही हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर मुद्दे पर उदासीन बनी हुई है।

आदिवासियों की फसलें नष्ट करने का मुद्दा उठा

विधायक चंदा सुरेंद्र सिंह गौर ने खरगापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भटगौरा के 25 आदिवासियों द्वारा एसपी को आवेदन देकर आदिवासियों की फसलें नष्ट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला उठाया। मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि इस मामले में दोनों पक्षों के ओर से एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। विधायक ने कहा कि इसके पहले 2009 में भी आरोपियों ने आदिवासियों के घरों में आग लगाई थी और अब फिर वही स्थिति बन रही है।

सत्र की अवधि छोटी होने से कांग्रेस विधायक नाराज

इस बार का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से 5 दिसंबर तक बुलाया गया है। इसमें से 3 दिसंबर की छुट्टी होने के चलते सिर्फ चार ही बैठकें हो रही हैं। इसके चलते कांग्रेस के विधायक नाराज हैं।

अब 9 करोड़ 45 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च करने की अनुमति प्रदान की

नगरीय विकास योजना 2026-27 तक जारी, 500 करोड़ का अतिरिक्त बजट मंजूर; सीएम यादव का निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को विधानसभा के समिति कक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। बैठक में नगरीय क्षेत्र के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं पर निर्णय लिए गए। सरकार ने मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना को वर्ष 2026-27 तक जारी रखने का फैसला किया है। इसके लिए अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

योजना के अंतर्गत अब तक 1,070 करोड़ रुपये की 1,062 परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं। इनमें 325 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, 407 कार्य प्रगतिरत हैं और 330 परियोजनाएं डीपीआर स्वीकृति या निविदा प्रक्रिया में हैं। इस योजना के तहत पेयजल, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, सडक़ और नाली निर्माण, श्मशान घाट, सामुदायिक भवन, रैन बसेरा और खेल मैदान जैसे विकास कार्य किए जाते हैं। बैठक में मध्यप्रदेश ग्रामीण संपर्कता बाह्य वित पोषित योजना के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए भी मंजूरी दी गई। पहले से स्वीकृत 12 करोड़ 32 लाख रुपये के अलावा अब 9 करोड़ 45 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च करने की अनुमति प्रदान की गई है।

उम्मीदवारों को नई शर्तों के साथ नियुक्ति देने का निर्णय

इसके अलावा राज्य सेवा परीक्षा 2022 में परिवहन उप निरीक्षक पद के लिए चयनित 29 में से 25 उम्मीदवारों को नई शर्तों के साथ नियुक्ति देने का निर्णय लिया गया है। इन उम्मीदवारों को दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि में एक वर्षीय कंप्यूटर डिप्लोमा और ड्राइविंग लाइसेंस के दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। यदि कोई उम्मीदवार परिवीक्षा अवधि में यह दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहता है, तो उसकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जाएंगी।

सीएम ने टीम को दी बधाई

बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने संबोधन में रायपुर (छत्तीसगढ़) में हुई पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के मल्हारगढ़ थाने को देश के श्रेष्ठतम पुलिस थानों की रैंकिंग में नवी रैंक मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने कहा कि अपराध के ग्राफ आपराधिक प्रकरणों को सुलझाने की अवधि स्वच्छता अधिकारियों कर्मचारियों का व्यवहार जैसे 70 मापदंडों के परीक्षण के आधार पर प्राप्त यह रैंक प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री यादव ने 44 वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राज्यों की श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्य प्रदेश के मंडप को रजत पदक प्राप्त होने की भी बधाई दी। एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर आयोजित मेले में मध्य प्रदेश के मंडप को ग्वालियर किले की थीम पर विकसित किया

किसान के साथ जब तक न्याय नहीं होगा प्रदेश आगे नहीं बढ़ेगा - कमलनाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा परिसर में मंगलवार के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार और बेरोज़गारी में नंबर वन प्रदेश है। किसानों को खाद बिजली ओर पानी नही मिलने के साथ ही फसल के सही दाम न मिलने की समस्या मुआवज़े के लिए भटकने को लेकर नाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था 70 फीसदी कृषि पर आधारित है। इसलिए किसान के साथ जब तक न्याय नहीं होगा प्रदेश आगे नहीं बढ़ेगा।

बालाघाट में गलत तरीके से प्लॉट आवंटन का आरोप, मंत्री ने कहा- नियमों के तहत हो रहा काम

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आज दूसरे दिन बालाघाट जिले में विकसित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्र के लिए आवंटित भूखंडों का मामला उठा। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि एक एक व्यक्ति को 4-4 प्लाट आवंटित किए जा रहे है इससे पात्र लोग वंचित हो रहे हैं। इसके जवाब में सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन कुमार काश्यप ने कहा कि बालाघाट ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में हो रहे काम पूरी तरह नियम प्रक्रिया के तहत हो रहे हैं। 5 हजार भूखंड आवंटित करने का लक्ष्य रखा गया है। 16 नए औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं।

इससे पहले विधायक अनुभा मुंजारे ने बालाघाट में उद्योग विभाग की ओर से आवंटित प्लॉट को लेकर दिए गए जवाब पर असंतोष जताया। आरोप लगाया कि एक-एक प्लॉट चार लोगों को आवंटित किया गया है। इस पर सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन कुमार काश्यप ने बताया कि 19 प्लॉट के लिए सिंगल आवेदन आए थे। बालाघाट में 6 प्लॉट एससी-एसटी को आवंटित किए गए हैं। मंत्री ने बताया जहां जरूरत है वहां औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहे हैं।

अनुभा मुंजारे, विधायक

विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा- अधिकारियों ने जो जवाब बना कर दिया है, स्थिति उससे काफी अलग है। नियम विरुद्ध तरीके से 72 प्लॉट का आवंटन कर दिया गया। यह प्रक्रिया निरस्त करें और जो अधिकारी जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। मंत्री ने इसके जवाब में गलती की संभावना को खारिज किया।

धरने पर बैठे विधायक को अध्यक्ष ने समझाया

प्रश्नकाल शुरु होता इससे पहले ही कांग्रेस विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने मजदूरों के पलायन का मुद्दा उठाते हुए आसंदी के समक्ष धरने का ऐलान कर दिया और जाकर बैठ गए। तभी अनुभा मुंजारे के पहले प्रश्न के दौरान ही अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जो सदस्य गलियारे में बैठे हे उन्हे ये समझना चाहिए कि सदन न तो दबाव से चलता है और न प्रभाव से। नियम प्रक्रिया से सदन की कार्यवाही चलती है। इस पर विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा अध्यक्ष महोदय सदस्यों की बात तो सुनी जानी चाहिए आप कक्ष में बुला लें। इस पर अध्यक्ष तोमर ने व्यवस्था देते हुए कहा कि मेरे दरबाजे हमेशा खुले हैं कोई भी सदस्य आकर अपनी बात कह सकता है। वो आएं और चर्चा करें। इस पर मरकाम सहित दो अन्य सदस्यों ने धरना समाप्त कर दिया।

आईपीएल नीलामी में 2 करोड़ आधारमूल्य वाले 45 खिलाड़ियों में केवल दो भारतीय शामिल

विदेशी खिलाड़ियों में ग्रीन, स्मिथ पर रहेंगी नजरें

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए इसी माह 15 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी के लिए दो करोड़ रुपये आधारमूल्य वाले 45 खिलाड़ियों की सूची जारी की गयी है। इसमें केवल दो भारतीय खिलाड़ियों रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर को शामिल किया गया है। इसमें पिछली बार अनसोल्ड रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भी शामिल किया गया है। वहीं पिछली बार फिट नहीं होने के कारण बाहर रहे उनके ही हमवतन ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को भी शामिल किया गया है। ऐसे में 15 दिसंबर को होने वाले इस मिनी निलामी में इन दोनो पर सबकी नजरें रहेंगी।

इस बार कुल 45 खिलाड़ियों ने 2 करोड़ रुपये का आधारमूल्य रखा है। इसमें भारत,ऑस्ट्रेलिया के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस बार कुल 1,355 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। वहीं लीग की 10 टीमों के पास 237.55 करोड़ की संयुक्त रकम और 77 स्लॉट उपलब्ध हैं, जिनमें 31 विदेशी स्लॉट शामिल हैं।

दो करोड़ रुपया आधारमूल्य वाले खिलाड़ी

भारत- रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर

ऑस्ट्रेलिया- सीन एबॉट, एश्टन एगर, कूपर कॉनॉली, जेक फ्रेज़र-मैगर्क, कैमरन ग्रीन, जॉश इंग्लिस, स्टीव स्मिथ

इंग्लैंड- गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, टॉम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, लियाम लिविंगस्टोन, टायमल मिल्स, जैमी स्मिथ

न्यूज़ीलैंड- फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, कायल जैमीसन, ऐडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूक, रचिन रविंद्र

दक्षिण अफ्रीका- जेराल्ड कोएत्ज़े, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्खिया, राइली रूसो, तबरेज़ शम्सी, डेविड वीज़े

श्रीलंका- वानिंदु हसरंगा, मथीशा पाथिराना, महीश थीक्षाना

वेस्टइंडीज- जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ

बांग्लादेश- मुस्तफिज़ुर रहमान

वहीं नीलामी में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी उतरेंगे। शाकिब ने 1 करोड़ रुपये आधार मूल्य रखा है।

सबसे अधिक और सबसे कम अधार मूल्य वाली टीम

इस बार नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पास सबसे अधिक 64.30 करोड़ रुपये हैं क्योंकि उसने सबसे कम खिलाड़ियों को रिटेन किया है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पास 43.40 करोड़ रुपये हैं।

मुंबई इंडियंस के पास केवल 1 विदेशी स्लॉट और केवल 2.75 करोड़ रुपये हैं क्योंकि उसने अधिकतर खिलाड़ियों को रिटेन किया है।

16 साल की उम्र मे डब्ल्यूपीएल डेब्यू करने जा रही दीया यादव

घरेलू क्रिकेट में है शानदार रिकार्ड

नई दिल्ली। 16 साल की क्रिकेटर दीया यादव इस बार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेगी। हाल में हुई नीलामी में दीया को दिल्ली कैपिटल्स ने 10 लाख रुपये में खरीदा था। इसी के साथ ही दीया डब्ल्यूपीएल में अनुबंध हासिल करने वालों सबसे युवा खिलाड़ी भी बनी हैं। दीय अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में दिल्ली के साथ जुड़ी हैं। हरियाणा और नॉर्थ जोन की आक्रामक सलामी बल्लेबाज दीया को घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण इस लीग में खेलने का अवसर मिला है।

दीया ने पहली बार साल 2023 में अंडर 15 विमेंस वन डे ट्रॉफी के दौरान अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। तब उन्होंने 578 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 96.33 का रहा है। दीया के नाम तीन शतक और एक दोहरा शतक भी है। इस युवा क्रिकेटर ने पिछले साल जनवरी में हरियाणा की अंडर 23 और सीनियर टीमों से खेला था। मिल इसक बाद से ही वह लगातार आगे निकलती गयी हैं। वह सला 2025-26 के घरेलू सत्र में हरियाणा के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी के लिए उतरी।

दीया ने सबसे पहले सीनियर विमेंस टी20 ट्रॉफी में अपनी स्टेट टीम हरियाणा की ओर से खेलते हुए आठ पारियों में 59.60 की औसत से कुल 298 रन बनाए। दीया का स्ट्राइक रेट 127.89 रनों का रहा है। उनको आक्रामक बल्लेबाजी से उत्तरी क्षेत्र को थे बेहतर शुरुआत का अवसर मिला। उत्तरी क्षेत्र को फाइनल में पहुंचाने में दीया की मुख्य भूमिका रही

दीया के 16 साल में यहां तक पहुंचने के कारण उनकी 14 साल के वैभव सूर्यवंशी से हो वैभव ने पिछले सत्र में आईपीएल में 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वहीं दीया 16 की उम्र में डेब्यू कर वैभव की तरह प्रभावित कर सकती हैं। दीया ने अब तक घरेलू क्रिकेट में लिस्ट ए के 11 मैचों में 143 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का रहा जबकि 19 टी20 पारियों में दीया ने 590 रन बनाए हैं जिसमें 67 रन उनका हाईएस्ट स्कोर रहा है।

राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से खिलाड़ियों को लाभ होगा - लवलीना बोरगोहेन

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा है कि भारत के 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी से उभरते हुए खिलाड़ियों को लाभ होगा। बोरगोहेन ने मेजबानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे युवा प्रतिभाओं को खेलों में आगे बढ़ने और वैश्विक मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ता है। भारतीय मुक्केबाज़ ने कहा कि यह देश के लिए एक अच्छा है क्योंकि जब देश में कोई बड़ी प्रतियोगिता होती है, तो खिलाड़ियों को और भी अवसरा मिलते हैं। यह गुजरात में आयोजित होगा, इसलिए वहां के खिलाड़ियों को विशेष लाभ होगा।

इससे पहले भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 100वें

राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के अधिकार मिलने पर प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सामूहिक प्रतिबद्धता ने वैश्विक खेल मंच पर भारत का स्थान मज़बूती से स्थापित किया है।

बरहाल खिलाड़ी इन खेलों की तैयारियों को शुरु करने लगे हैं। निशानेबाज सरबजोत सिंह ने कहा कि 2030 में होने वाले इन खेलों को लेकर वह उत्साहित है। उन्होंने कहा कि यह ये खेल अहमदाबाद में आयोजित होगी, जिसमें खिलाड़ियों को अच्छी सुविधा मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि इन खेलों में देश को कई पदक मिलना तय है। उन्होंने बताया कि वह हर दिन चार से पांच घंटे अभ्यास कर रहे हैं। वहीं हाल में कजाकिस्तान में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक विजेता आदित्य मालरा ने कहा है कि देश में राष्ट्रमण्डल खेलों को लेकर काफी उत्साह है, क्योंकि पहले भारत के खिलाड़ी बाहर इन खेलों को खेलने जाया करते थे, लेकिन अब बाहर विदेशों के खिलाड़ियों को भी भारत में यह खेल खेलने का अवसर मिल रहा है।

शास्त्री बोले, गंभीर की जगह मैं होता तो हार की पूरी जिम्मेदारी लेता

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टेस्ट क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। शास्त्री के अनुसार टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने से कोच कोच गौतम गंभीर बच नहीं सकते। कोच के अलावा टीम के खराब प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी भी जिम्मेदार हैं क्योंकि जिस प्रकार से लगातार विकेट गिरे उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जहां तक विकेट को स्पिनरों से अधिक सहायता मिलने की बात है। उसका भी बहाना नहीं चलेगा क्योंकि हम शुरुआत से ही ऐसे ट्रैक पर खेलते रहे हैं। 2012 से 2024 तक घरेलू धरती पर एक भी सीरीज नहीं हारने वाली भारतीय टीम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद 2 घरेलू सीरीज हारी है। उसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से हराया। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से पराजित किया है। शास्त्री ने कहा कि अगर ये उनके साथ होता तो वह सारी जिम्मेदारी स्वयं ले लेते। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जिस प्रकार 100 रन पर एक विकेट से 130 रन पर 7 विकेट गिरे हैं। ये टीम खराब भी नहीं है। उनके पास बहुत प्रतिभा है। खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आप क्रिकेट खेलने की जब शुरुआत करते हैं, तब से स्पिन खेले हैं।'

जब ने उनसे ये पूछा कि क्या वह मुख्य कोच गंभीर का बचाव कर रहे हैं, तब शास्त्री ने कहा, मैं (उनका) बचाव नहीं कर रहा। सौ फीसदी वह भी जिम्मेदार हैं। शास्त्री जब कोच थे तब विराट कोहली टीम के कप्तान थे। उस समय भारतीय टीम घर में हराने और सीरीज जीतने की ताकत रखती थी। शास्त्री-कोहली के समय में भारतीय टीम अपनी धरती पर केवल दो टेस्ट हारी थी। शास्त्री भारत के सबसे सफल कोच में से एक हैं। उनके कार्यकाल में 2017 से 2021 तक भारत का टेस्ट में जीत का रिकार्ड 65 का रहा था।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स बोले, टीम की आलोचना स्वीकार पर अहंकारी कहना ठीक नहीं

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही टेस्ट में करारी हार के बाद से ही इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स निशाने पर हैं। स्टोक्स और उनकी टीम को आलोचकों ने अहंकारी करार दिया है। आलोचकों का कहना है कि टीम की तैयारियां सही नहीं हैं और वह लगातार आक्रामक रणनीति बनाये हुए है जबकि उसे कई पूर्व क्रिकेटर ने हालात के अनुसार खेलने की सलाह दी थी। वहीं स्टोक्स का कहना है कि आलोचना को वह स्वीकार करते हैं पर इस प्रकार से टीम की तैयारी और रवैये पर सवाल उठाना सही नहीं है। स्टोक्स ने अभ्यास मैचों और खिलाड़ियों की गतिविधियों को लेकर उठाई गई चिंताओं पर भी सफाई दी और

भले ही व्यक्तिगत टेस्ट मैचों में प्रदर्शन उम्मीदों के अनुसार न हो रहा हो। स्टोक्स के अनुसार शुरुआती टेस्ट में इंग्लैंड के प्रदर्शन को बेकार कहने वाली आलोचनाओं को स्वीकार करने के लिए वह तैयार हैं पर उनका मानना है कि अपनी टीम को घमंडी कहना कहा कि वह टीम की दृढ़ता और लचीलेपन पर विश्वास रखते हैं, कुछ ज़्यादा ही हो जाएगा। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया से दो दिन की हार के बाद इंग्लैंड को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। दूसरे दिन मजबूत स्थिति में होने और 105 रनों की बढ़त के साथ नौ विकेट शेष रहने के बाद भी टीम ने खराब शॉट खेलने के कारण 99 रनों पर नौ विकेट खो दिये थे। वहीं पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने मैच के दौरान और उसके बाद इंग्लैंड के रवैये की आलोचना की है। इंग्लैंड की तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं, जैसे कि लायंस के खिलाफ कम तीव्रता वाला तीन दिवसीय अभ्यास मैच और ब्रिस्बेन में होने वाले डे-नाइट टेस्ट से पहले दो दिवसीय गुलाबी गेंद का मैच। इसके अलावा, खिलाड़ियों की गोल्फ खेलते हुए तस्वीरें भी सामने आयीं थीं।

रुतुराज के कम रनों के आधार पर ही उनका आंकलन न करें - आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ के कम रनों के आधार पर ही उनका आंकलन न करें। है। चोपड़ा ने कहा कि जिस स्थान रुतुराज ने ये रन बनाये है उसपर अचानक ही खेलना आसान नहीं होता। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच में रुतुराज चौथे स्थान पर खेलने उतरे थे और 14 गेंदों में ही 8 रन बना पाये थे। इससे ऐसा लगा कि घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले रुतुराज में कौशल की कमी है। वहं आकाश चोपड़ा को ऐसा नहीं लगता है। उन्होंने टीम प्रबंधन की आलोचना की और कहा कि रुतुराज सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलते हैं। उन्हें यहां जज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने टीम प्रबुंधन को सलाह दी कि उन्हें आगे भी सही अवसर पर खेलने को उतारें। वह अधिकतर पारी की शुरुआत करते हैं और यही जिम्मेदारी उन्हें दी जानी चाहिये।

आकाश चोपड़ा ने कहा, मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है। रुतुराज ने एकदिवसीय में कभी नंबर 4 पर बल्लेबाजी नहीं की है। आपने उसे उस स्थान पर भेजा जिससे वह तालमेल नहीं बैठा पाया। ऐसे में जब वह आउट हुए, तो मैंने प्रबंधन से अपील की कि उसे अभी अवसर देते रहें। इसका कारण है कि वह पारी की शुरुआत करने वाला बल्लेबाज है। ऐसे में जब तक आप उसे सलामी बल्लेबाज नहीं बनाते उसे एकदिवसीय में खराब बल्लेबाज नहीं कह सकते हैं।

पिच को लेकर आईसीसी दोहरे मापदंड अपनाती है - गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) दोहरे मापदंड अपनाती रही है। गावस्कर ने कहा कि बल्लेबाजी कौशल असल में वह नहीं होता तो पिछले काफी समय से आईसीसी हमें बताती रही है। गावस्कर ने ये सब बातें पिच रेटिंग को लेकर कहीं। गावस्कर ने कहा कि टर्निंग पिचों पर अच्छी स्पिन खेलने के लिए तेज गेंदबाजी को संभालने के मुकाबले ज्यादा प्रतिभा की जरूरत होती है, जो बाउंस और स्पीड के पक्ष में लंबे समय से चले आ रहे झुकाव को चुनौती देता है। उन्होंने कहा कि पर्थ टेस्ट की पिच के खराब होने और तीन दिन में कैच समाप्त होने के लेकर कहा कि जब भारत में ऐसा होता है तो पिच को

खराब बता दिया जाता है। ये कहा जाता है कि यह बल्लेबाजी के लायक नहीं थी। गावस्कर ने कहा है कि वह अपने यहां की पिचों का बचाव नहीं कर रहे पर हमारा मानना है ऐसी पिचों पर खेलने के लिए विशेष कौशल की जरुरत होती है।

गावस्कर का कहना है कि बल्लेबाज की तकनीक फुटवर्क और गेम-रीडिंग की असली परीक्षा अभी भी उन पिचों पर होती है जहां गेंद जमीन को पकड़ती है, नीचे जाती है और टर्न लेती है। गावस्कर का मानना है कि टर्निंग ट्रैक पर ज्यादा कौशल की जरूरत होती है।

उन्होंने आगे कहा, हां, मुझे अच्छी तरह पता है कि आजकल कुछ बल्लेबाज पिच पर आगे बढ़कर खेलते हैं, यह कोई रिफ्लेक्स टेक्निकल मूव नहीं, बल्कि एक बेताबी से किया गया, पहले से सोचा हुआ तरीका है इसके बाद गावस्कर ने कहा कि मेरे लिए, टर्निंग पिच पर खेलने के लिए तेजी से अधिक प्रतिभा और फुटवर्क की जरूरत होती है। इसीलिए, अगर आप ऐसी सतह पर रन नहीं बनाते हैं, तो आप एक महान बल्लेबाज नहीं हो सकते हैं।

भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे उमरान मलिक

मुम्बई । दो साल से अधिक समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज उमरान मलिक आजकल अपनी वापसी के प्रयासों में लगे हैं। उमरान ने अंतिम बार भारतीय टीम के लिए जुलाई 2023 में खेला था। इस तेज गेंदबाज ने भारतीय टीम की ओर से 10 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय और आठ टी20 खेलते हुए कुल 24 विकेट लिए हैं। उमरान अपनी रफ्तार के कारण सबकी नजरों में आये थे पर अपनी लय बरकरार नहीं रख पाने से वह टीम से बाहर हो गये।

अब वह 150 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकने की अपनी क्षमता और धीमी गेंद तथा तेज यॉर्कर से एक बार फिर गेंदबाजी की धार तेज करना चाहते हैं। उमरान ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच के बाद कहा, '' जो भी गेंदबाज 150 किमी की गति से गेंदबाजी करते हैं वे स्ट्राइक

गेंदबाज नहीं होते, वे अटैकिंग गेंदबाज होते हैं। उनपर चार ओवर में 30 रन बनेंगे पर विकेट भी मिलेगा। साथ ही कहा कि एक तेज गेंदबाज ऐसा ही होता है। उसे पता होना चाहिए कि उसे क्या करना है।''

उन्होंने कहा, ''जो गेंदबाज 150 किग्रा प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी करता है उसे पता होता है कि वह राजा है और उसे खुद पर भरोसा करना होता है। साथ ही कहा कि हर कोई 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी नहीं कर सकता। 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने के लिए असली हिम्मत चाहिए और मैं पिछले पांच वर्षों से यह कर रहा हूं।''उमरान ने इस बात पर जोर दिया कि इस रफ्तार के साथ गेंदबाजी करना कोई ऐसी चीजी नहीं है जिसे कोई कड़ी मेहनत से ही हासिल कर सके। उन्होंने कहा, '' 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करना एक कला है, आप सीधे 137 से 145 पर नहीं जा सकते।।''

उमरान ने कहा, ''गति मेरा प्राकृति पहलू है, मैं उससे कैसे समझौता कर सकता हूं? इसमें ट्रेनिंग, रनिंग, कार्डियो। आपको इसे बरकरार रखना होता है। कोई विशेष खानपान नहीं है। गति मेरी ताकत है। मुझे अपनी ताकत वापस पानी है। उमरान ने आईपीएल 2024 में 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी लेकिन तब से कई चोटों और बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी काबिलियत या अपने भविष्य पर कभी संदेह नहीं हुआ।

एनएसडब्ल्यू ने स्लेटर से हॉल ऑफ फेम वापस लिया

सिडनी। घरेलू हिंसा के साथ ही कई मामलों में फंसे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज माइकल स्लेटर से एनएसडब्ल्यू ने हॉल ऑफ फेम और लाइफ मेंबरशिप वापसी ले ली है। इस पूर्व क्रिकेटर को कई मामलों के कारण इस साल की शुरुआत में ही चार साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद एनएसडब्ल्यू ने अपनी एक बैठक में स्लेटर की सदस्यता रद्द कर दी। स्लेटर शराब पीने के आदी थे जिससे वह गलत लोगों के संपर्क में आ गये। मेंबर्स और डेलीगेट्स ने स्लेटर को दिए गए सभी सम्मान हटाने वाले बोर्ड के प्रस्ताव का समर्थन किया। करीब एक दशक पहले शानदार प्रदर्शन के लिए माइकल स्लेटर को ये सम्मान दिया गया था। साल 2015 में उन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था और साल 2016 में लाइफ मेंबरशिप दी गयी थी। इस पूर्व क्रिकेटर ने साल 1993 और 2001 के बीच कुल 74 टेस्ट और 42 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच ऑस्ट्रेलिया की ओरा से खेल थे। साल 2016 के बाद से ही उनके खिलाफ कई महिलाओं ने शिकायतें की थीं। उन पर बार-बार गंभीर घरेलू हिंसा के मामले रहे थे। उन्हें अप्रैल 2025 में क्वींसलैंड के मारूचीडोर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने चार साल की जेल की सजा भी इस पर सुनाई थी।

गाबा टेस्ट में शायद ही खेल पायें ख्वाजा

ब्रिसबेन। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले ही ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा अभी तक पीठ में आये खिंचाव से नहीं उबर पाये हैं और ऐसे में उनका दिन-रात के इस मैच में खेलना संदिग्ध है। ख्वाजा को एशेज के पहले मैच के दौरान पीठ में जकड़न के बाद मैच से बाहर होना पड़ा था। वह पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी नहीं कर पाये थे। वह गत दिवस नेट सत्र में भी सहज नहीं दिखे। उन्होंने सहायक कोच माइकल डि वेनुटो के थ्रो-डाउन का भी सामना किया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) पूरी तरह से फिट होने पर ही ख्वाजा को शामिल करेगा। ख्वाजा चार साल पहले टीम में वापसी के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं और टीम में अकेले ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने गाबा में तीन दिन-रात के मैच खेले हैं। अगर वह नहीं खेल पाते हैं तो 14 सदस्यीय टीम में ब्यू वेबस्टर और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ी विकल्प के तौर पर शामिल किये जा सकते हैं। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस ने नेट्स में जमकर अभ्यास किया है हालांकि वह इस मैच में भी नहीं खेलेंगे।

महिला क्रिकेटरों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह का हुआ प्रमोशन

नई दिल्ली। भारतीय रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) ने 2025 विश्वकप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीन खिलाड़ियों स्नेह राणा, प्रतीका रावल और रेणुका सिंह ठाकुर को प्रमोशन दिया है। रेलवे ने इन तीनों को ही आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन देते हुए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी- स्पोर्ट्स) के पद पर नियुक्त किया है। इन तीनों खिलाड़ियों को अब ग्रुप बी गजेटेड ऑफिसर के बराबर वेतन और सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की इस पहल से महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिलेगी बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी भी मिलेगी।

गौरतलब है कि महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुआ था। इसके खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता था।

राणा सहित तीनो ही क्रिकेटरों ने इस सम्मान और प्रमोशन के लिए रेलवे का आभार जताते हुए कहा है कि इससे उनको और बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। राणा को

राणा हाल ही में महिला प्रीमियर लीग नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी टीम में शामिल किया। गत सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलने के बाद राणा अब जेमिमा रोड्रिग्स और शैफाली वर्मा के साथ कैपिटल्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी।

180 युवक-युवतियां प्रतिष्ठित कंपनियों में जॉब के लिए रवाना

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर बढ़ाया उत्साह, सफलता के लिए किया प्रेरित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के 180 युवक-युवतियों का भविष्य आज एक नई दिशा में आगे बढ़ा, जब 02 दिसंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट से उन्हें देश की प्रतिष्ठित कंपनियों टाटा इलेक्ट्रॉनिक, टाटा मोटर्स और टीव्हीएस में जॉब के लिए बैंगलोर, अहमदाबाद और पुणे के लिए रवाना किया गया। इनमें 100 युवतियां और 80 युवक शामिल हैं।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस समारोह में कलेक्टर श्री मृणाल मीना, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, रोटरी क्लब के पदाधिकारी, बालाघाट के व्यवसायी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संयुक्त रूप से बसों को हरी झंडी दिखाकर युवाओं को शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

युवाओं की शंकाओं का समाधान, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रेरणा

युवक-युवतियों को रवाना करने से पहले उन्हें जॉब प्रोफाइल, वेतन, भोजन-आवास, अवकाश तथा अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कुछ माह पूर्व जॉब के लिए अहमदाबाद और बैंगलोर गए युवाओं सत्यम (टाटा मोटर्स) और नंदनी (टाटा इलेक्ट्रॉनिक) से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद भी कराया गया।

सत्यम ने बताया कि टाटा मोटर्स में बालाघाट जिले के कई युवा कार्यरत हैं और कंपनी द्वारा भोजन, ठहरने, स्वास्थ्य सहित

सभी आवश्यक सुविधाएँ उत्कृष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं। समय पर वेतन और सुरक्षित कार्य वातावरण के कारण उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा जीवन में आगे बढ़ने के लिए घर से बाहर निकलना ही पड़ेगा। सत्यम ने बताया कि उनके द्वारा टाटा कंपनी के सियरा कार का निर्माण किया जा रहा है, यह हम लोगो का सौभाग्य है कि इस कार के निर्माण में बालाघाट के युवाओ का हाथ लग रहा है।

नंदनी ने बैंगलोर स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक कंपनी में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह एप्पल कंपनी के लिए आईफोन निर्माण से जुड़ा कार्य कर रही हैं। कंपनी द्वारा सुरक्षा, भोजन, आवास तथा अन्य आवश्यकताओं की बेहतरीन व्यवस्था की जाती है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही और प्रतिदिन नई चीजें सीखने का अवसर मिल रहा है।

कलेक्टर का संदेश -घर बैठे नौकरी संभव नहीं, आगे बढ़ने के लिए कदम बढ़ाना जरूरी

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जॉब के लिए रवाना हो रहे युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए घर से बाहर निकलकर अवसरों को अपनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने देश की अग्रणी कंपनियों से समन्वय कर इंटरव्यू की व्यवस्था की, जिनके माध्यम से इन युवाओं का चयन हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि स्थानीय स्तर पर भी रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए शीघ्र ही उद्यमियों और व्यवसायियों से बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

उल्लेखनीय है कि बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा किये गए प्रयासों से इस वर्ष 08 हजार से अधिक युवाओ का देश की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा जॉब के लिए इंटरव्यू के माध्यम से चयन किया गया है और उन्हें ऑफर लेटर दिये गए है। इनमें से 03 हजार से अधिक युवाओ को जॉब के लिए बैंगलोर, अहमदाबाद, पुणे रवाना किया जा चुका है। इन युवाओ को कंपनी द्वारा 19 से 20 हजार रुपए का वेतन दिया जा रहा है। जिसमें से उनके रहने के लिए होस्टल एवं भोजन तथा पीएफ की राशि काटने के बाद 14 से 15 हजार रुपए का भुगतान किया जा रहा है। पात्र युवाओ को कंपनी द्वारा पालीटेक्निक का डिप्?लोमा दिया जाएगा और बी-टेक की पढ़ाई भी कराई जाएगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, आशिष मिश्रा, तपेश असाटी, डिस्ट्रीक्ट रोटरी प्रेसिडेंट भानू प्रताप चौधरी, गणेश अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल, सुरेश बागरेचा, रुपेश वैद्य, प्रजेश बिसेन, शेखु वैद्य सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और युवाओं को शुभकामनाएँ दीं। इन 180 युवक-युवतियों का यह सफर न केवल उनके करियर की नई शुरुआत है, बल्कि बालाघाट जिले में बढ़ते रोजगार अवसरों और प्रशासनिक प्रयासों का भी सकारात्मक संकेत है।

जिले में 94.93 प्रतिशत गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

13 लाख 861 मतदाताओं के गणना पत्रकों का हुआ डिजिटलाइजेशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र2026) कार्य में 02 दिसम्?बर 2025 की शाम तक जिले में कुल 13 लाख 70 हजार 312 मतदाताओं में से 13 लाख 861 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार बालाघाट जिले में मतदाताओं के 94.93 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाईजेशन किया जा चुका है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में बीएलओ की टीम शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के लिए तेजी से काम कर रही है। बालाघाट जिले के 1675 मतदान केन्द्रों के बीएलओ द्वारा किये जा रहे इस कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जी एस धुर्वे एवं सभी एसडीएम व तहसीलदार गांव-गांव जाकर एसआईआर कार्य का सतत निरीक्षण कर रहे हैं । बालाघाट जिले में विधानसभा क्षेत्र लांजी में 96.09 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 52 हजार 714 मतदाताओं में से 02 लाख 42 हजार 844 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा परसवाड़ा क्षेत्र में 95.77 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 29 हजार 48 मतदाताओं में से 02 लाख 19 हजार 355 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। बैहर विधानसभा क्षेत्र में 95.61 प्रतिशत डिजिटलाइजेशन के किया गया है। बैहर विधानसभा में 02 लाख 37 हजार 371 मतदाताओं में से 02 लाख 26 हजार 962 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी में 95.53 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 07 हजार 152 मतदाताओं में से 01 लाख 97 हजार 900 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा क्षेत्र कटंगी में 94.64 प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 05 हजार 828 मतदाताओं में से 01 लाख 94 हजार 797 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। बालाघाट विधानसभा क्षेत्र में 91.94 गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया गया है, इसमें 02 लाख 38 हजार 199 मतदाताओं में से 02 लाख 19 हजार 03 मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

13 दिसम्बर को आयोजित होगी नेशनल लोक अदालत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में 13 दिसम्बर 2025 (शनिवार) को जिला न्यायालयों/तालुका न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, कुटुम्ब न्यायालयों तथा अन्य न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसमें न्यायालयीन लंबित दीवानी एवं आपराधिक शमनीय मामलों एवं बैंक, विद्युत, श्रम, जलकर, संपत्तिकर आदि प्री-लिटिगेशन प्रकरणों सहित सभी प्रकार के मामले निराकरण के लिए रखे जायेगें। 02 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत के वृहद प्रचार-प्रसार के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी रघुबीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश दीप नारायण सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष कुमार सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट अविनाश छारी, श्रीमती शिखा शर्मा, श्रीमती शीनी जैन, शुभम जैन, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे एवं लीगल एड डिफेंस काउंसेल्स आदि उपस्थित रहें।

दुग्ध संमृद्धि संपर्क अभियान के तहत दिया जा रहा प्रशिक्षण

लालबर्रा एवं परसवाड़ा विकासखंड के 59 प्रशिक्षणार्थियों ने दी सहभागिता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा संचालित दुग्ध संमृद्धि संपर्क अभियान के तहत पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय के माध्यम से अधिक लाभ अर्जित कराने एवं प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से अभियान के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में प्रारंभ हो चुका है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में बालाघाट जिले में भी 26 नवम्बर से 05 दिसम्बर तक जिला स्तरीय व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के तहत प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से सायं 6 बजे तक प्रशिक्षण सत्र डाईट, बालाघाट में संचालित किया जा हैं।

उपसंचालक पशु पालन एवं डेयरी विभाग श्री एनडी पुरी ने बताया कि जिला स्तरीय प्रशिक्षण के उपरांत इसी प्रक्रिया को विकासखंड स्तर पर भी दोहराया जा रहा है। सभी प्रशिक्षण राज्य स्तर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के दल द्वारा प्रदान किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण सत्रों

की प्रमुख विशेषता यह है कि वे मल्टीमॉडल, व्यवहारिक और उदाहरण-आधारित हैं, जिससे विभागीय अमले को फील्ड स्थितियों के अनुरूप कौशल विकास में प्रभावी सहायता मिल रही है। 01 दिसम्बर को इस प्रशिक्षण में लालबर्रा एवं परसवाड़ा विकासखंड के विभागीय अमले के कुल 59 प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता दर्ज की।

उल्लेखनीय है कि आगामी दिनों में अभियान के अंतर्गत विभागीय दल 05 से 09 दुधारू पशु रखने वाले पशुपालकों के घर-घर पहुंचकर सीधा संवाद स्थापित करेगा। इस जनसंपर्क एवं प्रशिक्षण-आधारित पहल के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों का प्रसार, तथा पशुपालकों की आय में सतत् बढ़ोत्तरी मुख्य उद्देश्य के रूप में निर्धारित किए गए हैं। पशुपालन एवं डेयरी विभाग का यह नवाचारी अभियान प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी कदम सिद्ध होगा।

5 दिन बीत जाने पर भी ट्रामा सेंटर में अब तक नहीं बनी पेयजल की व्यवस्था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अब इसे जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती प्रसूताओ और उनके परिजनों की बदकिस्मती कहें, या फिर अस्पताल प्रबंधन का उदासीन रवैया, की 5 दिन बीत जाने के बाद भी जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में आने वाले लोगों व पहले से भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के लिए अब तक अस्पताल प्रबंधन द्वारा पेय जल के इंतजाम नहीं किए गए हैं।जिसके चलते यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को अपने सूखे हुए कंठ को तर करने और दो घूट पानी पीकर प्यास बुझाने के लिए भी इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।उधर लोगो को पिछले 5 दिनों से कभी जिला अस्पताल जाकर प्यास बुझाना पड़ रहा है तो कभी वे कैंटीन व दुकानों में जाकर 20रु की बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर है। उधर अस्पताल प्रबंधन द्वारा पानी जैसी मूलभूत सुविधा को बहाल करने के लिए और एक-दो दिन का समय लगने की बात कही जा रही है। मतलब साफ है कि यहां भर्ती प्रसूताओं और उनके परिजनों को फिलहाल पानी की समस्या से राहत की नहीं मिल पाएगी।

सुधार कार्य के लिए कर्मचारी पहुंचे, पर नहीं मिला सामान

पिछले 05 दिनों से बनी पानी की इस समस्या को लेकर जब शिकायत मिली, तो वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर टेक्निकल स्टाफ को जल की आपूर्ति बहाल करने के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया। जहां रविवार को कर्मचारियों ने पहुंचकर वाटर कूलर में सुधार कार्य करने की कोशिश की, लेकिन वाटर कूलर में लगने वाले फिल्टर व कार्बन सहित अन्य उपकरण खराब होने के चलते दोनों वाटर कूलर दुरुस्त नहीं हो सके। वही वाटर कूलर में लगाने के लिए दूसरे उपकरण न होने के चलते कर्मचारियों ने सुधार कार्य को अधूरा ही छोड़ दिया।जिसके चलते पेयजल आपूर्ति पुन: बहाल नहीं हो सकी। बताया यहा भी जा रहा है कि रविवार के बाद 03 दिन बीत जाने पर भी अब तक कर्मचारियों को उपकरण नहीं मिल पाए हैं। जिसके चलते सुधार कार्य नहीं हो सका। उधर वाटर कूलर से पानी न मिलने के चलते लोगों को या तो 20 रु की बोतल खरीद कर अपनी प्यास बुझानी पड़ रही है या फिर पूर्व से रखी पानी की बोतल को लेकर पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

पानी के लिए एक फ्लोर से दूसरे फ्लोर भटक रहे पारिजन

बताया जा रहा है जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में जिले भर से रोजाना काफी अधिक मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं,जबकि वर्तमान में तीन फ्लोर के इस ट्रामा सेंटर का प्रसूता वार्ड सहित अन्य वार्डो मे प्रसुताए पहले से भर्ती है। जहां मरीज के साथ परिवार और पहचान वाले चार से पांच सदस्य साथ रहते है।जहाँ भर्ती मरीज के परिजनों को किसी भी फ्लोर में पीने का पानी नही मिल पा रहा है।लोगो को सीढ़ियां उतरकर जिला अस्पताल के वाटर कूलर या केन्टीन जाना पड़ रहा है। शायद यही वजह है कि कई मरीज और उनके परिजन अस्पताल से बाहर आकर 20रु की पानी की बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर है। तो कोई पीने के पानी के लिए खाली बोतल हाथ में लिए इधर-उधर भटक रहा है। जहां 5 दिन बीत जाने के बावजूद भी पेयजल की व्यवस्था नहीं बन पाई है। वहीं अस्पताल प्रबंधन द्वारा पेयजल के इंतजाम करने के लिए और एक-दो दिन का समय लगने की बात कही जा रही है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि बिगड़ी यहां अव्यवस्था ,अस्पताल प्रबंधन द्वारा कब तक दुरुस्त कर दी जाती है।

एक-दो दिन के भीतर बहाल हो जाएगी व्यवस्था -जैन

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि,यह मामला संज्ञान में आने के बाद टेक्निकल स्टाफ को सुधार कार्य के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया था। जहां गेट के पास लगे दोनो वाटर कूलर को उन्होंने सुधारने का प्रयास किया। लेकिन वाटर कूलर के उपकरण खराब होने के चलते सुधार कार्य नही हो सका। हमने टेक्निकल स्टाफ से कहा है कि जो भी उपकरण लग रहे हैं, चाहे वह बालाघाट में मिले या फिर बाहर से मंगवाना पड़े ,उसकी व्यवस्था तुरंत की जाए और पेयजल की व्यवस्था बनाई जाए। हमें उम्मीद है कि संभवत- एक या दो दिन में पेयजल की यह व्यवस्था पुन: बाहर हो जाएगी।

लामता महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस पर कार्यक्रम हुए आयोजित

पद्मेश न्यूज। लामता। शासकीय महाविद्यालय लामता में प्राचार्य डॉ. सुनीता वैद्य के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. डुलेश्वरी टेम्भरे के निर्देशन में रेड रिबन क्लब एवं राष्टीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं पोस्टर तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती व स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ. सुनीता वैद्य ने कहा कि एड्स संक्रमित व्यक्ति के साथ हमें संवेदना व्यक्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक एड्स नियंत्रण में सहभागिता जरूरी है। विषय विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा वासनिक ने अपने उद्बोधन में एड्स के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की और कहा कि एड्स लाइलाज बीमारी है, यह चार कारणों से फैलता है तथा इसके रोकथाम और बचाव के बारे में अवगत कराया। इस दौरान एड्स के कारण एवं बचाव के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। इसके पश्चात एड्स प्रश्नोत्तरी क्विज का आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डुलेश्वरी टेंम्भरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ढालसिंह गौतम ने किया । इस अवसर पर समस्?त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

1 दिसंबर से प्रारंभ हो गया किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का खरीदी

185 उपार्जन केन्द्रों पर किसानों से खरीदी जायेगी धान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार बालाघाट जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन 01 एक दिसम्बर से प्रारंभ हो गया है। धान उपार्जन के लिए जिले में 185 खरीदी केन्द्र स्थापित किये गये हैं। खरीदी केन्द्रों पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई है। किसानों से धान कॉमन 2369 रुपये प्रति क्विंटल तथा धान ग्रेड-ए 2389 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर खरीदी जायेगी। किसानों से उपार्जन केन्द्रों पर धान की खरीदी सप्ताह में पांच दिन सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक की जायेगी।

कलेक्टर मृणाल मीना ने धान उपार्जन व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारियों को वास्तविक किसानों से और एफएक्यू क्वालिटी का धान का खरीदने के लिए सख्त हिदायत दी है। उन्होंने खरीदी व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश करने वाले बिचौलियों अथवा व्यापारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं। कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों से कहा है कि खरीदी केन्द्रों पर किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। प्रत्येक खरीदी केन्द्रों पर एफएक्यू मापदंड के नमूने प्रदर्शित करने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिये हैं। कलेक्टर ने किसानों से भी अपील की है कि किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए धान को अच्छी तरह से साफ-सफाई कर एवं सुखाकर ही विक्रय के लिए खरीदी केन्द्रों पर लेकर आयें। उन्होंने किसानों से अपना बैंक खाता एवं मोबाइल नंबर आधार से लिंक कराने के बाद ही स्लॉट की बुकिंग करने तथा उपज की तुलाई के बाद उपार्जन केन्द्र से तौल पर्ची और उपार्जन पोर्टल की पावती प्राप्त करने का आग्रह भी किया है।

किसानों से धान की खरीदी स्लॉट बुकिंग के आधार पर की जायेगी। किसान स्लॉट की ब ु िक ं ग www.mpeuparjan.nic.in पर कर सकेंगे। किसान उपार्जन अवधि के आखिरी दस दिन को छोड़कर स्लॉट बुक कर सकेंगे। स्लॉट बुकिंग की अवधि सात दिन की होगी। संबंधित उपार्जन केन्द्र की तौल क्षमता अनुसार स्लॉट की बुकिंग की जायेगी। किसानों को स्लॉट की बुकिंग विक्रय की जाने वाली पूरी मात्रा के लिए करनी होगी। आंशिक स्लॉट बुकिंग अथवा उपज का आंशिक विक्रय नहीं किया जा सकेगा। किसानों द्वारा स्लॉट बुक करनें के समय पोर्टल पर उनके उस आधार लिंक बैंक खाता नंबर एवं बैंक का नाम प्रदर्शित होगा, जिस पर समर्थन मूल्य? पर उपार्जि त धान का भुगतान किया जाना है। पोर्टल पर प्रदर्शित बैंक खाते को किसानों को अपने बैंक खाते की पासबुक से मिलान करना होगा और उनके द्वारा इसका सत्यापन करने के बाद ही स्लॉट की बुकिंग हो सकेगी। यदि किसान किसी अन्य बैंक खाते में उपज का भुगतान चाहता है तो उसे अपना नवीन बैंक खाता आधार से लिंक कराना होगा, उसके बाद ही स्लॉट बुकिंग हो सकेगी।

दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता एवं सामर्थ्य प्रदर्शन

पद्मेश न्यूज।किरनापुर । राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल एवं कलेक्टर सह मिशन संचालक बालाघाट के निर्देशानुसार विकासखंड स्तर पर दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।प्रतियोगिता रंगोली ,चित्रकला ,कुर्सी दौड़ 100 मीटर दौड़ गायन नृत्य इन सभी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विकासखंड के कक्षा 1 से 8 तक के दिव्यांग बच्चे दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित अस्थि बाधित मानसिक बाधित सिकल सेल बहु दिव्यांग इन सभी बच्चों ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता कर अपने सामर्थ्य एवं क्षमता का प्रदर्शन किया। बीआरसी सी एल टेकाम द्वारा बताया गया कि जनपद शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को 3 दिसंबर को जिला स्तर पर वाहन द्वारा लेकर जाने हेतु कार्यक्रम प्रभारी डी सी बिरनवार एवं श्यालू राऊत को जवाबदारी सौपी गई है। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त बबी आर सी स्टाफ एवं शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा बी आरसी स्टाफ में शामिल - अरुण पाराशर महाजन बिसेन अशोक बिसेन गजानंद मोहबे विनोद साकरकर बीएससी एवं राकेश भरने शिक्षण स्टाफ में शामिल -पालन सी परते शिवनारायण तेलासे फूलचंद लिल्हारे अनीता पारधी किरण पटले विद्या ऊइके के मीना मेंश्राम विशेष अतिथि शिक्षक प्रिया टेंभरे शामिल रहे।

एड्स दिवस पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी। शासकीय सिविल अस्पताल में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह कार्यशाला बीएमओ डॉक्टर सत्यम शर्मा की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों की सर्वप्रथम रैली निकाली गई। जिसने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर वापस अस्पताल पहुंची जहां कार्यशाला प्रारंभ की गई । वहीं एड्स बीमारी के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। वहीं यह बीमारी के शुरुआती लक्षणों के बारे में भी बताया गया। जिसमें बीमारी से

बचाव को उपचार बताया गया वहीं मौसमी बीमारी सहित अनेक प्रकार की जानकारियां देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर डॉ कमलेश जोड़े ,डॉ विक्रम शरणागत, डॉ महिमा ,सुनील धामने ,संदीप कोकाटे सहित स्टॉफमौजूद रहा।

न्यूज गैलरी

जिले के सभी 185 धान खरीदी केंद्रों पर सीसीटीव्ही कैमरे से रखी जायेगी नजर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिये जिले में स्थापित किये जाने वाले सभी खरीदी केंद्रों पर सीसीटीव्ही कैमरे लगाये जा रहे हैं और इनमें माध्यिम से खरीदी केन्द्रों की प्रत्येक गतिविधि पर निगरानी रखी जायेगी।

कलेक्टर मृणाल मीना ने निर्देशित किया है कि धान खरीदी केंद्रों पर सीसीटीव्ही कैमरे ऐसे स्थानों पर लगाएं जाएं जिससे वहाँ की प्रत्येक गतिविधि रिकार्ड हो सके। सीसीटीव्ही कैमरों से खरीदी केंद्रों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग का एक्सेस संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं, ताकि किसी तरह की अनुचित गतिविधियां पाये जाने पर तुरंत कार्यवाही की जा सके।

आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 03 दिसंबर अपराह्न 4:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की मॉनिटरिंग, सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा तथा सुधारात्मक उपायों पर चर्चा की जाएगी।

बैठक में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपीआरडीसी) के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के सदस्यों को उपस्थित होने के लिए पत्र जारी कर दिया गया है।

बूढ़ी आईटीआई बालाघाट में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के तत्वाधान में बैंकों के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए 04 दिसम्बर को एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन बूढ़ी आईटीआई में किया जा रहा है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बुढ़ी बालाघाट में दोपहर 02 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिले के बेरोजगार युवक युवतियों से अपील की गई है कि वे पीएमईजीपी योजना अंतर्गत स्वयं का उद्योग स्थापित करने के इच्छुक हों तो इस एक दिवसीय जागरूकता शिविर में अनिवार्य रूप से शामिल होकर शिविर का लाभ उठाए।

स्टेडियम में आज मनाया जाएगा विश्व विकलांग दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
कलेक्टर मृणाल मीना एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ के निर्देशन में तथा जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक जीपी बर्मन के मार्गदर्शन में 03 दिसम्बर को शहर के मुलना स्टेडियम में सुबह 11 बजे से विश्व विकलांग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

जिला परियोजना समन्वयक द्वारा समस्त बीआरसी को निर्देशित किया गया है इस कार्यक्रम में प्रत्येक विकासखण्ड से चयनित 10-10 बच्चों को वाहन के माध्यम से प्रतियोगिता में सम्मिलित कराना सुनिश्चित किया जाए। सहायक परियोजना समन्वयक श्रीष थानथराटे ने बताया है कि प्रत्येक विकासखंड से चयनित छात्र छात्राये जिला स्तर पर होने वाली रंगोली,

माओवाद ग्रस्त बोदलझोला के जंगल में बरामद हुआ नक्सल विस्फोटक सामग्री

जमीन के अंदर एल्युमेनियम कंटेनर में छुपाकर रखी गई सामग्री, इलेक्ट्रानिक सामान, वायरलेस सेट, व दैनिक उपयोग सामग्री जप्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नक्सलियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बालाघाट पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है।जहां पुलिस ने जमीन के भीतर छुपा कर रखे गए एक और नक्सली डंप को जप्त किया है।ज्ञात हो कि हाल मे ही 29 नवंबर को किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बोरबन,के सिरका एवं अलीटोला जंगल मे नक्सलियों द्वारा भारी मात्रा मे छिपाया गया एक्युनेशन, इलेक्ट्रानिक एवं मेडिकल संबंधी डंप जप्त किया गया था।इसके ठीक 3 बाद अब थाना किरनापुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोदालझोला जंगलो में की गई तलाशी के दौरान पुलिस सर्चिंग पार्टी के द्वारा जमीन के भीतर नक्सलियो द्वारा डंप करके छिपाया गया एक एल्युमेनियम कंटेनर खोजा गया है।जिंसमे छिपाकर रखी गई इलेक्ट्रानिक सामग्री, एक वायरलेस सेट एवं दैनिक उपयोग सामग्री जप्त की गई है।

प्रेसनोट जारी कर दी गई जानकारी

पुलिस विभाग द्वारा मंगलवार की शाम एक प्रेसनोट जारी कर उक्त जानकारी दी गई जिसमें बताया गया कि भारत सरकार द्वारा मार्च 2026 तक नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी दिशा में बालाघाट पुलिस ने नक्सल विरोधी अभियान को और अधिक गतिशील व प्रभावी बनाया गया है।जिसके तहत जिले के नक्सल प्रभावित इलाके मे बड़े पैमाने पर संयुक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। जिनके द्वारा बड़े स्तर पर सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है।हॉकफोर्स, सीआरपीएफ, कोबरा, जिला पुलिस बल तथा बीडीडीएस टीम द्वारा पिछले कई दिनो से लगातार चलाए जा रहे सघन सर्चिंग अभियान के तहत, पुलिस बल न केवल नक्सलियों की तलाश कर रहा है बल्कि बीडीडीएस टीम एवं डॉग स्वॉड की सहायता से जंगल मे छिपाए गए नक्सल डंप, विस्फोटक सामग्री और खतरनाक उपकरणो की भी विधिवत् सर्चिंग की जा रही है।हाल मे ही सिरका एवं अलीटोला मे नक्सलियों द्वारा भारी मात्रा मे छिपाया गया एक्युनेशन, इलेक्ट्रानिक एवं मेडिकल संबंधी डंप जप्त किया गया था।इसी क्रम में थाना किरनापुर अंतर्गत के बोदालझोला जंगलो में की गई तलाशी के दौरान पुलिस सर्चिंग पार्टी के द्वारा जमीन में नक्सलियो द्वारा डंप करके छिपाया गया एक एल्युमेनियम कंटेनर में इलेक्ट्रानिक सामग्री, एक वायरलेस सेट एवं दौनिक उपयोग सामग्री जप्त की गई है।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में इस अभियान को आगे भी जारी रखने की बात कही गई है। विज्ञप्ति में बताया गया कि सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चला रहे सर्चिंग अभियान ने नक्सलियों पर उल्लेखनीय दबाव बनाया है,जिसके चलते वे अपने ठिकानों को छोड़कर भागने को मजबूर हैं। बालाघाट सहित सीमावर्ती राज्यों के संयुक्त अभियान की प्रभावशीलता का परिणाम यह है कि हाल ही में एमएमसी जोन के कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है । नक्सलियों मे आत्मसमर्पण का दबाव लगातार बढ़ रहा है और सुरक्षा बलों की कार्यवाही से नक्सली भयग्रस्त हैं। प्रेस विज्ञप्ति में आगे बताया गया कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नक्सली या तो आत्मसमर्पण करें अथवा सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें। बालाघाट पुलिस जिले को शीघ्र ही नक्सल मुक्त बनाने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है और निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इसी कड़ाई और गतिशीलता के साथ नक्सल विरोधी अभियान जारी रखेगी।

5 से 31 दिसंबर तक वारासिवनी रेलवे क्रासिंग से सभी तरह के वाहनों का आवागमन बंद रहेगा

पदमेश न्यूज़। वारासिवनी। वारासिवनी-बालाघाट रोड स्थित रेल खंड पर निर्माणाधीन ROB (रेलवे ओव्हर ब्रिज) में रेलवे द्वारा गर्डर लांचिंग का काम किया जाना है। इस कार्य के दौरान आम नागरिकों की सुविधा एवं दुर्घटना की आशंका को दृष्टिगत् रखते हुये वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल ने रेलवे क्रासिंग वाले इस मार्ग को 05 से 31 दिसंबर 2025 तक अस्थाई रूप से बन्द रखने का आदेश दिया है। इस अवधि में अनुमोदित ट्राफिक डायवर्सन प्लान के अनुसार मार्ग डायवर्सन (परिवर्तित) किया गया है ।

05 से 31 दिसंबर 2025 की अवधि में प्रतिबंधित मार्ग वारासिवनी से बालाघाट मुख्य मार्ग रेलवे कासिंग वारा से सम्पूर्ण यातायात बन्द रहेगा।

वारासिवनी, रामपायली एवं कटंगी की ओर से बालाघाट जाने वाले दोपहिया एवं हल्के चार पहिया वाहन जय स्तंभ चौक से लालबर्रा रोड-गायत्री मंदिर-ग्राम वारा-दुर्गा जी मंदिर वारा से बालाघाट मुख्य मार्ग पर पहुंचेंगे ।बालाघाट से वारासिवनी एवं कटंगी की ओर जाने वाले दोपहिया एवं हल्के चार पहिया वाहन ग्राम वारा-दुर्गा जी मंदिर वारा से ग्राम वारा होते हुये गायत्री मंदिर से जय स्तंभ होते हुये वारासिवनी कस्बे में प्रवेश करेंगे । वारासिवनी से बालाघाट जाने वाले सभी भारी मालवाहक वाहन वारासिवनी से जय स्तंभ चौक-लालबर्रा रोड-नेवरगांव होते हुये लवादा से बालाघाट जायेंगे ।

रामपायली की ओर से आने वाले सभी भारी मालवाहक वाहन वारासिवनी के दीनदयाल चौक से जय स्तंभ-लालबर्रा रोड-नेवरगांव होते हुये लवादा से बालाघाट जायेंगे । बालाघाट से वारासिवनी, रामपायली एवं कटंगी की ओर जाने वाले सभी भारी वाहन गर्रा से लवादा-नेवरगांव होते हुये वारासिवनी, गर्रा से डोंगरिया, हाईवे रोड से लवादा होते हुये नेवरगांव से वारासिवनी, रामपायली, कटंगी जायेंगे ।

वैकल्पिक मार्ग यात्री परिवहन वाहनों के लिये

बालाघाट से वारासिवनी , कटंगी, रामपायली की ओर से आने वाले हल्के चार पहिया वाहन ग्राम वाराटोला से रामचंदानी राईस मिल के पास से शिवधाम मोहल्ला होते हुये दीनदयाल चौक वारासिवनी, कटंगी और रामपायली की ओर जायेंगे।

वारासिवनी से बालाघाट की ओर जाने वाले यात्री परिवहन वाहन दीनदयाल चौक से विनायक मंदिर-शिवधाम मोहल्ला से वाराटोला होते हुये बालाघाट मुख्य मार्ग पर पहुंचेंगे।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

युवक ने मानसिक तनाव में खाया चूहा मार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माता-पिता द्वारा काम धाम नहीं करने पर लगाई गई फटकार के तनाव में आकर एक युवक ने चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया चूहा मार दवाई के सेवन से अस्वस्थ लक्की पिता सुरेश बागडे 18 वर्ष ग्राम कुंडे मोहगांव थाना हट्टा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्की बागडे मजदूरी करता है। बताया गया है कि लक्की बागडे को उसके माता-पिता काम नहीं करता कहकर डांट फटकार लगाते रहते थे। 1 नवंबर को लक्की बागड़े अपने दोस्त राज मेश्राम से मिलने बालाघाट उसका रूम आया था। रात्रि में लक्की बागडे वहीं पर रुका । 2 दिसंबर को 1:00 बजे लक्की बागड़े ने दुकान से चूहा मार दवाई खरीदा और भटेरा चौकी रेलवे लाइन तरफ आकर उसने टेंशन में आकर चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। चूहा मार दवाई का सेवन करने के बाद लक्की बागडे ने अपने दोस्त को फोन करके बताएं कि उसने चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया है जिसके बाद लक्की बागड़े पैदल पैदल अपने दोस्त के रूम में पहुंचा ।जिसके दोस्त ने इस घटना के संबंध में लक्की बागड़े के पिता को फोन करके बताया। लक्की बागड़े का पिता सुरेश बागडे तुरंत

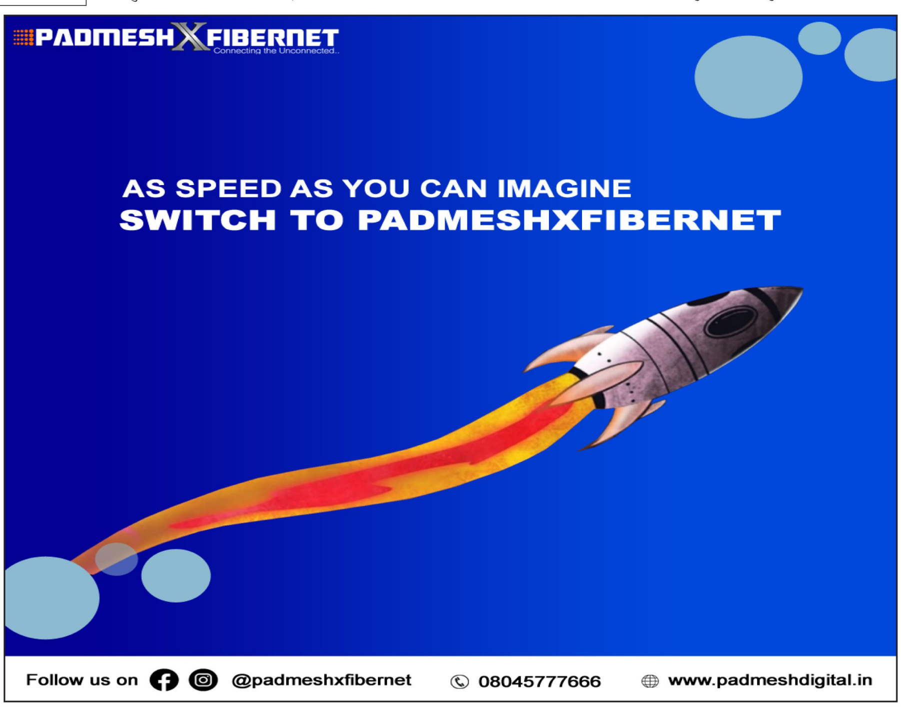

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट